आज का विचार
बेवकूफ बनते रहिए रिश्ते चलते रहेंगे। जिस दिन गलत के खिलाफ आवाज उठाओगे रिश्ते टूटने लगेंगे।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 18 मई, 2026 वर्ष 24, अंक 118, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप के नाम पर चेयर व अध्ययन केंद्र की स्थापना होगी: नायब सिंह सैनी

महाराणा प्रताप जयंती पर अंबाला के शहजादपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में की कई घोषणाएं

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप के नाम पर अध्ययन केंद्र व एक चेयर की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा शहजादपुर के बड़ागढ़ में स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय का नाम बदलकर महारानी पद्मावती राजकीय महाविद्यालय किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने यह घोषणाएं रविवार को अंबाला के शहजादपुर में संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के अंतर्गत आयोजित महाराणा प्रताप जयंती के राज्य स्तरीय समारोह में कीं। उन्होंने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये, राजपूत छात्रावास के निर्माण कार्य के लिए 31 लाख रुपये देने तथा शहजादपुर के कच्चे नाले को पक्का करवाए जाने की भी घोषणा की। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप की नवीकृत प्रतिमा का अनावरण भी किया। समारोह में मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने विशेष रूप से शिरकत की।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महाराणा प्रताप ऐसे महान यौद्धा थे जिनका नाम लेते ही रोम रोम में देशभक्ति की लहर दौड़ने लगती है।इनका नाम सुनते ही हृदय गर्व से और आंखें श्रद्धा से भर जाती हैं। राजपूत समाज में महाराणा प्रताप का जन्म ऐसे समय में हुआ था जब भारतीय समाज पर अन्याय, अत्याचार की घोर घटा छाई हुई थी और हमारी गौरवशाली संस्कृति को नष्ट करने तथा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया जा रहा था। उन्होंने महाराणा कुंभा और राणा सांगा से वीरता और शौर्य विरासत में प्राप्त की और मेवाड़ की सत्ता संभालने के बाद साहस, पराक्रम और वीरता की अनुपम मिसाल कायम की थीं। उनका घोड़ा चेतक और हाथी रामप्रसाद भी उन्हीं की भांति अद्भुत थे जिन्होंने राष्ट्र, धर्म और सम्मान की रक्षा के लिए त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की सत्ता संभाली तब आधा मेवाड़ मुगलों के अधीन हो चुका था। अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि को मुगलों से आजाद करवाने के लिए महाराणा प्रताप ने लगभग 20 साल जंगलों में बिताए।उन्होंने घास की रोटियां खाना स्वीकार किया लेकिन हार नहीं मानी। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जन्म बहादुर राजपूत कौम में हुआ।राजपूत एक जाति

का नहीं, बल्कि न्याय व सच्चाई का एक प्रतीक है।इस कौम ने देश को महान शासक दिए।भारत की आजादी और आजादी के बाद राष्ट्र की आन, बान व शान की रक्षा के लिए कुबार्नी देने वालों में इस समाज का अग्रणी स्थान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें यह संदेश देता है कि जब तक स्वाभिमान जीवित है तब तक हमारी आत्मा जीवित है। देश की सभ्यता व संस्कृति पर कोई आंच न आने देने के उनके सिद्धांत आज भी हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। उनकी बहादुरी से प्रेरित होकर ही हमारी सेनाओं ने युद्धों में अनेक बार दुश्मनों को धूल चटाई है।

मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा होना चाहिए।उनके जीवन से हमें सीखना चाहिए कि हमें कभी अपनी धरोहर, संस्कृति व धर्म को नहीं भूलना चाहिए। महाराणा प्रताप ने हमेशा जनता की भलाई को प्राथमिकता दी और स्वयं के सुख या कल्याण की कभी परवाह नहीं की। उनके आदर्शों पर चलने से ही समाज, प्रदेश व देश का उत्थान होगा। समारोह की अध्यक्षता कर रहे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने महाराणा प्रताप, उनके घोड़े तथा हाथी के शौर्य, वीरता व त्याग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उनके द्वारा किए गए संघर्ष व हल्दीघाटी में हुए युद्ध की घटनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप सच्चे अर्थों में शूरवीर थे। महाराणा प्रताप के साथ-साथ उनसे पूर्व की 12 पीढ़ियों ने भी देश के लिए कुर्बानियां दी। उनकी जयंती देश के अलग-अलग हिस्सों में पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाई जा रही है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, पूर्व मंत्री संजय सिंह, मंदीप राणा, संतोष सारवान, रेखा राणा, शशि परमार, अमरपाल राणा, डॉ. पवन सैनी व वीरेंद्र चौहान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मधुर डेयरी का नया प्लांट पशुपालकों की आर्थिक उन्नति का आधार बनेगा : शाह

एजेंसी (हि.स.)
गांधीनगर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के करकमलों से रविवार को गांधीनगर के दशेला में मधुर डेयरी के नवनिर्मित मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी, उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी, सहकारिता मंत्री जीतूभाई वाघाणी तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जगदीशभाई विश्वकर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर पशुपालक बहनों ने केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का स्वागत भी किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दशेला में 15 एकड़ भूमि में 128 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित यह पूर्णतः ऑटोमैटिक मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट पशुपालकों की आर्थिक उन्नति का आधार बनेगा। यह प्लांट दैनिक ढाई लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग करेगा, जिसे भविष्य में पांच लाख लीटर तक बढ़ाने की योजना है। इस प्लांट के संचालन खर्च के बाद होने वाला लगभग 75 प्रतिशत मुनाफा सीधे ही पशुपालकों के बैंक खातों में जमा होगा।

डेयरी सेक्टर को महिला सशक्तिकरण का विशेष माध्यम बताते हुए शाह ने जोड़ा कि आज गुजरात में 36 लाख पशुपालक बहनों के माध्यम से दैनिक तीन करोड़ लीटर दूध एकत्र किया जाता है, जिसके फलस्वरूप प्रतिदिन लगभग 200 करोड़ रुपये की राशि सीधे बहनों के बैंक खातों में जमा होती है। उन्होंने निजी अनुभव का वर्णन करते हुए कहा कि पहले जो बहनें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं थीं, वे आज डेयरी सेक्टर के कारण घर की सेठ बनी हैं।

केंद्रीय मंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि डेयरी सेक्टर में सर्कुलर इकोनॉमी को प्रोत्साहन देकर पशुपालकों की आय में कम से कम 20 प्रतिशत की वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने अमूल के उत्पादों के प्रति लोगों में बढ़ रहे विश्वास का उदाहरण देते हुए कहा कि अमूल की शुगर फ्री चॉकलेट शुगर फ्री चॉकलेट कैटेगरी में देश में पहले स्थान पर है, जिसका सीधा फायदा किसानों तक पहुंच रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि श्वेत क्रांति 2.0 अंतर्गत आगामी 10 वर्ष में देश का कुल दूध उत्पादन तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।अमूल ने टेक्नोलॉजी के माध्यम से पशुपालकों का मुनाफा बढ़ाने का कार्य किया है। शाह ने हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च की गई डिजिटल सहायक सरलाबेन का उल्लेख किया, जो आज ग्रामीण क्षेत्र की बहनों को पशुपालन एवं खेती में सहायक हो रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने मधुर डेयरी की प्रगति की प्रशंसा करते हुए कहा कि मधुर डेयरी सरदार वल्लभभाई पटेल, त्रिभुवनभाई पटेल तथा डॉ वर्गीस कुरियन की परंपरा को आगे बढ़ा रही है। मधुर डेयरी द्वारा वर्ष 1971 में केवल 4 मंडलियों तथा 6000 लीटर दूध एकत्रीकरण से शुरू की गई यात्रा आज 268 करोड़ रुपए के वार्षिक टर्नओवर तक पहुंची है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मधुर डेयरी के मिल्क प्रोसेसिंग तथा पैकेजिंग प्लांट के लोकार्पण अवसर पर कहा कि गुजरात की धरती सदियों से सहकारिता की भावना से समृद्ध धरती है।

भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदलते जा रहे परिप्रेक्ष्यों के साथ सहकारिता क्षेत्र भी कदम से कदम मिलाकर चल सके; ऐसे विजन के साथ सहकार से समृद्धि का मार्ग अपनाया है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने विकास की राजनीति का नया इतिहास रचा है, उसमें भी सबके सहयोग से देश की समृद्धि का ही भाव हृदय में रखा है, जिसके फलस्वरूप उन्होंने जनता-जनार्दन का अपार विश्वास तथा भरोसा प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री ने मधुर डेयरी के ऐतिहासिक संस्मरणों को ताजा करते हुए कहा कि आज से साढ़े पांच दशक पहले केवल तीन-चार दूध उत्पादक सहकारी मंडलियों ने यह संघ शुरू किया था और अब गांधीनगरवासियों की हर सुबह मधुर ब्रैंड नेम के दूध की चाय से ही होती है।

उन्होंने मधुर डेयरी तथा गांधीनगर जिला दूध उत्पादक संघ की अन्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधीनगर में दूध का उपभोग करने वालों यानी दूध उपभोक्ताओं की सहकारी मंडली पचास वर्ष से कार्यरत है। 15 हजार सभासदों वाली यह मंडली 230 वितरण केंद्रों से मधुर डेयरी के दूध का वितरण करती हैं।

मुख्यमंत्री ने मधुर डेयरी के इस कार्यक्रम को अमितभाई के दिशादर्शन में गांधीनगर में श्वेत क्रांति से विकास क्रांति का उत्सव बताया और डेयरी की विकास गाथा में नया सोपान जुड़ने के लिए मधुर डेयरी परिवार को अभिनंदन दिया।

राहुल ने प्रधान को हटाने की मांग दोहराई

नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक और सीबीएसई की तीन-भाषा व्यवस्था पर उठाए सवाल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की नई तीन-भाषा व्यवस्था को लेकर एक बाए फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को पद से हटाने की मांग की। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्रालय लगातार अव्यवस्था, असफलताओं और अनिश्चितता का कारण बन गया है तथा विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि पहले नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक से 22 लाख विद्यार्थी प्रभावित हुए। इसके बाद केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को त्रुटिपूर्ण मूल्यांकन प्रणाली के कारण अपेक्षा से कम अंक मिले, जिससे अनेक विद्यार्थियों की महाविद्यालय प्रवेश पात्रता प्रभावित हुई। अब लाखों 9वीं और 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को एक जुलाई से नई भाषा व्यवस्था लागू होने के बाद अतिरिक्त भाषा पढ़ने के लिए कहा जा रहा है, जबकि न पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध हैं और न ही पाठ्यपुस्तकें।

उन्होंने आरोप लगाया कि संक्रमणकालीन व्यवस्था के नाम पर 14 वर्षीय विद्यार्थियों को 6वीं कक्षा की पुस्तकें दी जा रही हैं। तीन परीक्षाएं, तीन आयु वर्ग और एक मंत्री। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान एक बार नहीं, बल्कि देश के विद्यार्थियों के हर आयु वर्ग को एक साथ विफल कर चुके हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय आपदाओं का विभाग बन गया है। क्या सरकार उन लाखों विद्यार्थियों और बच्चों से माफी मांगेंगे, जिनका भविष्य उनकी सरकार और शिक्षा मंत्री ने बर्बाद कर दिया है। हर नई घोषणा विद्यार्थियों को और अधिक अनिश्चितता में धकेल रही है तथा हर विफलता बिना किसी जवाबदेही के गुजर रही है।

राहुल गांधी ने इससे पहले रविवार सुबह भी नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर धर्मेन्द्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने के बावजूद शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। 2024 में भी नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हुआ था, लेकिन परीक्षा रद्द नहीं की गई और केवल जांच समिति बनाकर मामला छोड़ दिया गया। वहीं 2026 में फिर प्रश्नपत्र लीक हुआ, परीक्षा रद्द करनी पड़ी और फिर जांच तथा समिति गठन की बात की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी 2026 परीक्षा तीन मई को आयोजित हुई थी। बाद में प्रश्नपत्र लीक के आरोप सामने आने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा रद्द कर दी थी। अब विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी होगी। नई परीक्षा तिथि और प्रवेश पत्र जारी करने की जानकारी आधिकारिक माध्यमों से बाद में दी जाएगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने कहा है कि मई 2026 के लिए किया गया पंजीकरण, विद्यार्थियों का विवरण और चुने गए परीक्षा केंद्र दोबारा होने वाली परीक्षा में मान्य रहेंगे।

इधर, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शनिवार को कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए तीन-भाषा व्यवस्था अनिवार्य करने की घोषणा की थी। यह व्यवस्था एक जुलाई से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए लागू होगी।

अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस रेल सेवा को आभासी माध्यम से हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि इससे कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क को मजबूती मिलेगी। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर सेवा जल्द शुरू की जाएगी।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दक्षिण और उत्तर कर्नाटक की लंबे समय से लंबित मांगों को अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में रेलवे के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि

हुई है, जिससे कर्नाटक में रेल परियोजनाओं के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कर्नाटक के 61 रेलवे स्टेशनों का 2,160 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। इनमें से 9 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है। बेंगलुरु कैंटोनमेंट स्टेशन का 485 करोड़ रुपये तथा यशवंतपुर स्टेशन का 367 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है।

रेल मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से कर्नाटक में लगभग 1,750 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं। हासन-मंगलुरु खंड में जटिल विद्युतीकरण कार्य भी पूरा कर लिया गया है और परीक्षण जारी है।

उन्होंने कहा कि बेंगलुरु उपनगरीय रेल परियोजना के चारों गलियारों पर कार्य चल रहा है। बैयप्पनहल्ली-चिक्कबनावरा और हीलालिगे-राजनुकुंटे गलियारों में भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है तथा स्टेशनों का निर्माण कार्य जारी है। केएसआर बेंगलुरु-देवनहल्ली मार्ग को राज्य सरकार और रेलवे की संयुक्त मंजूरी मिल चुकी है और भू-तकनीकी सर्वेक्षण पूरा हो गया है। केंगेरी-व्हाइटफील्ड मार्ग को भी हाल में स्वीकृति मिली है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कर्नाटक में इस समय 12 जोड़ी वंदे भारत रेलगाड़ियां संचालित हो रही हैं।बेंगलुरु-मंगलुरु मार्ग पर परीक्षण चल रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों तक संपर्क और बेहतर होगा। बेंगलुरु को हैदराबाद और चेन्नई से जोड़ने वाले बुलेट रेल गलियारों को भी मंजूरी मिल चुकी है।

पांच देशों की यात्रा के तीसरे चरण में स्वीडन पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी, व्यापार और निवेश पर रहेगा फोकस

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पांच देशों की छह दिवसीय विदेश यात्रा के तीसरे दिन रविवार को नीदरलैंड से स्वीडन पहुंचे। स्वीडन में प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य भारत और स्वीडन के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि वह स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच भारत-स्वीडन मित्रता को नई दिशा देने पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान रहेगा।

प्रधानमंत्री ने अपने एक अन्य संदेश में कहा कि वह स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला फॉन डेर लेयेन के साथ यूरोपीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन में यूरोप के प्रमुख उद्योगपतियों और व्यापारिक नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बैठक से भारत और यूरोप के बीच निवेश संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और यूरोप के बीच आर्थिक साझेदारी को नए अवसर प्रदान करने के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस यात्रा से भारत और स्वीडन के संबंधों को नई गति मिलेगी।

योगी ने ने 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों की मानदेय वृद्धि का प्रतीकात्मक चेक वितरित किया

सिटी दर्पण संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नींव का निर्माण सबसे कठिन कार्य होता है। कमजोर नींव पर सशक्त, समर्थ और मजबूत इमारत का निर्माण नहीं हो सकता है। अक्सर हम नींव की उपेक्षा कर देते हैं, क्योंकि वह दिखायी नहीं देती। अनुदेशकों व शिक्षामित्रों का कार्य अत्यन्त गरिमापूर्ण है। इसलिए उनका मानदेय भी सम्मानजनक होना चाहिए। सरकार ने अनुदेशकों के मानदेय को बढ़ाकर 17,000 रुपये किया है। साथ ही, उनको 05 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर भी उपलब्ध कराया जाएगा। अनुदेशक और उनके परिवार को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा दी जाएगी।

मुख्यमंत्री जी आज यहाँ लोक भवन में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों की मानदेय वृद्धि (01 अप्रैल, 2026 से 09 हजार से बढ़ाकर 17 हजार रुपये प्रतिमाह) के उपलक्ष्य में आयोजित अनुदेशक सम्मान समारोह के अवसर पर अनुदेशकों को मानदेय का प्रतीकात्मक चेक वितरण करने के उपरान्त अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने बालवाटिका और कक्षा-01 से कक्षा-08 तक के बच्चों के शैक्षिक विकास पर आधारित होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड का विमोचन किया। शिक्षा विभाग में अनुदेशकों के योगदान पर केन्द्रित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी अनुदेशक बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा तैयार किए गए पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लें, ताकि अगले सप्ताह से ही कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा के कार्ड वितरित कराए जा सकें। बेसिक शिक्षा विभाग इस कार्य को तेजी के साथ आगे बढ़ाए। लगभग 01 लाख 43 हजार शिक्षामित्रों तथा 24,296 अनुदेशकों, सभी प्रकार के शिक्षकों तथा

शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को इस सुविधा से आच्छादित किया जा रहा है। यह आवश्यक भी है। जो वर्ग भारत की नींव को मजबूत करने और जो शासन की योजनाओं को ईमानदारी के साथ क्रियान्वित करने में अपना योगदान दे रहा है, उसके पास स्वयं के लिए भी स्वास्थ्य सुविधा की गारण्टी होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नगरीय क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए 10 हजार नये शिक्षकों की भर्ती के लिए अधियाचन भेजा गया है। शीघ्र ही यह प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा के सुधार के लिए 20 हजार नए अनुदेशकों की नियुक्ति की प्रक्रिया को भी इससे जोड़ने जा रहे है। यह बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों के कायाकल्प को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। छात्रों की संख्या बढ़ी है, तो शिक्षकों का अनुपात भी उसी प्रकार बढ़ेगा। सरकार मजबूती के साथ आपके हित के लिए कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2011-12 में बेसिक शिक्षा परिषद में 06 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत भारत सरकार के आदेश पर अनुदेशकों की नियुक्ति प्रारम्भ हुई थी। उस समय 100 से अधिक छात्र संख्या वाले 13,769 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रति विद्यालय 03 अंशकालिक अनुदेशक के रूप में कुल 41,307 अनुदेशकों की 7,000 रुपये मासिक मानदेय पर उनकी तैनाती हुई थी।

वर्तमान में प्रदेश के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 8,469 कला शिक्षा, 9,645 स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा तथा 6,192 कायार्नुभव शिक्षा अनुदेशक कार्यरत हैं। इनकी संख्या अब 41,307 से घटकर 24,296 रह गई है। इनमें से कुछ लोग रिटायर हो गए हैं, कुछ का दूसरी जगह समायोजन हो गया है। वर्ष 2011-12 से वर्ष 2022 तक बचे हुए अनुदेशकों के मानदेय के सम्बन्ध में कोई निर्णय नहीं हो पाया था। वर्ष 2019 में इस सम्बन्ध में अनुदेशक महासंघ के साथ बैठक हुई थी, लेकिन समय पर प्रस्ताव न आने के कारण तथा चुनाव की घोषणा हो जाने के कारण वर्ष 2022 में इनके मानदेय में 2,000 रुपये की वृद्धि की गई थी। उस समय भी हम यह मानते थे कि यह 2,000 रुपये की वृद्धि पर्याप्त नहीं है। लम्बे समय से अनुदेशकों की मानदेय वृद्धि की माँग थी, लेकिन उन्होंने कभी भी इसके लिए जोर-जबरदस्ती नहीं की।

इस अवसर पर विधायक श्री नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य श्री लालजी प्रसाद निर्मल, इं0 अवनीश कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, महानिदेशक स्कूली शिक्षा श्रीमती मोनिका रानी सहित शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, अनुदेशक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के क्षेत्र में कांग्रेस की बड़ी जीत उपमुख्यमंत्री के गढ़ में करारी शिकस्त

मनाली में भाजपा ने सभी सात सीटें जीतकर कांग्रेस का पूरी तरह सूपड़ा साफ कर दिया

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के शहरी निकाय चुनावों में रविवार को कई राजनीतिक संदेश देने वाले नतीजे सामने आए। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर के विधानसभा क्षेत्र देहरा में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नगर परिषद पर कब्जा जमाया जबकि डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री के गृह क्षेत्र टाहलीवाल में कांग्रेस को हार झेलनी पड़ी।

उधर पर्यटन नगरी मनाली में भाजपा ने सभी सात सीटें जीतकर कांग्रेस का पूरी तरह सूपड़ा साफ कर दिया। प्रदेश के चार नगर निगम धर्मशाला, मंडी, सोलन और पालमपुर सहित 51 शहरी निकायों के लिए रविवार को मतदान हुआ। इनमें 25 नगर परिषदों और 22 नगर पंचायतों में मतदान के बाद शाम पांच बजे से मतगणना शुरू हुई और कई स्थानों पर नतीजे घोषित कर दिए गए। वहीं चारों नगर निगमों की मतगणना 31 मई को होगी। देहरा नगर परिषद में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने सात में से पांच सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा को केवल दो सीटों से संतोष करना पड़ा। भाजपा समर्थित प्रत्याशी वार्ड नंबर 2 और 6 में जीत सके। इस जीत को मुख्यमंत्री सुक्खू के लिए राजनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है। कांगड़ा जिले की ज्वालामुखी नगर परिषद में भी कांग्रेस विधायक संजय रतन का प्रभाव साफ दिखाई दिया। नौ वार्डों में से कांग्रेस ने सात सीटों पर जीत हासिल की, जबकि भाजपा केवल दो सीटें जीत पाई। वार्ड नंबर 2 से कांग्रेस प्रत्याशी सोमेश कुमार पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे। सबसे दिलचस्प मुकाबला वार्ड नंबर 6 में देखने को मिला, जहां भाजपा की प्रीति सिहोल मात्र दो वोट से चुनाव हार गईं। वहीं विधायक संजय रतन के अपने वार्ड नंबर 1 में

भाजपा प्रत्याशी कमला देवी हारने के बावजूद 335 वोट लेने में सफल रहीं, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 407 वोट मिले। ऊना जिले की नगर पंचायत टाहलीवाल, जिसे डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री का गृह क्षेत्र माना जाता है, वहां भाजपा ने बढ़त बनाई। सात में से पांच सीटों पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी जीते, जबकि कांग्रेस को दो सीटें मिलीं। इसी जिले की नगर पंचायत अम्ब में मुकाबला बेहद रोचक रहा। यहां पांच कांग्रेस समर्थित और चार भाजपा समर्थित उम्मीदवार विजयी रहे। वार्ड नंबर दो में दोनों दलों के प्रत्याशियों को बराबर वोट मिले, जिसके बाद टॉस के जरिए कांग्रेस समर्थित अनुसूया को विजेता घोषित किया गया। ऊना जिले की नगर परिषद संतोषगढ़ में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया। यहां भाजपा समर्थित छह उम्मीदवार विजयी रहे, जबकि कांग्रेस को तीन सीटें मिलीं। कुल्लू जिले की नगर परिषद मनाली में भाजपा ने इतिहास रचते हुए सभी सात सीटों पर कब्जा कर लिया। यह पहला मौका माना जा रहा है जब नगर परिषद की सभी सीटें भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के खाते में गई हैं। बिलासपुर जिले की हिमाचल प्रदेश की सबसे छोटी नगर परिषद श्री नैना देवी जी में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने पांच सीटें जीतकर परिषद पर कब्जा जमाया, जबकि कांग्रेस को दो सीटें मिलीं। वहीं झंडूता उपमंडल की नगर पंचायत तलाई में भी भाजपा ने सात में से पांच सीटों पर जीत दर्ज की और कांग्रेस को दो सीटों पर जीत मिली। सिरमौर जिले में भी मिश्रित तस्वीर देखने को मिली। नगर पंचायत राजगढ़ में कांग्रेस ने सात में से पांच सीटें जीतकर बढ़त बनाई, जबकि नाहन नगर परिषद में भाजपा ने कब्जा जमाया। नाहन की 13 सीटों में से सात पर भाजपा समर्थित उम्मीदवार विजयी रहे। कांगड़ा जिले की नगर परिषद नूरपुर में कांग्रेस को बहुमत मिला। यहां कांग्रेस समर्थित छह उम्मीदवार जीते, जबकि भाजपा को तीन सीटें मिलीं।

शिमला में तीसरे दिन भी नहीं उठा कूड़ा, सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को सीपीएम का समर्थन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल लगातार तीसरे दिन भी जारी रही। इससे शहर में कई जगह कूड़े के ढेर लगने शुरू हो गए हैं। सैहब सोसायटी के करीब 800 कर्मियों की हड़ताल के कारण डोर टू डोर गार्बेज कलेक्शन व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ गई है। कर्मचारी वेतन बढ़ोतरी समेत कई मांगों को लेकर आंदोलन पर हैं। दूसरी ओर नगर निगम प्रशासन हड़ताली कर्मचारियों पर एस्मा लागू कर चुका है, जिसके बाद मामला और गर्मा गया है।

सफाई कर्मचारियों का कहना है कि उनकी 10 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि बंद कर दी गई है और उसकी जगह केवल 3 प्रतिशत डीए दिया जा रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि काम का बोझ लगातार बढ़ाया गया है, लेकिन सुविधाएं और वेतन नहीं बढ़ाए गए। शहर में कई इलाकों में घरों से कूड़ा नहीं उठने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच सीपीआईएम जिला कमेटी शिमला ने सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का समर्थन किया है और नगर निगम प्रशासन के फैसलों की आलोचना की है। पार्टी ने कर्मचारियों पर एस्मा लगाने के फैसले को तानाशाही करार दिया है। सीपीआईएम नेताओं विजेंद्र मेहरा, जगत राम और जयशिव ठाकुर ने कहा कि कर्मचारियों ने कानूनी प्रक्रिया के तहत नोटिस देकर हड़ताल शुरू की है, ऐसे में उन पर सख्त कार्रवाई करना गलत है।

सीपीआईएम नेताओं ने सैहब कर्मियों के लिए 10 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि और 15 दिन की स्पेशल लीव बहाल करने की मांग की है। इसके अलावा ग्रेच्युटी, पूरा बोनस, छुट्टियां, ईपीएफ और ईएसआई की सुविधाएं सही तरीके से लागू करने, समान काम के लिए समान वेतन देने और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार कर्मचारियों को नियमित करने की मांग भी उठाई गई है। पार्टी ने आरोप लगाया कि नगर निगम प्रशासन जनता से कूड़ा, पानी और प्रॉपर्टी टैक्स में हर साल बढ़ोतरी कर रहा है, लेकिन सफाई कर्मचारियों की सुविधाओं पर खर्च नहीं किया जा रहा।

नेताओं ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कर्मचारियों पर काम का बोझ कई गुना बढ़ गया है। पहले एक कर्मचारी के जिम्मे करीब 80 घर होते थे, जो अब बढ़कर 300 तक पहुंच गए हैं।

गहरी खाई में गिरी कार, बाप-बेटी की मौत, बेटे सहित दो घायल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले के ननखड़ी क्षेत्र में शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में पिता और उनकी बेटी की मौत हो गई, जबकि मृतक का बेटा और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ननखड़ी-पुनन सड़क पर ननखड़ी चौक से आगे जंगल क्षेत्र में हुआ, जहां एक कार करीब 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी।

पुलिस के अनुसार दुर्घटना का पता शनिवार आधी रात के करीब चला। कार में कुल चार लोग सवार थे, जो रात के समय अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पुनन के पास चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क से नीचे गहरी खाई में लुढ़क गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर थाना ननखड़ी की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस को घटनास्थल पर सफेद रंग की कार नंबर एचपी-92-1701 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली। हादसे में 49 वर्षीय कुंदन लाल और उनकी 16 वर्षीय बेटी आकृति की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों ननखड़ी तहसील के शौली क्षेत्र के लौहटी गांव के रहने वाले थे। मृतक आकृति 11वीं कक्षा में पढ़ती थी। हादसे में कुंदन लाल का 12 वर्षीय बेटा अरव गंभीर रूप से घायल हो गया। कार चालक 55 वर्षीय सतपाल भी गंभीर रूप से जख्मी हुआ है। दोनों घायलों को आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि कार चालक सतपाल निवासी लौहटी, ननखड़ी वाहन चला रहा था। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है। थाना ननखड़ी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) और 106(1) के तहत केस दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

पुंछ में व्यक्ति के कब्जे से चरस जैसा दिखने वाला लगभग 26.80 ग्राम वजनी पदार्थ बरामद

पुंछ। नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान के तहत नशीले पदार्थों की तस्करी और नशे के दुरुपयोग के खिलाफ चल रही मुहिम के हिस्से के तौर पर पुलिस थाना गुरसाई की एक पुलिस टीम गुरसाई के केरी गलहुट्टा में नियमित नाका चेकिंग कर रही थी तभी एक संदिग्ध व्यक्ति को जांच और पूछताछ के लिए रोका गया। कानून के वैधानिक प्रावधानों के अनुसार की गई तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने उक्त व्यक्ति के कब्जे से चरस जैसा दिखने वाला लगभग 26.80 ग्राम वजनी पदार्थ बरामद किया। बरामद सामग्री को मौके पर ही जब्त कर लिया गया और उक्त व्यक्ति को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस हिरासत में ले लिया गया। इस संबंध में, पुलिस थाना गुरसाई में एन डी पी एस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईसआर सख्या 55/2026 के रूप में एक मामला दर्ज किया गया है और आगे के संपर्को और संलिप्तता का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि जिला पुलिस पुंछ समाज से नशे के खतरे को जड़ से मिटाने के लिए प्रतिबद्ध है और आम जनता से अपील करती है कि वे नशीले पदार्थों की बिक्री या अवैध नशीली गतिविधियों से संबंधित कोई भी जानकारी सांझा करके पुलिस के साथ सहयोग करें।

शहरी जनता ने सुना दिया सरकार के खिलाफ जनादेश, अब गांव की बारी : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने रविवार को सराज विधानसभा क्षेत्र के जिला परिषद ब्रयोगी वार्ड के अंतर्गत महादेव भूमासी जी की तपोभूमि गाड़ागुसैनी एवं बगड़ाथाच में प्रचार किया। उन्होंने भाजपा समर्थित प्रत्याशी रोहित ठाकुर के पक्ष में जनसंपर्क एवं चुनाव प्रचार किया।

इस दौरान जनसभाओं को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने दावा किया कि जनता के अपार समर्थन और कार्यकताओं के भारी उत्साह से सराज विधानसभा के सभी जिला परिषद वार्डों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की प्रचंड विजय होगी। उन्होंने स्थानीय निकाय एवं नगर निगम चुनावों में शांतिपूर्ण मतदान के लिए शहरी क्षेत्र की जनता का व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता ने अपना स्पष्ट जनादेश सुना दिया है और प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता में जो भारी आक्रोश व्याप्त है, उसे उन्होंने अपने बहुमूल्य वोट के माध्यम से पूरी तरह से व्यक्त कर दिया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार ने अपनी संभावित हार को सामने देखकर पहले ही इन चुनावों को किसी न किसी तरह टालने का हरसंभव प्रयास किया था। लेकिन आज ये चुनाव माननीय सर्वोच्च न्यायालय के कड़े निदेर्शानुसार ही संपन्न हो रहे हैं। उन्होंने वर्तमान सरकार ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए लोकतंत्र की इस सबसे छोटी और महत्वपूर्ण इकाई को कुचलने का दुर्भाग्यपूर्ण प्रयास किया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भीषण आपदा के बाद से ही तमाम विकास कार्यों पर पूर्ण विराम लगा हुआ है। कांग्रेस सरकार घोर वित्तीय कुप्रबंधन के कारण आज राज्य को गंभीर वित्तीय आपातकाल के दौर में ले आई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के हिमाचल को लगातार पर्याप्त बजट आवंटित कर रही है। लेकिन राज्य सरकार उस बजट को भी धरातल पर खर्च करने से पूरी तरह कतरा रही है। जिससे न केवल ढांचागत विकास रुका है, बल्कि आम लोगों को मिलने वाले स्थानीय रोजगार पर भी पूरी तरह रोक लग गई है।

संक्षिप्त-समाचार

तेज रफ्तार बस ने सड़क पार कर रही 45 वर्षीय महिला को कुचला, मौत

जम्मू। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के पास एक तेज रफ्तार बस ने सड़क पार कर रही लगभग 45 वर्षीय महिला को कुचल दिया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से महिला को जीएमसी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार इस अज्ञात महिला का कोई मरीज जीएमसी अस्पताल में उपचाराधीन (भर्ती) था। महिला उसी मरीज के लिए अस्पताल के बाहर लगने वाले लंगर से सेवा का खाना लेने आई थी। वह जैसे ही खाना लेकर वापस अस्पताल की तरफ मुड़ी, तभी एक अनियंत्रित बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही बक्शी नगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल इस बात का पता लगाने में जुटी है कि यह महिला कहां की रहने वाली थी और अस्पताल के किस वार्ड में उसका कौन-सा मरीज भर्ती था, ताकि उसके परिजनों से संपर्क किया जा सके।

ऊना की चार नगर पंचायतों के परिणाम घोषित

ऊना। जिला ऊना की विभिन्न नगर पंचायतों में हुए चुनावों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। नगर पंचायत गगरेट, अंब, दौलतपुर चौक और टाहलीवाल में कई वार्डों में कांटे की टक्कर देखने को मिली, जबकि कुछ उम्मीदवारों ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। नगर पंचायत गगरेट के वार्ड-1 से विकास कालिया ने 128 मतों से जीत हासिल की। वार्ड-2 से विकास शर्मा 52 मतों से विजयी रहे। वार्ड-3 में सरोज कुमारी ने बेहद करीबी मुकाबले में 8 मतों से जीत दर्ज की। वार्ड-4 से बबिता कुमारी विजयी रहीं, जबकि वार्ड-5 में मंगत राम ने 61 मतों से जीत हासिल की। वार्ड-6 से जनक राज और वार्ड-7 से मंजू ठाकुर विजयी घोषित हुए। नगर पंचायत अंब में वार्ड-1 पोलियां जस्वालां से शोभा रानी ने 4 मतों से जीत दर्ज की। वार्ड-2 अंब-1 में अनुसुया रानी और सरबजीत सिंह को बराबर 268-268 मत मिले, जिसके बाद पर्ची के माध्यम से अनुसुया रानी को विजयी घोषित किया गया। वार्ड-4 हीरा नगर-1 से राधा रानी ने 122 मतों से जीत हासिल की। वार्ड-5 में प्रवीन कुमारी, वार्ड-6 आदर्श नगर से रतन चंद, वार्ड-7 प्रताप नगर-1 से अंजना देवी तथा वार्ड-8 से मेला राम विजयी रहे। वार्ड-9 प्रताप नगर-3 से सुरेश ने 68 मतों से जीत दर्ज की। नगर पंचायत दौलतपुर चौक में वार्ड-1 से रजनीश कुमार ने 250 मतों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। वार्ड-2 में अरूणा कुमारी, वार्ड-3 से श्वेता, वार्ड-4 से योगराज तथा वार्ड-5 से राकेश कुमार विजयी रहे। वार्ड-6 से निर्मला देवी ने 247 मतों से शानदार जीत हासिल की। वहीं वार्ड-7 में रेनू रानी ने बेहद करीबी मुकाबले में एक मत से जीत दर्ज की।

राजौरी झरने में तेज बहाव में डूबा युवक, 24 घंटे की तलाश के बाद शव बरामद

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक प्राकृतिक झरने में नहाते समय तेज धारा में बह जाने से एक युवक डूब गया जबकि दो अन्य को बचा लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि मृतक का शव दरहाल इलाके में खोरीनार गांव के पास धारा के किनारे खोज और बचाव अभियान के दूसरे दिन रविवार दोपहर को बरामद किया गया। मृतक की पहचान थानामंग दरहाल निवासी मोहम्मद मारूफ के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि वह मुंबई में काम करता था और हाल ही में छुट्टी पर घर आया था। अधिकारियों के मुताबिक मारूफ शनिवार को थानामंग के रहने वाले अपने दो दोस्तों मोहम्मद इस्माइल और मोहम्मद यासिर के साथ प्राकृतिक झरने में नहाने गया था। नहाने के दौरान तीनों पानी के तेज बहाव में फंस गये। उन्होंने कहा कि घटना में मारूफ डूब गया। इस्माइल और यासिर ने शुरू में उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन बाद में हाइपोथर्मिया के कारण बेहोश हो गया। आस-पास मौजूद कुछ ग्रामीणों ने त्वरित कार्रवाई की और दोनों को पानी से बाहर निकालने में कामयाब रहे। इस बीच मारूफ लापता था जिसके कारण बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाया गया जो रविवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों और स्थानीय लोगों की संयुक्त टीमों ने अभियान चलाया और अंततः पानी की तेज धाराओं से घिरी एक चट्टान के नीचे से शव बरामद किया। उन्होंने बताया कि शव को बरामद कर लिया गया और चिकित्सीय-कानूनी औपचारिकताओं के लिए स्थानीय सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

धर्मशाला नगर निगम चुनाव में भाजपा का दावा, 17 में 17 वार्ड जीतेंगे

धर्मशाला। कांगड़ा के विधायक, नगर निगम धर्मशाला के चुनाव प्रभारी पवन काजल तथा धर्मशाला के भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा ने रविवार को जारी एक संयुक्त ब्यान में दावा किया कि भाजपा सभी 17 वार्डो में प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि रविवार को धर्मशाला की जनता ने प्रदेश की सुक्खू सरकार की खोखली नीतियों के खिलाफ मतदान किया है। उन्होंने कहा कि संगठन ही भाजपा की ताकत है। नगर निगम चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने झूठ का प्रचार कर जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, जिसके इसके नतीजे सुक्खू सरकार को चुनाव परिणाम में देखने को मिलेंगें। उक्त भाजपा नेताओं ने कहा कि हमारे संगठन की ताकत, वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों के विश्वास यह आश्वस्त करता है कि भाजपा नगर निगम धर्मशाला में सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। भाजपा पार्टी लोगों के असल मुद्दों पर काम करती है, जनता को सहूलियतें देती हैं। उन्होंने कहा कि अब जनता ने अब प्रदेश कांग्रेस सरकार के खिलाफ जंग छेड़ दी है तथा यह लड़ाई अब सुक्खू सरकार को सत्ता से बेदखल कर खत्म होगी पवन काजल व सुधीर शर्मा ने कहा कि नगर निगम चुनावों में कांग्रेस नेताओं व उसके उम्मीदवारों में निराशा साफ देखी जा रही हैं।

धर्मशाला में विराट कोहली का जलवा, पंजाब के घर पर आरसीबी समर्थकों का हल्ला बोल

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में रविवार को आईपीएल मुकाबले के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की दीवानगी सिर चढ़कर बोलती नजर आई। मैच शुरू होने से कई घंटे पहले ही स्टेडियम के बाहर आरसीबी समर्थकों की लंबी कतारें लग गई थीं। पूरा स्टेडियम कोहली...कोहली' के नारों से गूंज उठा। माहौल ऐसा था मानो मुकाबला धर्मशाला में नहीं बल्कि बेंगलुरु के घरेलू मैदान पर खेला जा रहा हो।

धर्मशाला पहुंचे क्रिकेट प्रेमियों में विराट कोहली को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह देखने को मिला। जैसे ही विराट कोहली बल्लेबाजी करने मैदान में पहुंचे, दर्शकों ने जोरदार शोर व तालियों की गड़गड़ाहट से उनका जोरदार स्वागत किया। स्टेडियम में मौजूद हजारों फैंस कोहली की एक झलक पाने के लिए बेताब नजर आए। कई युवा, युवतियां व प्रशंसक विराट की 18 नंबर जर्सी पहनकर पहुंचे थे, जबकि कुछ फैंस चेहरे पर आरसीबी के रंग लगाए दिखाई दिए। हालांकि मुकाबला पंजाब किंग्स के दूसरे होम ग्राउंड धर्मशाला में था, लेकिन दर्शकों की संख्या और समर्थन के मामले में आरसीबी समर्थक भारी पड़ते नजर आए। स्टेडियम के लगभग हर स्टैंड में लाल रंग की जर्सियों का कब्जा दिखाई दिया। पंजाब किंग्स के समर्थक भी टीम के समर्थन में मौजूद रहे, लेकिन विराट कोहली की लोकप्रियता के आगे उनका उत्साह फीका नजर आया। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर के अलावा महाराष्ट्र मुंबई, केरल, बेंगलुरु, गुजरात, उत्तराखंड और कर्नाटक से भी बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी धर्मशाला पहुंचे। दर्शकों ने कहा कि धौलाधार की खूबसूरत वादियों के बीच विराट कोहली को खेलते देखना किसी यादगार अनुभव से कम नहीं है। मैच से पहले स्टेडियम परिसर में आरसीबी समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जमकर जश्न मनाया। कई फैंस 'ई साला कप नामदे' के नारे लगाते नजर आए। वहीं युवा दर्शकों में विराट कोहली के साथ सेल्फी लेने और उन्हें करीब से देखने की उत्सुकता साफ दिखाई दी।

राणा ने मेढर के सुदूर सीमावर्ती गांवों में 57.98 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ

पुंछ। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने आज मेढर में 57.98 करोड़ की कई प्रमुख विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं का उद्देश्य कई सुदूर और सीमावर्ती गांवों में पेयजल आपूर्ति, सिंचाई बुनियादी ढांचे और ग्रामीण संपर्क को मजबूत करना है। इन परियोजनाओं में केंद्र शासित प्रदेश के पूंजीगत व्यय कार्यक्रम के तहत 51.84 करोड़ की कुल लागत वाली 20 जल आपूर्ति योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य मेढर उपमंडल के उन गांवों में कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराना है जहां पानी की आपूर्ति नहीं है और जहां पानी की कमी है ताकि हजारों निवासियों को सुरक्षित और पीने योग्य पानी मिल सके। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में जल प्रबंधन बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए 3.62 करोड़ की सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। छत्राल नाले पर लगभग 2.52 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले मोटर योग्य पुल की नींव भी रखी गई जिससे सड़क संपर्क में सुधार होगा और स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान हो जाएगी।

शिमला में चिट्टा तस्करी के तीन मामलों में पांच गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन मामलों में कुल करीब 21 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ पंजाब के युवक भी शामिल हैं। सभी मामलों में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामला पुलिस थाना बालूगंज क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार 15 मई को स्पेशल सेल की टीम एनएच-05 पर ख्वारा चौकी क्षेत्र में गश्त, यातायात जांच और अपराध रोकथाम ड्यूटी पर मौजूद थी। इसी दौरान जांच के लिए एक बस को रोका गया। तलाशी के दौरान बस में बैठे एक युवक के पास से एक कैरी बैग मिला। बैग की जांच करने पर उसमें करीब 6 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान 27 वर्षीय संजीव वर्मा निवासी कण्डयाली, तहसील कुमारसैन, जिला शिमला के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है। दूसरा मामला थाना ढली क्षेत्र का है। 14 मई की रात स्पेशल सेल शिमला और थाना ढली पुलिस की टीम ढली, संजौली और छोटा शिमला क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दो युवक ढली क्षेत्र में चिट्टा सप्लाई का काम कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में दबिश दी और दो आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों की पहचान 22 वर्षीय तरविन्द्र सिंह और 29 वर्षीय मोहित कुमार निवासी पटियाला, पंजाब के रूप में हुई है।

शिमला निकाय चुनावः रामपुर और कोटखाई में भाजपा को बढ़त, चौपाल में कांग्रेस मजबूत

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

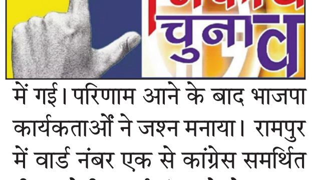

शिमला जिला में रविवार को हुए शहरी निकाय चुनावों में इस बार भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। जिला की दो नगर परिषदों रामपुर और ठियोग तथा छह नगर पंचायतों के चुनाव परिणामों में कई जगह राजनीतिक समीकरण बदलते नजर आए।

सबसे ज्यादा चर्चा रामपुर और कोटखाई के नतीजों की रही, जहां भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं चौपाल में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों ने बढ़त बनाई। ठियोग में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा। दशकों से कांग्रेस का मजबूत क्षेत्र माने जाने वाले रामपुर में इस बार भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने पहली बार बढ़त हासिल की। नौ वार्डों वाली नगर परिषद रामपुर में भाजपा समर्थित पांच उम्मीदवार जीते, जबकि कांग्रेस समर्थित तीन प्रत्याशी विजयी रहे। एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई। परिणाम आने के बाद भाजपा कार्यकताओं ने जश्न मनाया। रामपुर में वार्ड नंबर एक से कांग्रेस समर्थित दीपना नेगी, वार्ड नंबर दो से भाजपा समर्थित रोहित नेगी, वार्ड नंबर तीन से कांग्रेस समर्थित जय श्री, वार्ड नंबर चार से कांग्रेस समर्थित करण शर्मा, वार्ड नंबर पांच से भाजपा समर्थित नितिका गुप्ता, वार्ड नंबर छह से भाजपा समर्थित उमा देवी, वार्ड नंबर सात से भाजपा समर्थित सुंदर लाल, वार्ड नंबर आठ से भाजपा समर्थित चंद्रप्रभा और वार्ड नंबर नौ से विशेषर लाल विजयी रहे। नगर पंचायत कोटखाई में भी भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने अच्छा प्रदर्शन किया। सात सीटों में से पांच पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी जीते, जबकि कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को दो सीटों पर जीत मिली।

मौसम हिमाचल में मौसम का मिजाज बिगड़ा ,कई जिलों में येलो अलर्ट

लगातार पांच दिन अंधड़-बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी

> चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से पड़ रही तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने 19 मई से 23 मई तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश, अंधड़ और बिजली चमकने की संभावना जताई है।

विभाग के अनुसार इस दौरान पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिसके असर से पहाड़ों से लेकर मध्य पर्वतीय क्षेत्रों तक मौसम खराब बना रहेगा। मौसम विभाग ने चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, बारिश और बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में मई के पहले पखवाड़े में हुई लगातार बारिश और ओलावृष्टि से पहले ही किसानों और बागवानों को नुकसान झेलना पड़ा है। अब एक बार फिर खराब मौसम की चेतावनी से सेब और अन्य गुठलीदार फलों की फसल को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि दूसरी ओर बारिश से मैदानी और निचले इलाकों में बढ़ रही गर्मी से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 18 मई को प्रदेश में मौसम साफ रहेगा और तापमान में और बढ़ोतरी होगी। 19, 20 और 21 मई को मैदानी इलाकों को छोड़कर मध्य व उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और अंधड़ की संभावना है। 22 मई को पूरे प्रदेश में मौसम खराब रहने का अनुमान है, जबकि 23 मई को मध्य और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में फिर बारिश और गर्जन की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। बीते 24 घंटों के दौरान सराहन में 18 मिलीमीटर और चंबा में 2 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं सिरमौर का पांवटा साहिब प्रदेश का सबसे गर्म क्षेत्र रहा, जहां अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को भी प्रदेशभर में तेज धूप खिलने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान में औसतन 0.6 डिग्री सेल्सियस का उछाल आया है। प्रदेश के न्यूनतम तापमान पर नजर डालें तो सबसे कम तापमान कुकुमसेरी में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

इसके बाद केलांग में 4.4, ताबो में 6.0, कल्पा में 7.0, मनाली में 9.8, कुफरी और सराहन में 11.1-11.1, सियोबाग में 12.7, सोलन में 15.6, पालमपुर में 16.0, शिमला और बरठीं में 16.5-16.5, सुंदरनगर में 17.1, मंडी में 17.9, जुब्बड़हट्टी में 18.2, कांगड़ा में 18.8, नाहन में 19.5, ऊना और बिलासपुर में 20-20, पांवटा साहिब और देहरा गोपीपुर में 22-22 तथा नेरी में 22.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

अग्रवाल समाज का इतिहास गौरव और गरिमा से परिपूर्ण : सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अग्रवाल समाज के स्थापना दिवस कार्यक्रम में की शिरकत

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में व्यापार, उद्योग को नई ताकत मिली है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप, जीएसटी और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं ने व्यापारी वर्ग को नई पहचान और अवसर प्रदान किए हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को चण्डीगढ में अग्रवाल स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रवाल समाज का बुद्धिमता, वाणिज्य कौशल और समाज सेवा में कोई सानी नहीं है। महाराजा अग्रसेन के दिखाए सामाजिक सद्भाव के सिद्वांत आज भी प्रासांगिक एवं प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि समाज ने आजादी के आन्दोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जमनालाल और लाला लाजपत राय का राष्ट्रप्रेम जब भी याद करते हैं, तो मस्तक गर्व से ऊंचा हो जाता है। उन्होंने राष्ट्र प्रेम को सदैव सर्वोपरि रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने एक रूपया, एक ईंट के संदेश के साथ समाज को सहयोग, समानता व आत्मनिर्भरता मार्ग दिखाया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को अपनाया है और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सुशासन और विकास पर आधारित है और हर वर्ग को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है तथा आज देश में पूरा बदलाव देखने को मिल रहा है। अग्रवाल समाज का इतिहास गौरव और गरिमा से परिपूर्ण रहा है। अग्रसैन महाराज के वंशजों ने समाज में समानता और भाईचारे को मजबूत करने का काम किया है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार में उद्योग, व्यापार को मजबूत करने के लिए योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है ताकि देश की अर्थव्यवस्था में हरियाणा की भागीदारी ओर अधिक बढ़ सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रधानमंत्री के भारत विजन 2047 के लक्ष्य के अनुरूप काम कर रहा है। इसमें देश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर करने और 50 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रौद्योगिकी नवाचार को बढ़ाने के लिए डिपोर्टमेंट आफ फ्यूचर का गठन किया गया है। इसी के साथ नई स्टार्टअप नीति विकसित की गई है। इसमें स्टार्टअप को बेहतर बनाने पर बल दिया गया है। स्टार्टअप के मामले में हरियाणा देश में चौथे स्थान पर है। अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने के लिए 2000 करोड़ रुपए से फण्डस आफ फंड बनाने का कार्य किया है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ईज आफ डुइंग बिजनेस का इको सिस्टम बनाया है, राज्य में मिनी क्लस्टर योजना के तहत 48 एमएसएमई की 170 करोड़ की योजनाओं पर काम चल रहा है। इन प्रयासों से 8000 से अधिक एमएसएमई लाभान्वित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही के पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी में स्पष्ट बहुमत से भाजपा की सरकारें बनी हैं। जिसका सारा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व को जाता है। हरियाणा के नगर निकायों में भी एकतरफा जनता का आशीर्वाद मिला है, जो सरकार के विकास कार्यों, सोच और कार्यशैली को मजबूती देता हैं।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री असीम गोयल, पंचकूला मेयर श्याम लाल बंसल, सम्पूर्णानन्द महाराज, पंडित विजय शंकर मेहता, विहप महामंत्री सुरेश जैन, नरेश सेरण, जगमोहन गर्ग, प्रदीप गोयल, प्रदीप बंसल, आनन्द सिंगला, सुनील मितल, ओमप्रकाश देवीनगर, सहित भारी संख्या अग्रवाल समाज के प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे।

शिक्षा, सुरक्षा और विकास राज्य सरकार का मुख्य विजन: कृष्ण कुमार बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- गांव, गरीब और किसान का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शुमार

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि शिक्षा, सुरक्षा और विकास राज्य सरकार का मुख्य विजन है और इसी फोक्स पर निरंतर काम किया जा रहा है। शिक्षा के संसाधनों का ग्रामीण आंचल तक विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए आधारभूत ढांचा की मजबूती को प्राथमिकता दी जा रही है। सुरक्षा के माहौल में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की तरक्की सुनिश्चित हो, सरकार इसके लिए कटिबद्ध है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार को नरवाना के गांव हरनामपुरा में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फिरनी से दादा खेड़ा तक एचआरडीएफ के अंतर्गत 12 लाख रुपए से बनी गली का उद्घाटन भी किया। उन्होंने लोन माइनर से गांव में पीने के पानी की पाईपलाइन बिछाने की भी घोषणा की। इस पर करीब 18 लाख रुपए की लागत आएगी। इसके अलावा दादा खेड़ा प्रांगण में 18 लाख 50 हजार रुपए की लागत शैड निर्माण तथा ग्राम पंचायत की मांग पर गांव में विभिन्न 6 गलियों के निर्माण के लिए भी कहा।

कैबिनेट मंत्री ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गांव, गरीब और किसान का विकास सरकार के सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शुमार है। इसके लिए सिलसिले वार तरीके से गांव दर गांव पक्की सड़कों का निर्माण करवाया जा रहा है और शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली जैसी आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और विकास एक दूसरे के पूरक है। इसलिए सरकार का संकल्प है कि प्रदेश में शांति व्यवस्था के मामले में पूर्णतया संजीदगी बरती जा रही है। सरकार के स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश में अपराध तथा अपराधी के लिए कोई जगह नहीं है और प्रदेशवासियों की सुरक्षा सरकार का जिम्मा है, जिसे बखूबी निभाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आवश्यक सेवाओं में विशेष कर तेल बचत और (वर्क फ्रॉम होम) के संदेश पर बोलते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि खाड़ी देशों में चल रहे भीषण युद्ध के मध्येनजर यह विषय वर्तमान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आमजन को भ्रामक प्रचार में आने की जरूरत नहीं है। देश के सभी संसाधनों के उचित रखरखाव पर सरकार का मुख्य ध्यान है। उन्होंने दादा खेड़ा पर लगाए गए विशाल भंडारा में भी शिरकत की और गांव की मंगलकामना के लिए दादा खेड़ा में माथा टेका।

तत्पश्चात रेस्ट हाउस में आयोजित सम्मान कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री बेदी ने कहा कि शिक्षित युवा राष्ट्र की अनमोल धरोहर होते हैं लिहाजा इस अमूल्य पूंजी को सहेजना और संवारना प्रत्येक अभिभावक व शिक्षक का कर्तव्य होता है, जो उन्हें बखूबी निभाना चाहिए। उन्नत एवं उत्तम शिक्षा से युवा पीढ़ी का उज्जवल भविष्य सभ्य समाज एवं समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव है।

निजी वाहनों का कम उपयोग राष्ट्रहित और पर्यावरण दोनों के लिए जरूरी: पंवार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रहित में ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के उचित उपयोग को लेकर किया गया आह्वान आज पूरे देश के लिए प्रेरणा का विषय है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार भी लगातार जनहित में कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान से प्रेरित होकर श्री कृष्ण लाल पंवार गुरुग्राम से चंडीगढ़ तक ट्रेन से यात्रा कर सोमवार को होने वाली हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने निजी वाहन और सरकारी काफिले का उपयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि आज समय की मांग है कि प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे और जहां संभव हो वहां निजी वाहनों का कम से कम उपयोग करे। उन्होंने कहा कि यदि सक्षम लोग भी छोटी-छोटी यात्राओं में निजी वाहनों के बजाय ट्रेन, बस और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों का उपयोग करें, तो इससे ईंधन की बचत के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण में भी कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्वयं अपने फ्लीट में न्यूनतम वाहनों के उपयोग का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि उनके कारकेड में सुरक्षा की दृष्टि से केवल आवश्यक वाहन ही शामिल होंगे। इसके साथ ही उन्होंने सप्ताह में एक दिन बिना किसी वाहन के कार्य करने का भी संकल्प लिया है, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए और लोग ईंधन बचत के प्रति जागरूक हों। लोग अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर ईंधन बचत के इस अभियान में सहभागी बनें। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं और सामूहिक भागीदारी से ही स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल भविष्य का निर्माण संभव है।

नीट घोटाला देश के युवाओं के भविष्य पर हमला: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य, उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा ने एनईईटी परीक्षा में सामने आए कथित पेपर लीक और अव्यवस्थाओं को देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करार दिया है। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते भ्रष्टाचार ने मेहनती छात्रों और उनके परिवारों के सपनों को तोड़ दिया है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि 22 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने कठिन मेहनत के साथ परीक्षा दी, लेकिन लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और गड़बड़ियों ने पूरी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परीक्षा का मामला नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य और उनके विश्वास का प्रश्न है। कुमारी सैलजा ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम से देश स्तब्ध है और कई छात्रों के आत्महत्या जैसे दुखद कदम उठाने की खबरें अत्यंत पीड़ादायक और चिंताजनक हैं। सरकार की जवाबदेही तय होना आवश्यक है।

सांसद ने केंद्र सरकार से मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही तय की जाए और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच से बचने का प्रयास कर रही है, जबकि देश का युवा पारदर्शिता और न्याय चाहता है। कुमारी सैलजा ने मांग की कि प्रभावित छात्रों को उचित न्याय और मुआवजा दिया जाए तथा प्रधानमंत्री इस गंभीर मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़कर देश के युवाओं के सामने स्पष्ट जवाब रखें। कुमारी सैलजा ने कहा कि युवा कांग्रेस और देशभर के छात्रों द्वारा उठाई जा रही आवाज वास्तव में देश के करोड़ों युवाओं की आवाज है। अब देश का युवा जवाब मांग रहा है और कांग्रेस पार्टी छात्रों के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी।

सांसद ने कहा कि नीट यूजी 2024 भी देशभर में भारी विवादों में रहा। बिहार की आर्थिक अपराध इकाई ने जांच के दौरान जली हुई कॉपियों से 68 सवाल रिकवर किए थे जो असली प्रश्न पत्र से मेल खाते पाए गए थे। सवालों के क्रमांक तक एक जैसे थे। जांच में झारखंड के हजारीबाग स्थित स्कूल का नाम सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि प्रश्न पत्र वाले एक पैकेट को निर्धारित जगह से अलग तरीके से खोला गया था। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी कई याचिकाएं दाखिल हुई थी। कुछ छात्रों ने परीक्षा रद्द करने की मांग की थी तो कुछ ने दोबारा परीक्षा करवाने का विरोध किया था।

सांसद ने कहा कि वर्ष 2021 में नीट यूजी परीक्षा में प्रॉक्सी कैंडिडेट बैठाने का मामला सामने आया था। सीबीआई ने नागपुर के एक कोचिंग संस्थान और उसके संचालकों के खिलाफ केस दर्ज किया था। आरोप था कि कुछ छात्रों के परिवारों से मोटी रकम लेकर उनकी जगह दूसरे अभ्यर्थियों को परीक्षा में बैठाया गया। जांच में दिल्ली और रांची के परीक्षा केंद्रों से जुड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ था। सीबीआई ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जबकि कुछ आरोपी लंबे समय तक फरार रहे।

कुमारी सैलजा ने कहा कि 17 जुलाई 2022 को आयोजित नीट यूजी परीक्षा के बाद सीबीआई ने एक सॉल्वर गैंग के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप था कि फर्जी पहचान पत्र और दस्तावेज के जरिए असली छात्रों की जगह दूसरे लोगों को परीक्षा दिलाई गई।

संक्षिप्त-समाचार

टमाटर एवं बैंगन में फल छेदक कीट से बचाव का समय रहते उपाय करना चाहिए : डा. सीबी सिंह

कुरुक्षेत्र। गर्मी के मौसम में टमाटर और बैंगन का प्रयोग प्रमुखता से होता है। सब्जियों में इन का नियमित प्रयोग भी है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार टमाटर और बैंगन में कीट लगने की शिकायत अक्सर देखने को मिलती है। डा. सीबी सिंह के अनुसार किसानों एवं किचन गार्डनिंग करने वालों को सब्जियों में कीट लगने की समस्या से समय रहते उपाय कर लेने से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि विशेषकर टमाटर और बैंगन में फल छेदक कीट से बचाव के लिए कई उपाय हैं जैसे कि जैविक तरीके, कीटनाशकों का उपयोग और फसल चक्र का पालन कर भी बचा जा सकता है। डा. सिंह ने कहा कि कुछ किसानों का मानना है कि नीम के तेल और नीम के पत्तों के अर्क का छिड़काव करने से कीटों को नियंत्रित किया जा सकता है। डा. सिंह ने किसानों को सुझाव दिया कि लगातार बैंगन या टमाटर की खेती से बचें और फसल चक्र का पालन करें। प्रभावित पौधों व फलों को हाथ से चुनकर या नष्ट करके कीटों को नियंत्रित किया जा सकता है। डा. सिंह ने कहा कि किसानों को सब्जियों व फलों को छेदक कीटों से बचाव के लिए किसी भी प्रकार के कीटनाशक का प्रयोग करने से पूर्व कृषि विशेषज्ञों एवं अधिकारियों से परामर्श अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ कीटनाशक जैसे कि स्पाइनोसेड, इमामेक्टिन बेंजोएट और क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल फल छेदक कीट को नियंत्रित करने में प्रभावी साबित हुए हैं। सेविमॉल, एंड्रिन, मैलाथियान इत्यादि कीटनाशकों का नियमित अंतराल पर छिड़काव करने से कीटों का प्रकोप नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पौधों का नियमित निरीक्षण करके कीटों के शुरूआती लक्षणों का पता लगाएं और समय पर कार्रवाई करें।

आयुर्वेद और योग के माध्यम से स्वस्थ भविष्य की ओर कदम:डा.मंजू शर्मा

कुरुक्षेत्र। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजु शर्मा ने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविरों, विद्यालय स्वास्थ्य जांच कार्यक्रमों एवं योग सत्रों का सफल आयोजन किया जा रहा है। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजु शर्मा ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि महानिदेशक आयुष हरियाणा के निदेर्शानुसार आयुष विभाग की एएमओ डॉ. अनामिका द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सारसा द्वारा जीपीएस पिंडारसी में एवं पीएम श्री जीएसएसएस विद्यालय एवं हरिजन मोहल्ला, उमरी में डॉ रीना दीवान द्वारा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 102 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट पुष्पा रानी द्वारा विद्यार्थियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि डॉ महिपाल द्वारा गांव मुर्तजापुर में, डॉ. संदीप गुप्ता द्वारा गांव यारा के आंगनवाड़ी केंद्र में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इसके अलावा आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट नेहा, आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट सत्यवीर सिंह ने अपनी सेवाएं प्रदान की ओर औषधि वितरण की तथा योग प्रशिक्षक प्रीति और योग सहायक हरदीप सिंह ने नियमित योगाभ्यास के लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आमजन एवं विद्यार्थियों, विशेषकर बच्चों, को आयुर्वेदिक जीवन शैली, स्वस्थ दिनचर्या एवं योग के प्रति जागरूक करना है। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजु शर्मा ने कहा कि बच्चों का स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक विकास किसी भी समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। आयुर्वेद में वर्णित दिनचर्या, ऋतुचर्या, संतुलित आहार-विहार एवं नियमित योगाभ्यास को बचपन से अपनाकर बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है तथा उन्हें अनेक मौसमी एवं जीवनशैली संबंधी रोगों से सुरक्षित रखा जा सकता है। आयुष विभाग का उद्देश्य आयुर्वेद एवं योग के माध्यम से बच्चों और समाज के प्रत्येक वर्ग को निरोग एवं स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर करना है।

इस्तीफा मांगना आसान, काम करके दिखाना मुश्किल धर्मेंद्र प्रधान सबसे सक्षम मंत्रियों में से एक : अनिल विज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- नीट पेपर लीक मामले में दोषियों पर की जा रही है लगातार कार्रवाई, किसी को बख्शा नहीं जाएगा
- प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से मजबूत हुए भारत के वैश्विक संबंध

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आजकल राजनीति में बिना सोचे-समझे इस्तीफा मांगना एक कॉमन बात बन गई है। किसी से भी खड़े होकर इस्तीफा मांग लेना बहुत आसान है, लेकिन असली बात काम करके दिखाने की होती है। मंत्री मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। श्री विज ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान का बचाव करते हुए कहा कि वे केंद्र सरकार के सबसे सक्षम और मेहनती मंत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह घटना सामने आई, केंद्र सरकार ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। जांच एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं और दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को लेकर पूरी तरह गंभीर है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाने के संबंध में श्री अनिल विज ने कहा कि भगवंत मान को शायद प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का उद्देश्य समझ नहीं आता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशहित में विदेश यात्राएं करते हैं ताकि भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध मजबूत हों, व्यापार बढ़े और दुनिया में भारत की स्थिति और सशक्त बने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के हित में कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नेतृत्व से भारत की वैश्विक छवि को नई ऊंचाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने कोरोना महामारी जैसी बड़ी चुनौती का सफलतापूर्वक सामना किया। इसके अलावा अनेक कठिन परिस्थितियों के तहत आपरेशन सिंदूर में भी प्रधानमंत्री ने अपनी दूरदर्शी सोच और मजबूत नेतृत्व से देश को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया है। श्री विज ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और युद्ध जैसे हालातों के बीच भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को हर चुनौती से सुरक्षित बाहर निकालने में पूरी तरह सक्षम हैं।

गुरुकुल में प्राकृतिक खेती पर मंथन

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

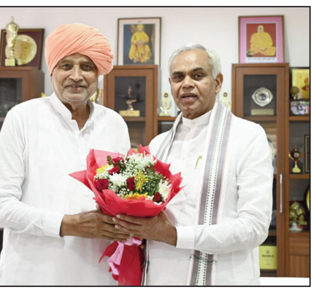

हरियाणा में प्राकृतिक खेती को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए गुरुकुल कुरुक्षेत्र में गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत जी के साथ हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच अहम मंथन हुआ। बैठक में निर्णय लिया गया कि गुजरात की तर्ज पर हरियाणा में भी ह्लक्लस्टर सिस्टमह्व लागू कर किसानों और कृषि विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर प्राकृतिक खेती का व्यापक विस्तार किया जाएगा। बैठक में हरियाणा के कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजेन्द्र कुमार आईएएस, डीजी हॉर्टिकल्चर रणवीर सिंह, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. रामप्रकाश, पद्मश्री डॉ. हरिओम, डॉ. बलजीत सहारण, डीडीए डॉ. आदित्य डबास, डीएचओ डॉ. शिवेन्दु प्रताप सहित अनेक अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे। इस दौरान यह तय किया गया कि सबसे पहले कृषि विभाग के अधिकारियों को गुरुकुल कुरुक्षेत्र स्थित प्राकृतिक कृषि ट्रेनिंग सेंटर में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद किसानों को ह्लमास्टर ट्रेनरह्व बनाकर गांव-गांव तक प्राकृतिक खेती का संदेश पहुंचाया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत जी ने कहा कि वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती केवल विकल्प नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने भूमिगत जल एवं पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रासायनिक खेती के कारण जल, मिट्टी और मानव स्वास्थ्य गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। यदि समय रहते किसान प्राकृतिक खेती की ओर नहीं बढ़े, तो भविष्य में पीने योग्य पानी और उपजाऊ भूमि दोनों का संकट गहराएगा। केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड की 2025-26 की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 27 प्रतिशत पानी पीने योग्य नहीं है और हरियाणा के पानी में यूरेनियम, नाइट्रेट, फ्लोराइड और क्लोराइड की मात्रा अधिक है, ऐसे में यह पानी धीमा जहर बन रहा है जो मानव शरीर के लिए उपयुक्त नहीं है। दैनिक भास्कर में माँ के दूध को लेकर प्रकाशित एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए राज्यपालश्री ने बताया कि खेती में यूरिया और कीटनाशकों का असर माँ के दूध में भी आ चुका है, दैनिक भास्कर का दावा है कि अब माँ का दूध भी सुरक्षित नहीं है क्योंकि उसमें भी यूरिया सहित अन्य हानिकारक तत्त्व पाए गये हैं।

जनगणना का कार्य शुरू नहीं करने वाले दो क्लर्क के खिलाफ दर्ज करवाई एफआईआर : मीणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जनगणना के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा। जनगणना भारत सरकार का महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। जिले में जनगणना के पहले फेज में हाउस लिस्टिंग का कार्य चला हुआ है। इस कार्य को बार-बार कहने के बाद भी शुरू नहीं करने वाले दो क्लर्कों के खिलाफ केस दर्ज करवाया गया है। उन्होंने कहा कि जनगणना को लेकर आने वाले समय में किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर तुरंत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने लघु सचिवालय के सभागार में जनगणना को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। इससे पूर्व मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों को जनगणना के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने कहा कि जिले में जनगणना के कार्य को 1704 ब्लॉक बनाकर किया जा रहा है। मौजूदा समय में सभी ब्लॉकों में जनगणना का कार्य तेजी से चला हुआ है। अब तक 116 ब्लॉकों में जनगणना का कार्य पूरा कर लिया गया है। आने वाले सप्ताह में जनगणना के कार्य को काफी हद तक पूरा कर लिया जाएगा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जनगणना 2027 का पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य चल रहा है, जो 30 मई तक पूरा किया जाएगा। इस चरण में हर घर का विवरण दर्ज किया जा रहा है। इसमें मकान से संबंधित जानकारी, परिवार की मूल जानकारी, मूलभूत सुविधाएं और परिवार की सुविधाएं प्रगणकों द्वारा एप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज की जाएंगी। आमजन इस कार्य में सहयोग करें और घर आने वाले प्रगणकों सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध करवाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रगणकों द्वारा किसी प्रकार का ओटीपी या कागजात नहीं लिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि यह जानकारी जुटाए जाने के बाद सुपरवाइजर के पास यह डाटा पहुंचेगा।

दावा

कैबिनेट मंत्री ने वीटा प्लांट सिरसा का औचक निरीक्षण कर जांचीं व्यवस्थाएं

बागवानी अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा सिरसा में स्थापित होने वाला किन्नू प्लांट : डॉ. अरविंद शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा एग्रो इंडस्ट्री और डेयरी फेडरेशन मिलकर सिरसा स्थित वीटा प्लांट परिसर में अत्याधुनिक किन्नू जूस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने जा रहे हैं। इससे सिरसा व आसपास के क्षेत्रों के किन्नू उत्पादकों को उनकी फसल का बेहतर मूल्य मिलेगा तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त जूस उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि पीपीपी मोड पर स्थापित होने वाले इस प्लांट के लिए निजी क्षेत्र के निवेशकों से प्रस्ताव मांगे गए हैं।

रविवार को सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने अपने संक्षिप्त प्रवास के दौरान वीटा प्लांट सिरसा का औचक निरीक्षण करते हुए वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सीईओ वीटा दिनेश मेहता एवं अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीटा प्लांट की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि किसानों और दुग्ध उत्पादकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की घोषणा के अनुरूप सिरसा में जल्द ही अत्याधुनिक किन्नू जूस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के किन्नू उत्पादक किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि सिरसा जिला बागवानी, विशेषकर किन्नू उत्पादन के क्षेत्र में पूरे प्रदेश में विशेष पहचान रखता है। यहां के किसान बड़े स्तर पर किन्नू की खेती करते हैं, लेकिन फसल के उचित प्रसंस्करण और विपणन की कमी के कारण उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। इसी को ध्यान में रखते हुए किन्नू प्लांट स्थापित करने की योजना तैयार की जा रही है।

उन्होंने बताया कि वीटा प्लांट परिसर में तीन एकड़ भूमि को इसके लिए चिन्हित किया जा चुका है। इस परियोजना को पीपीपी मोड पर स्थापित करने के संबंध में कैबिनेट कमेटी ऑफ सेक्रेट्रीज (कोसी) की बैठक में भी चर्चा हो चुकी है। इसके बाद निजी क्षेत्र के निवेशकों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किन्नू प्लांट शुरू होने के बाद किन्नू के साथ-साथ अन्य फलों से भी जूस तैयार किया जाएगा। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। साथ ही, इलाके में फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बेगू रोड स्थित भगवान परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला में राष्ट्रीय ब्राह्मण सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति, ज्ञान, शौर्य और धर्म के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने, सत्य के मार्ग पर चलने तथा समाज के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को भगवान परशुराम के आदर्शों को अपनाने की सबसे अधिक आवश्यकता है, क्योंकि आधुनिक जीवनशैली में नैतिक मूल्यों और संस्कारों का पतन हो रहा है। युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और यदि उन्हें सही दिशा एवं संस्कार दिए जाएं तो वे समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम के विचार युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और समाज सेवा की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से भी जुड़े रहना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद डी.पी. वत्स सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संपादकीय

भारत-नीदरलैंड्स: चिप्स, रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा की धुरी पर एक नई रणनीतिक साझेदारी

वैश्विक भू-राजनीति में तेजी से आ रहे बदलावों के बीच भारत और नीदरलैंड्स ने 16 मई 2026 को अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई पर ले जाते हुए उन्हें 'रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया। द हेग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके डच समकक्ष रॉब जेटन के बीच हुई शिखर वार्ता में 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जो रक्षा, अर्धचालक (सेमीकंडक्टर), स्वच्छ ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जल प्रबंधन और समुद्री विकास जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों को आच्छादित करते हैं। यह महज एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि दो देशों के बीच एक सुविचारित, दीर्घकालिक और परस्पर लाभकारी संबंध की नींव है जो 2026 से 2030 तक के रोडमैप पर टिकी है। भारत और नीदरलैंड्स के बीच आर्थिक संबंध पहले से ही सुदृढ़ रहे हैं। 2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 27.8 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया था। नीदरलैंड्स यूरोप में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक गंतव्यों में से एक है और संचयी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में यह 55.6 अरब डॉलर के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा निवेशक भी है। रॉटरडैम का बंदरगाह, जो यूरोप का सबसे व्यस्त बंदरगाह माना जाता है, भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोपीय बाजारों का एक प्रमुख प्रवेशद्वार बना हुआ है। इन आंकड़ों को देखते हुए यह स्पष्ट होता है कि इस रणनीतिक साझेदारी की जड़ें केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति में नहीं, बल्कि एक ठोस आर्थिक वास्तविकता में भी गहरी धँसी हुई हैं। इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी अर्धचालक क्षेत्र में सहयोग की है। आज की दुनिया में सेमीकंडक्टर यानी चिप्स वही भूमिका निभाते हैं जो औद्योगिक क्रांति के युग में कोयला और इस्पात निभाते थे। स्मार्टफोन से लेकर लड़ाकू विमान तक, इलेक्ट्रिक वाहन से लेकर चिकित्सा उपकरणों तक – हर आधुनिक तकनीक की नींव में अर्धचालक हैं। नीदरलैंड्स इस क्षेत्र में एक अग्रणी देश है, जिसका अरटछ कंपनी दुनिया की सबसे उन्नत चिप निर्माण मशीनें बनाती है। इस साझेदारी के तहत भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन और डच सेमीकॉन कम्पीटेंस सेंटर के बीच संस्थागत सहयोग स्थापित किया जाएगा, जिसमें IISc, IIT बॉम्बे, IIT दिल्ली और IIT मद्रास जैसे प्रतिष्ठित भारतीय संस्थान भी शामिल होंगे। यह सहयोग भारत को वैश्विक चिप आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। रक्षा के मोर्चे पर भी यह साझेदारी उल्लेखनीय है। दोनों देशों के नेताओं ने एक रक्षा औद्योगिक रोडमैप विकसित करने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई है, जिसके अंतर्गत संयुक्त निर्माण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त उद्यमों की स्थापना शामिल होगी। भारत पिछले एक दशक से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और नीदरलैंड्स जैसे उन्नत तकनीकी देश के साथ सहयोग इस लक्ष्य को साकार करने में सहायक सिद्ध हो सकता है। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा और डिजिटल क्षेत्र में भी एक संयुक्त घोषणा-पत्र पर सहमति बनी है, जो इस डिजिटल युग में अत्यंत प्रासंगिक है। स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु सहयोग इस साझेदारी का तीसरा और अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देशों ने हरित हाइड्रोजन उत्पादन, समुद्री स्वच्छ ऊर्जा गलियारों और नवीकरणीय ऊर्जा पर एक संयुक्त कार्यसमूह बनाने पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य भारत में उत्पादित हरित हाइड्रोजन को यूरोपीय बाजारों तक पहुँचाना है – रॉटरडैम बंदरगाह इस योजना में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। जल प्रबंधन के क्षेत्र में नीदरलैंड्स की विशेषज्ञता जगजाहिर है – समुद्र तल से नीचे स्थित इस देश ने सदियों से पानी को नियंत्रित करना सीखा है। इस विशेषज्ञता का लाभ भारत को शहरी नदी प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन जैसी योजनाओं में मिलेगा। इस शिखर वार्ता में एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक संदर्भ भी था। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और होर्मुज जलडमरूमध्य में मुक्त नौपरिवहन का समर्थन किया। साथ ही, अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की डच प्रधानमंत्री जेटन ने कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता प्रकट की। यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत है कि नीदरलैंड्स भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझता है और उसके साथ खड़ा है। यह समझौता भारत की बहुपक्षीय कूटनीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत न केवल अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों के साथ, बल्कि नीदरलैंड्स जैसे मध्यम आकार के लेकिन तकनीकी रूप से अग्रणी देशों के साथ भी अपने संबंधों को नई ऊर्जा दे रहा है। यह नीति भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधीकरण का लाभ देती है और किसी एक देश या गुट पर अत्यधिक निर्भरता से बचाती है। हालाँकि, इस साझेदारी को सफल बनाने के लिए कुछ व्यावहारिक चुनौतियों पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा। अर्धचालक तकनीक के हस्तांतरण पर पश्चिमी देशों के अपने निर्यात नियंत्रण हैं। अरटछ की उन्नत एवश मशीनों तक भारत की पहुँच अभी भी सीमित है। रक्षा उत्पादन में संयुक्त उद्यमों को साकार होने में समय लगता है। इसलिए इस रोडमैप को केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित न रखते हुए जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करना होगा। दोनों देशों ने विदेश मंत्री स्तर पर वार्षिक समीक्षा तंत्र और एक संयुक्त व्यापार एवं निवेश समिति की स्थापना पर सहमति जताई है, जो इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। कुल मिलाकर, यह रणनीतिक साझेदारी 21वीं सदी की उस नई विश्व व्यवस्था की झलक देती है जहाँ देशों के बीच संबंध महज व्यापार या पर्यटन तक सीमित नहीं, बल्कि तकनीक, सुरक्षा और पर्यावरण जैसे बहुआयामी क्षेत्रों में गहराई से जुड़े हुए हैं। चिप्स, रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा – ये तीन स्तंभ न केवल इस द्विपक्षीय संबंध की ताकत हैं, बल्कि आने वाले दशकों में भारत के विकास और वैश्विक प्रभाव की दिशा को भी परिभाषित करेंगे। भारत को इस अवसर का पूरा लाभ उठाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि ये समझौते वास्तविक तकनीकी क्षमता निर्माण, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता में परिवर्तित हों – न कि केवल कूटनीतिक उपलब्धि की घोषणाओं में सिमट कर रह जाएँ।

तमिलनाडु की राजनीति और सनातन का विरोध

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

तमिलनाडु की राजनीति में सनातन धर्म को समाप्त करने की मांग की गई है। उदयनिधि स्टालिन ने पिछले सप्ताह सदन में कहा है कि सनातन धर्म को समाप्त कर देना चाहिए। डीएमके के अन्य नेताओं ने भी सनातन परंपरा की निन्दा की है। जान पड़ता है कि तमिलनाडु की राजनीति में सनातन के विरुद्ध मानहानिकारक शब्द प्रयोग की बाढ़ आ गई। यह आश्चर्यजनक है कि ऐसे राजनेता सनातन का वास्तविक रूप नहीं जानते। ऐसे नेताओं को भारतीय दर्शन के मूल तत्वों का अध्ययन करना चाहिए और इसके लिए तमिलनाडु के ही निवासी डॉ. राधाकृष्णन के ग्रन्थ पढ़ने चाहिए।

सनातन धर्म किसी राजनीतिक दल के प्रस्ताव से अस्तित्व में नहीं आया है। यह सदा से है। विश्व इतिहास का कोई कालखण्ड सनातन विहीन नहीं रहा। यह रिलीजन नहीं है। मजहब भी नहीं है और पंथ भी नहीं है। सनातन अजर-अमर धारणा है। सनातन का कभी जन्म नहीं होता। इसका कभी अवसान नहीं होता। सृष्टि की पहली किरण के साथ सत्य का जन्म हुआ। तब न रात्रि थी न दिन था। न आकाश था। ऋग्वेद के नासदीय सूक्त के अनुसार तब केवल ह्यवह्य था। आखिरकार 'वह' क्या था? ऋषि बताते हैं कि 'वह' बिना वायु के स्वयं अपनी क्षमता के बल पर सांस ले रहा था। 'वह' और कुछ नहीं सनातन ही था। प्रकृति प्रकट होती है। फिर व्यक्त से अव्यक्त होती है। सनातन तब भी रहता है। सनातन सदा से है। सदा रहता है। इसका न आदि है न अंत। सनातन का मूल अर्थ है जो सदा से है सदा रहता है।

दुनिया में अनेक आस्थाएं हैं। अनेक विचार हैं। अनेक सामाजिक व्यवस्थाएं हैं लेकिन सनातन जैसा अनुभव विश्व इतिहास में कहीं नहीं मिलता। ऋग्वेद में सनातन व्यवस्था का नाम ऋत है। ऋत ब्रह्माण्ड की व्यवस्था का संविधान है। अस्तित्व का अणु परमाणु सुसंगत व्यवस्था में गतिशील है। सनातन से पृथक कुछ भी नहीं। अग्नि का गुण ताप है। वायु का गुण स्पर्श है। जल का गुण रस है। प्रकृति के सभी महाभूतों की गतिविधि ब्रह्माण्ड की व्यवस्था में बंधी हुई है। डॉ. राधाकृष्णन ने लिखा है, 'ईश्वर भी इस व्यवस्था में हस्तक्षेप नहीं कर सकता।'

प्रकृति प्रत्यक्ष सत्य है। उसकी शक्तियाँ भी प्रत्यक्ष सत्य हैं और नियम भी प्रत्यक्ष सत्य हैं। यही सत्य मानव समाज में भी दिखाई पड़ता है। तब प्रकृति की नियमबद्ध गतिविधि और मनुष्य का सदाचरण एक साथ विचारणीय हो जाते हैं। नियमों का पालन करना कर्तव्य है। यही धर्म भी है। ऋग्वेद (2.8.3) में कहते हैं, 'अग्नि के नियमों का कोई उल्लंघन नहीं कर सकता।' नदियाँ ऊपर से नीचे समुद्र की ओर बहती हैं। यह प्रकृति का नियम है और जल का धर्म। नदियाँ ऋतावरी कही गई हैं। ऋत अर्थात प्रकृति के संविधान की पालनकर्ता। सूर्य के लिए कहते हैं, 'उसके नियम को इन्द्र, वरुण, रूद्र आदि देवता नहीं तोड़ सकते। (2.38.9) ऋषि वायु से कहते हैं, 'नियमों के अनुसार चलने वाले मरुद्गण और सरस्वती हमारी स्तुतियाँ सुनें।' सभी दिव्य शक्तियाँ प्रकृति के नियमों का पालन करती हैं। नियम तोड़ने का अधिकार किसी को नहीं है।

प्रकृति नियम आबद्ध है। यह अस्तित्व का नियम है। इसे ऋत कहते हैं। ऋत और धर्म पर्यायवाची हैं। वैदिककाल में मान्यता थी कि नियम पालन कराना वरुण देवता का कर्तव्य है। ऋग्वेद के अनुसार 'यह काम भी वह धमार्नुसार ही करते हैं। सूर्य भी धमार्नुसार संसार को प्रकाश से भरते हैं। सूर्योदय, सूर्यास्त, दिन के बाद रात, रात के बाद दिन सब नियमानुसार हैं। सारे नियम सत्य हैं। सनातन हैं।' ऋत, सत्य और धर्म एक जैसे हैं। भारतीय परम्परा में विष्णु बड़े देवता हैं। मान्यता है कि वे अवतार लेते हैं लेकिन विष्णु के लिए भी धर्म पालन अनिवार्य है। ऋग्वेद के अनुसार 'उन्होंने तीन पग चलकर ब्रह्माण्ड नाप दिया था।' यह कार्य आश्चर्यजनक था। ऋग्वेद के अनुसार उन्होंने यह कार्य धमार्नुसार पूरा किया। ग्रिफ्थ ने धर्म का अनुवाद 'लॉज' (विधि) किया है।

सूर्य भी नियमों में बंधे हुए हैं। एक सुसंगत ब्रह्मांडीय व्यवस्था के अधीन उदय और अस्त होते हैं। बृहदारण्यक उपनिषद में कहते हैं, 'जिससे सूर्य उदय अस्त होता है, उस धर्म को देवताओं ने बनाया है।' प्रकृति की शक्तियां नियम बंधन के अनुशासन में हैं। मनुष्यों को भी तद्नुसार धर्म-नियमों का पालन करना चाहिए। सनातन धर्म का विकास प्राकृतिक नियमों के विस्तार से हुआ। सनातन धर्म रिलीजन या मजहब नहीं है। रिलीजन और मजहब में एक ईश्वर और एक देवदूत की आस्था है। प्रत्येक मजहब या रिलीजन का एक पवित्र ग्रंथ है। उनके सत्य अंतिम हैं। उन पर कोई तर्क और जिज्ञासा नहीं हो सकती लेकिन सनातन धर्म परम्परा में ईश्वर भी प्रश्न और जिज्ञासा के दायरे में आते हैं। धर्म-नियम धारण करना सभी तत्वों का धर्म है। बृहदारण्यक उपनिषद में कहते हैं, 'धर्म सभी भूतों का मधु-सार है और सभी भूत धर्म का मधु-सार हैं।' यह सनातन है।

तमिलनाडु के निवासी कम्बन ने रामकथा लिखी और सनातन धर्म को प्रतिष्ठा दी। इसी राज्य के निवासी राजगोपालाचारी ने भारतीय संस्कृति के लिए अविस्मरणीय काम किया। उन्होंने सभी वर्णों के मंदिर प्रवेश की मुहिम चलाई। तमिलनाडु के ही विश्वविख्यात दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन को विश्वव्यापी बनाया। उन्होंने रूस यात्रा में स्टालिन को समझाया कि रक्तपात बुरा है। इसी भेंट में स्टालिन ने उनसे पूछा कि भारत की लोकप्रिय भाषा कौन-सी है? राधाकृष्णन ने हिन्दी बताया। भारत के राष्ट्रपति रहे परमाणु वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम भी तमिलनाडु के थे। उन्होंने भारत की प्रतिष्ठा सारी दुनिया में पहुँचाई। अद्वैत दर्शन में भक्ति भाव भरने वाले रामानुजाचार्य भी यहीं के थे। आश्चर्य है कि स्टालिन और उनके सहयोगियों के वक्तव्यों ने ऐसे तमाम महानुभावों की सांस्कृतिक परम्परा और योगदान को भी आहत किया है।

सनातन धर्म में आज्ञासूचक संहिता नहीं है। 6 प्राचीन दर्शन व लोकायत जैसे नास्तिक दर्शन भी सनातन धर्म का हिस्सा हैं। यहाँ सुसंगत दार्शनिक दृष्टिकोण है। सनातन धर्म किसी देवदूत की उद्घोषणा नहीं है। स्टालिन के अपने निहित स्वार्थ हो सकते हैं। बेशक उनके स्वार्थ हैं। वे सनातन धर्म का खात्मा चाहते हैं लेकिन वे स्वयं जानते हैं कि सनातन की समाप्ति असंभव काम है। जिसका जन्म होता है उसकी मृत्यु भी होती है। सनातन धर्म अजन्मा है। इसका न कोई आदि है न कोई अंत।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

मेष: कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। *(सिटी दर्पण)*

तुला: माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

मकर: अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढऩे के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। *(सिटी दर्पण)*

मीन: शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है। अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। *(सिटी दर्पण)*

बहुपक्षवाद का संकट और डब्लूटीओ में सुधार की अनिवार्यता

बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली औचित्य के गहरे संकट का सामना कर रही है। बीसवीं सदी के उत्तरार्ध और इक्कीसवीं सदी की शुरुआत में, विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) वैश्विक व्यापार का केंद्रीय स्तंभ था, जो नियम-आधारित व्यवस्था की पेशकश करने के साथ तटस्थता, पूर्वानुमेयता और निष्पक्षता का वादा करता था। हालांकि आज, ये वादे काफी कमजोर प्रतीत होते हैं। डब्लूटीओ में विश्वास की कमी, किसी एक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह संरचनात्मक असंतुलन, असमान प्रवर्तन और वैश्विक आर्थिक शक्ति के बदलते स्वरुप के संचयी प्रभाव को प्रतिबिंबित करती है।

इस संकट के मूल में है - वैश्विक उत्पादन का अत्यधिक केंद्रीकरण और आक्रामक व्यापार प्रथाओं की निरंतरता। समय के साथ, आपूर्ति श्रृंखलाएँ परस्पर अत्यधिक निर्भर हो गई हैं और उनका वितरण भी असमान है, जहाँ कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाएँ महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अनुपात से कई गुनी ज्यादा नियंत्रण रखती हैं। हालांकि, इस केंद्रीकरण ने कुछ मामलों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक कुशल बना दिया है, लेकिन इसने उन्हें काफी हद तक कमजोर भी बना दिया। व्यवधान–चाहे भू-राजनीतिक हो, आर्थिक हो, या पर्यावरण-संबंधी हों–अब प्रणालीगत नतीजे लेकर आते हैं। परिणामस्वरुप, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी अब केवल एक आर्थिक चिंता के रूप में नहीं देखी जाती; इसे अब राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक अस्तित्व के मामले के तौर पर देखा जाने लगा है।

धारणा में हुए बदलाव ने नीतिगत प्रतिक्रियाओं की एक ऐसी लहर को जन्म दिया है, जो बहुपक्षवाद के मौलिक सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। देश घरेलू हितों की रक्षा के लिए संरक्षण उपायों, आक्रामक औद्योगिक नीतियों और निर्यात नियंत्रण को अपना रहे हैं। हालांकि ऐसी रणनीतियाँ अल्पकालिक सहनशीलता ला सकती हैं, लेकिन वे डब्लूटीओ की सहयोग भावना और कानूनी रूपरेखा को अक्सर कमजोर कर देती हैं। तकनीकी अवरोध, महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण और भू-राजनीतिक प्रभाव के उपकरण के रूप में बाजार पहुंच का बढ़ता उपयोग एक व्यापक परिवर्तन का संकेत देता है: व्यापार अब केवल आर्थिक लेन-देन ही नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति के बारे में है।

डब्लूटीओ सदस्यों के बीच एक व्यापक रूप से मान्य दृष्टिकोण यह है कि संगठन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को उनके प्रतिबद्धताओं के प्रति जवाबदेह ठहराने में अक्षम रहा है और इसने वर्तमान स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जब नियम असमान रूप से लागू किए जाते हैं या प्रवर्तन तंत्र विफल हो जाते हैं, तो प्रणाली में विश्वास कमजोर हो जाता है। कई देशों में, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों में, यह धारणा मजबूत हुई है कि डब्लूटीओ अब एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में कार्य नहीं करता।

इसके बजाय, इसे एक ऐसे संस्थान के रूप में देखा जाता है, जो तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति अनुकूल होने के लिए संघर्ष कर रहा है।

राजेश अग्रवाल

इस संदर्भ में, सुधार प्रयासों का केंद्रीय उद्देश्य डब्लूटीओ की विश्वसनीयता को बहाल करना हो गया है। यद्यपि डब्लूटीओ सुधार की आवश्यकता पर सदस्यों के बीच व्यापक सहमति है, फिर भी इसे हासिल करने के तरीके पर सहमति न के बराबर है। सुधार की संरचना और विषय वस्तु पर बहसें लगातार विवादास्पद होती जा रही हैं। याओंडे के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में, सदस्यों ने डब्लूटीओ के मूलभूत सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की, जिनमें निष्पक्षता, पारदर्शिता, समावेश और सहमति-आधारित निर्णय शामिल हैं। इन सिद्धांतों ने लंबे समय से डब्लूटीओ को अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अलग बनाये रखा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी सदस्य, चाहे उनका आकार या उनकी आर्थिक शक्ति कुछ भी हो, वैश्विक व्यापार नियमों को अंतिम रूप देने में अपनी बात रख सकें। हालांकि, इन सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग को, विशेष रूप से बहुपक्षीय समझौतों से जुड़ी चचार्ओं में, समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ये समझौते डब्लूटीओ सदस्यों के उपसमूहों के बीच बातचीत के बाद तैयार किए गए हैं। इन्हें कई देश–विशेष रूप से वैश्विक उत्तर के देश – सहमति-आधारित नियम निर्माण की चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान मानते हैं। ऐसी सदस्यता के लिए, जहां विकास स्तर और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में व्यापक असमानताएँ मौजूद हैं, जटिल मुद्दों पर सर्वसम्मति प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। बहुपक्षीय समझौते आगे बढ़ने का एक तरीका प्रदान करते हैं, जिससे इच्छुक प्रतिभागी नए नियम स्थापित कर सकते हैं, इसमें उन देशों को रुकावट नहीं माना जाता, जो प्रतिबद्ध होने के लिए अभी तैयार नहीं हैं, ऐसी ही प्रणाली डब्लूटीओ से पहले गैट, 1947 (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता) के तहत अस्तित्व में थी।

इस मुद्दे पर भारत का रुख एक सावधानीपूर्वक तैयार संतुलनकारी कार्य को दर्शाता है। नियम-निर्माण को आगे बढ़ाने में बहुपक्षीय समझौतों की क्षमता को स्वीकार करते हुए भारत ने लगातार मजबूत सुरक्षा उपायों की मांग की है, ताकि ऐसे समझौतों द्वारा बहुपक्षीय प्रणाली को कमजोर न होना सुनिश्चित हो सके। बहुपक्षीय समझौतों को प्रमुख डब्लूटीओ सिद्धांतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए, मौजूदा कायार्देश को कमजोर नहीं करना चाहिए या गैर-प्रतिभागी सदस्यों के लिए नुकसानदेह नहीं होना चाहिए। उन्हें बहुपक्षीय रूपरेखा की जगह लेने के बजाय एक पूरक भूमिका निभानी चाहिए। भारत एक तदर्थ, समझौता-दर-समझौता मॉडल के बजाय बहुपक्षीय समझौतों को डब्लूटीओ संरचना में समेकित करने के लिए एक व्यापक और व्यवस्थित दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

सुधार बहस का एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा, संगठन के पिछले कायार्देशों को पूरा करने में विफलता से संबंधित है। यह कई विकासशील देशों के लिए असंतोष का एक प्रमुख कारण रहा है। ये अधूरी प्रतिबद्धताएं–जिनमें कृषि, विकास और विशेष व्यवहार प्रावधानों जैसे क्षेत्र शामिल हैं –केवल नियम बनाने की कमियों को ही नहीं दशार्ती, बल्कि वैश्विक व्यापार प्रणाली में लंबे समय से मौजूद असमानताओं को दूर करने के अवसरों की चूक को भी उजागर करती हैं।

विशेष रूप से कृषि, इन असंतुलनों की गंभीरता को दशार्ती है। विकसित देशों ने अपने कृषि क्षेत्रों को सब्सिडी देने में महत्वपूर्ण लचीलापन बनाए रखा है, जिससे उनके किसान वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहते हैं। वहीं, विकासशील देशों को अपने किसानों को दिए जाने वाले समर्थन के प्रकारों और स्तरों में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है। यह विषमता संरचनात्मक असुविधाओं को बनाए रखती है, वैश्विक दक्षिण में लाखों लोगों की आजीविका को कमजोर करती है और वैश्विक व्यापार प्रवाह को विकृत करती है।

कृषि से परे, ऐसी न्यायसंगत रूपरेखाओं की मांग बढ़ रही है, जो प्रौद्योगिकी स्थानांतरण और क्षमता निर्माण को नियंत्रित करती हैं। तेज तकनीकी प्रगति के युग में ज्ञान, नवाचार और ज्ञान-कौशल तक पहुँच आर्थिक विकास का एक प्रमुख निर्धारक बन गया है। फिर भी, मौजूदा नियम अक्सर मौजूदा पदानुक्रम को मजबूत करते हैं, जिससे विकासशील देशों की मूल्य श्रृंखला में ऊपरी पायदान पर चढ़ने की क्षमता सीमित हो जाती है। अधिक समावेशी और संतुलित व्यापार प्रणाली बनाने के लिए इन असमताओं को दूर करना आवश्यक है।

विशेष और विभेदपूर्ण व्यवहार (एस एंड डीटी) पर बहस डब्लूटीओ सुधार की जटिलताओं को और अधिक उजागर करती है।

एस एंड डीटी मूल रूप से सबसे कम विकसित और विकासशील देशों को गैर-पारस्परिक बाजार पहुँच और व्यापार प्रतिबद्धताओं को लागू करने में अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था, जो अब एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है। कुछ विकसित देशों का तर्क है कि स्व-निर्धारण की मौजूदा प्रणाली अपेक्षाकृत उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को उन प्रावधानों से लगातार लाभ उठाने की अनुमति देती है, जो कम विकसित राष्ट्रों के लिए बनाए गए थे। भारत इन चिंताओं को स्वीकार करता है, लेकिन सकल आर्थिक आकार जैसे मनमाने पैमानों पर आधारित सरल समाधानों के प्रति आगाह भी करता है।

इसके बजाय, ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होना चाहिए कि एस एंड डीटी वास्तविक विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक प्रभावी उपकरण बना रहे। इसके लिए एक अधिक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है–ऐसा दृष्टिकोण, जो विकासशील दुनिया में मौजूद आर्थिक स्थितियों की विविधता को मान्यता देता हो और उसी के अनुसार लचीलापन तैयार करता हो। यह मुद्दा और भी जटिल हो जाता है, क्योंकि कई विकसित देशों ने कृषि सब्सिडी अधिकारों के संदर्भ में, जिसे कभी-कभी विपरीत एस एंड डीटी कहा जाता है, का फायदा उठाना जारी रखा है।

अंततः, बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का भविष्य इसके सदस्यों की प्रतिस्पर्धी हितों को सुलझाने और साझा संस्थानों में विश्वास पुनः स्थापित करने की क्षमता पर निर्भर करता है। चुनौतियाँ कठिन हैं, लेकिन हित इतने महत्वपूर्ण हैं कि उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक कमजोर डब्लूटीओ से एक विभाजित वैश्विक अर्थव्यवस्था को जन्म देने का खतरा है, जो एकपक्षीय और शक्ति-आधारित सौदेबाजी पर आधारित हो सकती है। इसके विपरीत, सुधार किये गये और फिर से सशक्त बनाये गये डब्लूटीओ में एक अधिक सुदृढ़, समावेशी और सहयोगात्मक वैश्विक व्यवस्था को आधार प्रदान करने की क्षमता है।

भारत की व्यापक व्यापार रणनीति, बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी को द्विपक्षीय और क्षेत्रीय समझौतों के साथ जोड़ती है। जैसे-जैसे व्यापार नीति जटिल होती जा रही है–जिसमें नियामक मानक, डिजिटल शासन और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण शामिल है–समान विचारधारा वाले भागीदारों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) मजबूत आर्थिक एकीकरण के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरे हैं। हालांकि, वर्तमान में जारी चचार्ओं में भारत की रचनात्मक भागीदारी इस कार्य की तात्कालिकता और जटिलता, दोनों को प्रतिबिंबित करती है। संतुलित, समावेशी और भविष्य-केंद्रित सुधारों को समर्थन देकर, भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि डब्लूटीओ तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिक बना रहे–एक ऐसा संस्थान, जो न केवल व्यापार को प्रबंधित करने में सक्षम हो, बल्कि एक अधिक न्यायसंगत वैश्विक आर्थिक भविष्य को आकार देने की भी क्षमता रखता हो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डब्लूटीओ व्यवसायों को निश्चितता, पूर्वानुमेयता, समावेशिता, समानता और सरलता प्रदान करता है, यानि नियम-आधारित व्यापार व्यवस्था।

व्यक्त किए गए विचार निजी हैं ।

(लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं ।)

प्रधानमंत्री के अनुरोध में छिपा सबका हित

सियाराम पांडेय 'शांत' (हि.स)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका-ईरान युद्ध के मद्देनजर कुछ बड़े और कड़े फैसले लिए हैं। उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया है कि वे वाहनों के लिए जरूरत के अनुरूप डीजल-पेट्रोल का सीमित उपयोग करें और कम-से-कम एक साल तक सोना न खरीदें। सार्वजनिक वाहनों से यात्रा करें। मेट्रो और रोडवेज बसों, सिटी बसों जैसे सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल अधिक करें। उन्होंने अपने मंत्रियों से भी कुछ इसी तरह का आग्रह किया है। उन्होंने अधिकारियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी डीजल-पेट्रोल की खपत कम करने की दिशा में काम करें। सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी उन्होंने लगभग इसी तरह का अनुरोध किया है। एक बार नहीं, अनेक बार किया है ताकि कोई उनके अनुरोध को हल्के में न ले। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस दिशा में काम करना आरंभ भी कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने अपने काफिले के वाहनों की तादाद घटाई तो 'महाजनो येन गता स पंथाः' की रीति-नीति पर काम करते हुए उनके मंत्रियों ने भी उस पर अमल प्रारंभ कर दिया है। गृहमंत्री, रक्षामंत्री ने भी अपने काफिले की गाड़ियों की संख्या घटा दी है। भाजपा शासित राज्यों उत्तर, प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और असम आदि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों के काफिलों में भी वाहनों की संख्या घट गई है। एकाध न्यायाधीश तो साइकिल चलाकर न्यायालय पहुंचे हैं। इन संदेशों के गहरे निहितार्थ हैं, जिन्हें समझे जाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री का देशवासियों से आग्रह है कि संभव हो तो कुछ समय के लिए अपनी विदेश यात्रा टाल दें। इससे जहां देश के विदेशी मुद्रा भंडार और आर्थिक सुरक्षा को मजबूती मिलेगी बल्कि विकसित भारत के उसके सपनों के पंख कमजोर नहीं होंगे। इसके विपरीत विपक्ष का तर्क है कि सरकार को यह कदम पहले ही उठाना चाहिए था। आज की तिथि में ऐसा करने का क्या औचित्य है? उनका सवाल कुछ हद तक वाजिब भी है लेकिन यह समय सवाल पूछने का नहीं, अनुरोध की गंभीरता को समझने का है।

मध्य-पूर्व संकट के मद्देनजर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों के मद्देनजर प्रधानमंत्री द्वारा उठाया गया यह कदम बेहद मायनेखेज है। भले ही यह निर्णय देर से लिया गया हो लेकिन 'जब जागे तभी सबेरा।' इस निर्णय को दिखावे का विषय नहीं बनना चाहिए वरन देश के हर आम और खास नागरिक को इस दिशा में सोचना चाहिए और तदनुरूप कार्य व्यवहार करना चाहिए। वैसे भी जो राष्ट्र अर्थ संयम के सिद्धांतों का पालन नहीं करता, वह दुखी रहता है। आय और व्यय के बीच संतुलन तो होना ही चाहिए। इतने गंभीर विषय पर राजनीति करना देश को संकट के दलदल में झोंकने जैसा है? यह किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति तक साइकिल चलाकर अपने फार्म हाउस जाते रहे हैं फिर भारत में बेवजह राजनीतिक अहमन्यता का प्रदर्शन क्यों? दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाले देश के मुखिया को अगर ऊर्जा के समुचित इस्तेमाल की नसीहत देनी पड़ रही है तो इसका मतलब है कि खतरा बड़ा है और देशवासियों ने अपने विवेक से काम नहीं लिया तो पानी सिर से ऊपर बह सकता है। देश को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

अमेरिका-ईरान युद्ध का असर भारत ही नहीं, दुनिया के तमाम देशों पर पड़ा है, यह किसी से छिपा नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से भारतीय तेल टैंकरों का आना कठिन हो रहा है। दूसरी ओर अमेरिका ने भी नाकेबंदी कर रखी है। गनीमत थी कि भारत के कुछ टैंकर आ गए थे लेकिन अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो भारत के पास जो भी ईंधन है, उसी से काम चलाना होगा। ऐसे में संयम बरतने के अलावा कोई अन्य विकल्प है भी नहीं। वैसे भी ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध समाप्त होने के फिलहाल कोई आसार नहीं हैं। युद्ध विराम के जुबानी प्रपंच के बीच दोनों देशों ने ऐ दूसरे पर टपुट हमले भी किए हैं, उसे युद्ध नहीं तो और क्या कहा जाएगा?

अमेरिका और ईरान की अपनी-अपनी नाकेबंदी के वैश्विक प्रभाव भी किसी से छिपे नहीं हैं। अमेरिका में पेट्रोल का वैसे तो कोई संकट नहीं है लेकिन वहां भी पेट्रोल की कीमत में 7.5 प्रतिशत का इजाफा हो गया है। ब्रिटेन में डीजल की कीमत 33 प्रतिशत बढ़ गई हैं। घर को उष्ण बनाए रखने के लिए एलपीजी का उपयोग लगभग बंद कर दिया गया है। दक्षिण कोरिया में नहाने में शॉवर के न्यूनतम उपयोग, सप्ताहांत में ही वाशिंग मशीन चलाने और सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट बंद करने जैसी कुछ व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। चीन, फ्रांस, स्पेन, इटली जैसे देशों में भी पेट्रोल-डीजल और गैस के दाम बढ़ा दिए गए हैं। भारत में अभी पेट्रोल के दाम में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करनी पड़ गई है। अमेरिका और ईरान की तनातनी कम नहीं हुई तो अन्य क्षेत्रों में भी मुद्रास्फीति की सुरसा अपने मुंह फैला सकती है।

दरअसल, इस निर्णय को सरकार की विवशता के तौर पर ही लिया जाना चाहिए। इसमें जनता को बेवजह परेशान करने की मानसिकता तलाशना, वास्तविकता से मुंह मोड़ने जैसा है। प्रधानमंत्री मोदी की इस बात में दम है कि भारत में कच्चे तेल के बड़े कुएं न होने की वजह से तेल आयात करना हमारी विवशता है। युद्ध के कारण और कच्चा तेल लगातार महंगा होने के चलते भारत की तेल कंपनियों को 30 हजार करोड़ रुपये प्रतिमाह नुकसान सर्वविदित है। हर रोज का औसत घाटा 1600 करोड़ रुपये के आसपास है। सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर जो टैक्स कम किया था, उससे ही सरकार को हर माह 14 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। सच तो यह है कि भारत विदेश से 93 लाख करोड़ रुपये का डीजल- पेट्रोल और गैस का आयात कर रहा है। देश का वार्षिक व्यापार घाटा भी 11.3 लाख करोड़ रुपये का है।

इस सत्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि अमेरिकी टैरिफ और अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते भारत के आर्थिक और कारोबारी हालात बिगड़े हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी का संयमित खर्च का अनुरोध काबिलेगौर भी है और जरूरत के अनुरूप भी है। देश का मुखिया होने के नाते अपनों को समय रहते सचेत करने की उनकी जिम्मेदारी भी बनती है। इसे अन्यथा लिया जाना या फिर बात का बतंगड़ बनाना किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। उन्होंने तो यहां तक कहा है कि देशवासी अपने भोजन में तेल की मात्रा घटाएं। ऐसा करने से वे स्वस्थ भी रहेंगे और देश पर भी खाद्य तेल आयात करने का बोझ भी कम होगा।

भारत के दर्जन भर जहाज, टैंकर फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य के पास समुद्र में फंसे हैं। हमलों में भारत के कुछ नाविक मारे गये हैं और कुछ घायल भी हुए हैं। ईरान और अमेरिका धमकियां दे रहे हैं और होर्मुज जलमार्ग का नाजायज फायदा उठा रहे हैं। रही बात सोने के आयात की तो भारत ने 2025-26 में 6.40 लाख करोड़ रुपये का सोना आयात किया था। विदेश यात्राओं पर भारतीय नागरिक लगभग 3.65 लाख करोड़ रुपये हर वर्ष खर्च करते हैं। इन पर थोड़ी भी रोक लगेगी तो भी विदेशी मुद्रा तो बचेगी ही। 2025-26 में भारत ने कच्चे तेल के आयात पर 10. 35 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। चूंकि ईरान युद्ध के कारण कच्चा तेल 50 फीसदी महंगा हो गया है, लिहाजा अब हमें तेल के आयात पर करीब 17 लाख करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे। यह बोझ देश की अर्थव्यवस्था पर ही पड़ेगा। विश्व बैंक भी मानता है कि युद्ध के कारण 2026 में ऊर्जा की कीमतें 24 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की अपील पर अमल करने में ही देश का कल्याण है। किसी के झांसे में आने की बजाय देशवासी अपने हितों पर खुद मंथन करें।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक वाहन का उपयोग करने का आह्वान किया है और उन्हें शासन में मितव्ययिता,ऊर्जा संरक्षण और जनप्रेरक आचरण की नई कार्य संस्कृति विकसित करने का संदेश दिया है। उन्होंने मंत्रियों से अपने काफिले को 50 प्रतिशत तक कम करने का भी आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने अगले छह माह तक राज्य सरकार के सभी मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विदेश यात्राओं से परहेज करने के निर्देश दिए हैं। जिन किन्हीं राज्यों में इस तरह की पहल पर काम हो रहा है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए, कम है।

इसमें संदेह नहीं कि मौजूदा हालात में ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। एक जनप्रतिनिधि का आचरण ही जनता के लिए सबसे बड़ा संदेश होता है। मंत्री, अधिकारी अपने आचरण पर डटे रहे तो जनता उनसे आगे बढ़कर ऊर्जा संरक्षण और देश की आर्थिक सुरक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। इसमें रंच मात्र संदेह नहीं है। विपक्ष प्रधानमंत्री पर ह्य पर उपदेश कुशल बहुतेरेह्न वाला आरोप लगा रहा था लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने निर्णय को सर्वप्रथम खुद पर लागू किया है और इसके बाद उसे अपने सहयोगियों और देशवासियों के विवेक पर छोड़ दिया है। कुछ लोग उनकी विदेश यात्रा पर सवाल कर रहे हैं लेकिन सोचना होगा कि जब वाकई संवाद की जरूरत है, ऐसे में घर बैठे तमाशा देखना क्या उचित होगा।

सवाल इस बात का भी है कि हमें इस मुद्दे पर अमल कर अपने देश को आगे ले जाना है या दिखावे की सामाजिक संस्कृति को आगे बढ़ाना है। नीति भी कहती है कि धनार्जन और धन का संरक्षण यत्नपूर्वक किया जाना चाहिए। 'धनात धर्मः ततः सुखम।' धन रहेगा तभी धर्म भी होगा और धर्म रहेगा तभी सुख भी मिलेगा। अब यह हमें तय करना है कि हमें ऊर्जा संरक्षण को महत्व देना है या उसके अंधाधुंध मनमाने उपयोग को। फैसला हमारा है कि हम इस बावत केवल कुछ दिनों का दिखावा करेंगे या अपने जीवन व्यवहार में भी अर्थ संयम और ऊर्जा संरक्षण की जरूरतों को सतत अहमियत देंगे।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

गुरदासपुर में ग्रेनेड फेंकने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, आरोपियों के कब्जे से एक और ग्रेनेड बरामद

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/गुरदासपुर

पंजाब को सुरक्षित और शांतिपूर्ण राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरदासपुर पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.) पंजाब के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए गुरदासपुर में एक दुकान के पास ग्रेनेड फेंकने के मामले को सफलतापूर्वक सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक और हैंड ग्रेनेड भी बरामद किया है। यह जानकारी आज पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमरजीत सिंह उर्फ बिल्ला निवासी गणेश नगर, रामा मंडी, जालंधर; करणजीत सिंह उर्फ करण निवासी तारापुर, अमृतसर; और सतनाम सिंह निवासी गांव बोपाराय, अमृतसर के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल 2026 को गुरदासपुर के गीता भवन रोड पर स्थित एक दुकान के पास एक निष्क्रिय हैंड ग्रेनेड मिला था। बम स्क्वॉड द्वारा ग्रेनेड को सफलतापूर्वक निष्क्रिय किए जाने के बाद पुलिस ने उसे अपने कब्जे में ले लिया था।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मामले की गहन जांच के बाद पुलिस ने इस वारदात में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपी अमरजीत सिंह उर्फ बिल्ला के घर से एक और हैंड ग्रेनेड भी बरामद किया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि प्रारंभिक जांच से यह सामने आया है कि आरोपी एक विदेशी हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहे थे और उन्हें उसी हैंडलर के माध्यम से दो हैंड ग्रेनेड प्राप्त हुए थे।

- **गिरफ्तार आरोपियों को अपने विदेशी हैंडलर के माध्यम से मिले थे दो हैंड ग्रेनेडः डीजीपी गौरव यादव**
- **आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियों तथा बरामदगियों की संभावनाः एसएसपी गुरदासपुर आदित्य**

ऑपरेशन संबंधी अधिक जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गुरदासपुर आदित्य ने बताया कि घटना के तुरंत बाद विभिन्न पुलिस टीमों का गठन कर जांच शुरू की गई थी।

उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज, खुफिया जानकारी और तकनीकी विश्लेषण की मदद से यह पता चला कि पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा अशोका चिप्स के पास ग्रेनेड फेंका गया था। इसके आधार पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

एसएसपी ने बताया कि इस मामले में विदेशी हैंडलरों और स्थानीय सहायता नेटवर्क की भूमिका सहित पूरे मॉड्यूल के आगे-पीछे के संबंधों की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगियां होने की संभावना है।

इस संबंध में पुलिस थाना सिटी गुरदासपुर में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत एफआईआर नंबर 113 दिनांक 27.04.2026 दर्ज की गई थी। बाद में इस मामले में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की संबंधित धाराएं भी जोड़ी गईं।

डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्टर सोसाइटी में फेरबदल उपाध्यक्ष और महिला अध्यक्ष पद से हटाए गए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

शहर की डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्टर सोसाइटी में आयोजित विशेष बैठक के दौरान कार्यकारिणी में बड़ा बदलाव देखने को मिला। प्रधान धर्मबीर राणा की अध्यक्षता में हुई इस अहम बैठक में सोसाइटी के कई पदाधिकारियों और सदस्यों ने हिस्सा लिया, जहां संगठन की कार्यप्रणाली और अनुशासन को लेकर गंभीर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान महासचिव बिजेन्द्र डुलगच ने कहा कि कुछ पदाधिकारी लंबे समय से सोसाइटी की महत्वपूर्ण बैठकों से दूरी बनाए हुए थे और संगठन के संविधान के विपरीत कार्य कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से सहमति जताई।

इसके बाद कार्यकारिणी ने बड़ा फैसला लेते हुए वर्तमान उपाध्यक्ष मदन मलिक और महिला अध्यक्ष सोनिया अमित अटवाल को उनके पदों से मुक्त कर दिया। सोसाइटी के पदाधिकारियों का कहना है कि संगठन की मजबूती और सुचारू संचालन के लिए यह निर्णय जरूरी था।

बैठक में नई नियुक्तियों की घोषणा भी की गई। सर्वसम्मति से मोनू चारण को नया उपाध्यक्ष और गीता (शक्तिमान) को नया महिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नई टीम से संगठन को और अधिक मजबूत करने की उम्मीद जताई गई।

सोसाइटी की ओर से जारी बयान में सभी डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्टरों से अपील की गई है कि वे संगठन में हुए इस बदलाव को नोट करें और नई कार्यकारिणी का सहयोग करें। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठन की एकता और कर्मचारियों के हितों के लिए मिलकर काम करने का संकल्प भी लिया।

होशियारपुर में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन लिखा हॉट बैलून मिला

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब के होशियारपुर में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दसूहा सडक पर स्थित गांव सतौर के बाहरी क्षेत्र में खेतों में एक छोटी हवाई जहाज जैसी दिखने वाली संदिग्ध वस्तु पड़ी मिली। इस पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन लिखा हुआ था।

दूर से देखने पर यह वस्तु एक ड्रोन जैसी लग रही थी। खेतों की ओर जा रहे कुछ ग्रामीणों ने इस वस्तु को देखा और तुरंत गांव की सरपंच कुलदीप कौर और समिति सदस्य परमजीत सिंह को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस के अनुसार वह वस्तु असल में एक हॉट एयर बैलून थी, जिसका आकार हवाई जहाज जैसा था और उस पर पीआईए (पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस) लिखा हुआ था। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह बैलून कहां से आया और क्या इस इलाके में कोई सामग्री गिराई गई है। आसपास के खेतों और नजदीकी इलाकों में तलाशी अभियान भी चलाया, लेकिन कहीं से कुछ नहीं मिला।

लंबित वैट मामलों पर एमनेस्टी स्कीम की मांग, सीबीएम प्रतिनिधिमंडल ने अनुराग ठाकुर से की मुलाकात

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जीएसटी लागू होने से पहले के लंबे समय से लंबित वैट असेसमेंट मामलों के समाधान की मांग को लेकर चंडीगढ़ व्यापार मंडल (सीबीएम) का एक प्रतिनिधिमंडल को हिमाचल प्रदेश से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने व्यापारियों और एमएसएमई इकाइयों को राहत देने के लिए एकमुश्त एमनेस्टी स्कीम लागू करने की मांग उठाई।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीबीएम अध्यक्ष संजीव चड्ढा और चेयरमैन चरणजीव सिंह ने किया। उनके साथ सीबीएम के सलाहकार सुशील बंसल, वरिष्ठ पदाधिकारी एल.डी. शर्मा तथा संजय आहूजा भी मौजूद रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यूटी चंडीगढ़ में प्री-जीएसटी दौर के हजारों वैट असेसमेंट मामले पिछले 8 से 10 वर्षों से लंबित पड़े हैं, जिससे व्यापारियों को आर्थिक और प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सीबीएम नेताओं ने कहा कि अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तर्ज पर चंडीगढ़ में भी एमनेस्टी स्कीम लागू की जानी चाहिए, जिसके तहत मूल कर राशि जमा कराने पर ब्याज और जुर्माने में छूट दी जाए।

सीबीएम अध्यक्ष संजीव चड्ढा ने कहा कि एमएसएमई चंडीगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और लंबित मामलों के कारण व्यापारियों की कार्यशील पूंजी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक एमनेस्टी स्कीम से व्यापारिक समुदाय को राहत मिलने के साथ प्रशासन को भी लंबित राजस्व प्राप्त हो सकेगा। सीबीएम चेयरमैन चरणजीव सिंह ने कहा कि पूर्व वित्त राज्य मंत्री होने के नाते अनुराग ठाकुर इन मामलों की गंभीरता को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ठाकुर इस मुद्दे को वित्त मंत्रालय और यूटी प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाएंगे। इस दौरान अनुराग ठाकुर ने प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यानपूर्वक सुनी और मामले के सकारात्मक समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सीबीएम के वाइस चेयरमैन दिवाकर साहूनजा ने कहा कि संगठन व्यापारिक समुदाय को राहत दिलाने के लिए इस मुद्दे को लगातार चंडीगढ़ प्रशासन, स्थानीय सांसद और केंद्र सरकार के समक्ष उठाता रहेगा।

संक्षिप्त-समाचार

सीएससीए के चैप्टर यंग फ्रेंडस फॉरएवर की मासिक बैठक में गीत-संगीत से किया मनोरंजन

चंडीगढ़ । सीनियर सिटीजंस एसोसिएशन (सीएससीए) के चैप्टर यंग फ्रैंड्स फारेवर की मासिक बैठक कम्यूनिटी सेंटर, सैक्टर 38, चण्डीगढ़ में आयोजित की गयी। अध्याय के हेड दीदार सिंह जी ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। बैठक का मुख्य आकर्षण सैक्टर 26 के ब्लाइंड स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत शानदार भावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। संस्था की और से बच्चों को 11000 रु की पुरस्कार राशि प्रदान की गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनीश्वर जैन द्वारा गाए भजन तेरी जात पाक है ए खुदा से हुआ। 15 नये सदस्यों द्वारा सदस्यता ग्रहण की। तत्पश्चात सदस्यों के जन्मदिन और वैवाहिक वर्षगांठ मनाए गये। तंबोला के खेल का भी आनंद लिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सुप्रसिद्ध गायक सोमेश गुप्ता ने मुसाफि र हो यारो, पवन शर्मा ने सौन दी झड़ी, संजय शर्मा ने दुनिया उसी की, पुष्प लता ने कहीं दीप जले, नीलम गोयल ने प्यामे इश्क मुहब्बत हमें पसन्द नहीं , सी पी पुरी ने तू बेमिसाल है, अशोक कुमार ने टुकड़े हैं मेरे दिल के, सतीश मधोक ने मुहब्बत जिन्दा रहती है, बिक्रम जीत ग्रोवर ने सुहानी चांदनी रातें, तरसेम राज ने मैं कहीं कवि, राम आनंद ने ऐ जाने चमन, रिकी सलारिया ने युग युग के ये गीत, बबीता ने झुकी झुकी सी नजर और सर्बजीत कौर ने दुनिया में ऐसा कहां गीत गा कर समां बांध दिया। वार्ड 27 की पार्षद और बैठक की मुख्य अतिथि श्रीमती गुरबख्श रावत ने वरिष्ठ नागरिकों को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। मुनीश्वर जैन द्वारा प्रायोजित पंक्चूएलिटी पुरस्कार दिए गये। बैठक की समाप्ति पर चैप्टर हेड दीदार सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। मंच संचालन मुनीश्वर जैन द्वारा किया गया।

क्रिकेट अकादमी ऑफ नरवाल ए ने जीता ट्राइसिटी विमेन क्रिकेट टूनार्मेंट का खिताब

चंडीगढ़/पंचकूला। ताऊ देवी लाल स्टेडियम, पंचकूला में खेले गए ट्राइसिटी विमेन क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबले में क्रिकेट अकादमी ऑफ नरवाल ए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्यूचर स्टार वुमन क्रिकेट अकादमी पुंडरी को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्यूचर स्टार वुमन क्रिकेट अकादमी पुंडरी ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 115 रन बनाए। टीम की ओर से महक बनवाला ने 40 रन और ईशु चौधरी ने 29 रनों की अहम पारी खेली। क्रिकेट अकादमी ऑफ नरवाल ए की गेंदबाजी बेहद प्रभावशाली रही। ईशा ने 4 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट हासिल किए, जबकि रीता कश्यप, जानवी बलियान, प्रिया खासा और दिया ने एक-एक विकेट चटकाया। 116 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रिकेट अकादमी ऑफ नरवाल ए की शुरूआत सकारात्मक रही। पलक राणा और एएसबी ने 25-25 रन बनाए, जबकि नमिता सिंह ने नाबाद 28 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। कप्तान सुमन संधू ने 17 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। टीम ने 19.2 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। फ्यूचर स्टार पुंडरी की ओर से ईशा ने दो विकेट लिए, लेकिन उनकी मेहनत टीम को जीत नहीं दिला सकी। इस जीत के साथ क्रिकेट अकादमी ऑफ नरवाल ए ने ट्राइसिटी विमेन क्रिकेट टूनार्मेंट 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर महिला क्रिकेट में अपनी मजबूत दावेदारी साबित की।

गैंगस्टरों ते वार का 117वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 573 स्थानों पर छापेमारी; 279 काबू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य में चल रहे निर्णायक अभियान गैंगस्टरों ते वार के 117वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 573 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू की गई एक निर्णायक मुहिम है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने की थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं।

उन्होंने बताया कि 117वें दिन पुलिस टीमों ने तीन हथियारों सहित 279 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिसके साथ ही अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 29,979 हो गई है।

इसके अलावा 143 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 13 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने आठ भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया।

- **पुलिस टीमों ने 143 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की, 13 को पूछताछ के बाद किया रिहा**
- **लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गोपनीय रूप से गैंगस्टरों के बारे में दे सकते हैं जानकारी**

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गोपनीय रूप से सूचना दे सकते हैं। इसके साथ ही अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं भी साझा की जा सकती हैं।

गुरु अर्जन देव जी के शहीदी समारोह के लिए 10 जून को पाकिस्तान रवाना होगा सिख जत्था

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी समारोह में शामिल होने के लिए सिख श्रद्धालुओं का एक विशेष जत्था 10 जून को पाकिस्तान रवाना होगा। यह समारोह लाहौर स्थित गुरुद्वारा डेरा साहिब में आयोजित किया जाएगा।

इस धार्मिक यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। अब तक करीब 600 श्रद्धालुओं ने वीजा प्रक्रिया के लिए अपने पासपोर्ट जमा करवा दिए हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जत्था पाकिस्तान के ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करेगा, लाहौर में आयोजित शहीदी समारोह में हिस्सा लेगा और 19 जून को भारत वापस लौटेगा। गौरतलब है कि पिछले दिनों नानकशाही कैलेंडर की तारीखों को लेकर हुए विवाद के कारण संगत इस समारोह में शामिल नहीं हो पाई थी। हालांकि इस बार तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है।

जत्थे के आयोजकों को उम्मीद है कि जल्द ही सरकार से मंजूरी मिल जाएगी, जिससे श्रद्धालु बिना किसी रुकावट के पाकिस्तान में स्थित धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकेंगे।

सीएम की योगशाला से आम आदमी क्लीनिकों और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना तक — पंजाब ने हाइपरटेंशन के खिलाफ तैयार किया व्यापक सुरक्षा कवच

साइलेंट किलर हाइपरटेंशन के खिलाफ पंजाब की लड़ाई हुई और मजबूत – रोकथाम, शुरूआती पहचान और कैशलेस इलाज पर दिया गया जोर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आज जब दुनिया भर में विश्व हाइपरटेंशन दिवस मनाया जा रहा है, ऐसे समय में पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना हाइपरटेंशन और इससे जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को सस्ती और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाकर बड़ी राहत प्रदान कर रही है। आमतौर पर हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन कहा जाता है और डॉक्टर इसे अक्सर साइलेंट किलर भी कहते हैं। यह बिना किसी स्पष्ट चेतावनी के स्ट्रोक, हार्ट फेल्योर या किडनी रोग जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। यह बीमारी लगभग हर आयु वर्ग में देखने को मिल रही है।

सभी आयु वर्गों में बढ़ते हाइपरटेंशन के मामलों को ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार द्वारा इस बीमारी की रोकथाम, शुरूआती पहचान और उपचार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जहां सीएम की योगशाला स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दे रही है, वहीं आम आदमी क्लीनिक शुरूआती स्क्रीनिंग सुनिश्चित कर रहे हैं (1 करोड़ लोगों की जांच, 24 लाख उपचाराधीन) और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना कैशलेस इलाज उपलब्ध कराकर स्ट्रोक और हृदय रोगों से बचाने में मदद कर रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार भारत में उच्च रक्तचाप की समस्या तेजी से बढ़ रही है, जिसके मुख्य कारण गलत खानपान, तनाव, तंबाकू का सेवन, शारीरिक गतिविधियों में कमी और अनियमित जीवनशैली हैं। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि बहुत से मरीजों को इस बीमारी का पता तब चलता है जब बीमारी गंभीर रूप ले चुकी होती है। इस बढ़ते स्वास्थ्य संकट के बीच पंजाब की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में सामने आई है। यह योजना हजारों मरीजों को महंगे इलाज के बोझ के बिना हाइपरटेंशन और इससे संबंधित बीमारियों का उपचार उपलब्ध करवा रही है।

इस विश्व हाइपरटेंशन दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल निपटाए गए मामलों की संख्या नहीं, बल्कि उच्च रक्तचाप की रोकथाम और समय पर पहचान पर दिया गया विशेष जोर भी है। पंजाब सरकार ने पूरे राज्य में स्क्रीनिंग, शुरूआती पहचान और उपचार प्रणाली को मजबूत किया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, 990 आम आदमी क्लीनिकों सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की हाइपरटेंशन के लिए नियमित जांच की जा रही है और उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 30 वर्ष से अधिक आयु के 1 करोड़ से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है और 24 लाख लोगों को उपचार के दायरे में लाया गया है। उन्होंने कहा, मासिक फॉलोअप, मुफ्त दवाइयों और समय पर रेफरल के माध्यम से लगातार देखभाल सुनिश्चित की जा रही है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हुई हैं।

इसके साथ-साथ पंजाब सरकार की महत्वपूर्ण पहल सीएम की योगशाला, जिसके तहत 10,600 से अधिक योग कक्षाएं और लगभग 3 लाख प्रतिभागी जुड़े हुए हैं, के माध्यम से योग, तनाव प्रबंधन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि हाइपरटेंशन और जीवनशैली से जुड़ी अन्य बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सके।

- **हाइपरटेंशन की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए भगवंत मान सरकार ने पूरे राज्य में स्क्रीनिंग, रोकथाम और कैशलेस इलाज का किया विस्तार**
- **विश्व हाइपरटेंशन दिवसः पंजाब सरकार ने हाइपरटेंशन की रोकथाम, समय पर पहचान और सस्ते इलाज पर केंद्रित किया ध्यान**
- **पंजाब के स्वास्थ्य नेटवर्क के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक लोगों की हुई स्क्रीनिंग, 24 लाख लोगों को दी गई उपचार सुविधाः डॉ. बलबीर सिंह**

अनियंत्रित ब्लड प्रेशर के कारण होने वाले स्ट्रोक, हृदय रोग संबंधी आपात स्थितियों और किडनी रोगों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत कवर किया जा रहा है, जिससे मानसिक तनाव का सामना कर रहे परिवारों को बड़ी राहत मिल रही है।

पंजाब में अधिकांश मरीज अभी भी मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग वर्ग से संबंधित हैं, जिनमें 40 से 80 वर्ष आयु वर्ग सबसे अधिक प्रभावित है। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार गुरदासपुर में 94 वर्ष तक की आयु के मरीज, जबकि एसएएस नगर में 98 वर्ष तक की आयु के मरीज दर्ज किए गए हैं, जो इस बीमारी की गंभीरता को दर्शाते हैं।

पटियाला, एसएएस नगर, होशियारपुर, जालंधर और फरीदकोट जिलों में पुरुषों और महिलाओं दोनों में बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं।

अमृतसर और लुधियाना के अस्पताल रिकॉर्ड में 50 से 77 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं में मामलों की संख्या अधिक पाई गई है। डॉ. सौरभ शर्मा, जो सरकारी मेडिकल कॉलेज और राजिंदरा अस्पताल में कार्डियोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हैं, ने बताया कि उच्च रक्तचाप अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली हर आयु वर्ग के लिए नई स्वास्थ्य चुनौतियां लेकर आ रही है।

उन्होंने आगे बताया कि अधिकांश हाइपरटेंशन के मामले 40 से 90 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में देखे जाते हैं, लेकिन अब किशोरों तथा बीस और तीस वर्ष की आयु वाले लोगों में भी यह बीमारी सामने आ रही है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि तनाव, खराब खानपान, व्यायाम की कमी और अनियमित दिनचर्या इसके मुख्य कारण हैं, और अब इसकी जटिलताएं पहले की तुलना में कहीं अधिक तेजी से सामने आ रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अब केवल ब्लड प्रेशर ही नहीं बल्कि इससे संबंधित अन्य समस्याएं जैसे स्ट्रोक, हार्ट फेल्योर और किडनी रोग भी पहले से अधिक संख्या में सामने आ रहे हैं।

डॉ. शर्मा के अनुसार मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मरीजों को आर्थिक डर के कारण इलाज टालने से रोकती है। उन्होंने कहा कि उच्च रक्तचाप की आपात स्थिति में देरी कई बार जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन सकती है।

स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता केवल इलाज नहीं, बल्कि समय पर इलाज सुनिश्चित करना है। पहले कई परिवार आर्थिक डर के कारण मरीज को अस्पताल ले जाने में देरी कर देते थे, जो कई बार घातक साबित होती थी। लेकिन अब मरीज समय पर इलाज करवा रहे हैं, जिससे सुधार की संभावना बढ़ी है। मध्यम वर्गीय परिवारों, पेंशनरों और सरकारी कर्मचारियों के लिए यह योजना भारी चिकित्सा खर्चों से सुरक्षा का एक मजबूत सहारा बनी है।

मप्र के रतलाम में राजधानी एक्सप्रेस में सुबह लगी आग, 68 यात्रियों को सुरक्षित निकाला

गार्ड की सतर्कता से टला बड़ा हादसा, दिल्ली-मुंबई रेल यातायात प्रभावित

एजेंसी (हि.स.)
रतलाम (मध्य प्रदेश)

फोटोः हि.स.

केरल के तिरुवनंतपुरम से हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) जा रही राजधानी एक्सप्रेस में रविवार तड़के अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के आलोट क्षेत्र में लूणी रीछा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के बीच हुई। आग ट्रेन के एसी कोच बी-1 में लगी, जिसमें उस समय 68 यात्री सवार थे। घटना सुबह करीब 5:15 से 5:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। ट्रेन संख्या 12431 त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस रतलाम जंक्शन से रात लगभग 3:45 बजे रवाना हुई और उसका अगला ठहराव कोटा जंक्शन था, लेकिन राजस्थान में प्रवेश करने से पहले ही ट्रेन हादसे का शिकार हो गई।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सबसे पहले ट्रेन के गार्ड ने बी-1 कोच से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं। उन्होंने तत्काल लोको पायलट को सूचना दी, जिसके बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को तुरंत रोका गया। इसके बाद रेलवे कर्मचारियों और स्टाफ ने तेजी से कार्रवाई करते हुए करीब 15 मिनट के भीतर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यात्रियों को दूसरे डिब्बों में शिफ्ट किया गया। समय रहते रेस्क्यू होने के कारण किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, पर आग की चपेट में आने से कोच को भारी नुकसान पहुंचा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दो डिब्बे प्रभावित हुए हैं।

सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें सक्रिय हो गईं। रतलाम कंट्रोल रूम को सुबह 5:20 बजे कोटा कंट्रोल से हादसे की सूचना मिली। इसके बाद रतलाम से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी), मेडिकल रिलीफ इकाई (एआरएमई) और टावर वैगन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

यात्रियों के लिए भोजन और वैकल्पिक व्यवस्था

रेलवे प्रशासन ने प्रभावित यात्रियों के लिए तत्काल राहत व्यवस्था भी शुरू की। बी-1 कोच में सफर कर रहे यात्रियों के लिए नाश्ते और पेयजल की व्यवस्था की गई। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को अन्य कोचों में समायोजित कर कोटा तक पहुंचाया जाएगा। वहां से एक अतिरिक्त कोच जोड़कर यात्रियों को आगे दिल्ली तक भेजने की व्यवस्था की जा रही है। रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देने की बात कही है। घटना के कारणों को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन रेलवे अधिकारियों ने प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई है। सीनियर डीसीएम सौरभ जैन ने बताया कि आग लगने के वास्तविक कारणों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल तकनीकी टीम यह पता लगाने में जुटी है कि आग इलेक्ट्रिकल फॉल्ट से लगी या किसी अन्य वजह से हादसा हुआ। रेलवे प्रशासन ने प्रभावित कोच और उसमें रखे सामान के नुकसान का भी आकलन शुरू कर दिया है।

यात्रियों की जुबानी

ट्रेन में मौजूद यात्रियों के बीच कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। कई यात्रियों ने बताया कि अचानक धुआं भरने लगा और लोग घबराकर बाहर निकलने लगे। हालांकि रेलवे स्टाफ की तत्परता के कारण स्थिति जल्द नियंत्रण में आ गई। यात्रियों ने रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता और रेस्क्यू टीम की तेजी की सराहना की। उनका कहना था कि यदि कुछ मिनट की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि ट्रेन संख्या 12431 के बी-1 कोच में आग लगने की सूचना सुबह 5:20 बजे प्राप्त हुई थी। घटना लूणीरिच्छा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के मध्य हुई। उन्होंने स्पष्ट किया कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। राहत और बचाव कार्य समय पर शुरू कर दिया गया था और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। वहीं, रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

नेपाल में चीनी की कमी नहीं होगी, उपभोक्ता चिंता न करें, उद्यमियों के संगठन का दावा और अपील

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

भारत द्वारा चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर नेपाल के चीनी उद्योग संघ ने दावा किया है कि नेपाल में चीनी की कमी नहीं होगी। संघ ने आज एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि देश में पर्याप्त मात्रा में चीनी का भंडार मौजूद है। संघ ने अपील की है कि उपभोक्ता चिंता न करें।

चीनी उद्योग संघ के अनुसार, चालू सीजन में संचालित 13 चीनी उद्योगों से करीब 1 लाख 90 हजार 870 टन चीनी का उत्पादन हुआ है। इनमें से 28 वैशाख तक के आंकड़ों के अनुसार उद्योगों के पास अभी भी 1 लाख 8 हजार टन चीनी का भंडार मौजूद है। उद्योगपतियों के भंडार के अलावा बाजार में व्यवसायियों के पास करीब 20 हजार टन तथा चालू आर्थिक वर्ष में आयात की गई लगभग 60 से 70 हजार टन चीनी भी उपलब्ध है। संघ ने कहा कि खुली सीमा से भी चीनी का आयात जारी है, इसलिए अगले क्रसिंग सीजन तक नेपाल में चीनी की उपलब्धता पर्याप्त रहने का दावा किया गया है।

संघ ने स्पष्ट किया कि चीनी की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारण फिलहाल फैक्टरी स्तर पर चीनी की कीमतों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है, देश में पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध और भंडारित होने के कारण तत्काल फैक्टरी स्तर पर कीमत नहीं बढ़ेगी। भारत के निर्यात प्रतिबंध के कारण बाजार में कृत्रिम कमी पैदा होने की आशंका जताते हुए संघ ने संबंधित पक्षों से अनावश्यक रूप से चीनी का भंडारण न करने और न करवाने की भी अपील की है।

नेपाल के प्रधानमंत्री शाह का अगले डेढ़ माह तक संसद में संबोधन का कोई कार्यक्रम तय नहीं

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का अगले डेढ़ माह तक संसद में संशोधन का कोई कार्यक्रम तय नहीं है। आज सार्वजनिक किए गए संसदीय कैलेंडर में शाह के संसद में बोलने या सांसदों के सवाल का जवाब देने का कोई कार्यक्रम शामिल नहीं है। संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा का आगामी 30 जून तक का कैलेंडर सार्वजनिक किया गया। संसद सचिवालय के अनुसार प्रतिनिधि सभा नियमावली के अनुसार यह कैलेंडर जारी किया गया है। इस नियमावली में प्रत्येक महीने के पहले सप्ताह के एक दिन प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर कार्यक्रम आयोजित करने का प्रावधान है। नियमावली के नियम 56 में कहा गया है, प्रधानमंत्री या उनके कार्यक्षेत्र से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर प्रश्न पूछने के लिए स्पीकर प्रत्येक महीने के पहले सप्ताह के किसी एक दिन की बैठक के पहले एक घंटे का समय निर्धारित करेंगे। इस नियम के अनुसार अब तक सभी प्रधानमंत्रियों ने कम से कम एक घंटे तक सांसदों के सवालों के जवाब दिए हैं। लेकिन इस बार प्रतिनिधि सभा द्वारा जारी संसदीय कैलेंडर में प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर कार्यक्रम नहीं रखा गया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह पर संसद में नहीं बोलने, संसद के प्रति उत्तरदायी न होने का आरोप लग रहा है।

कैलाश मानसरोवर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्री पहुंचने लगे नेपाल

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

भारत से कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाली तीर्थयात्रियों का नेपाल आगमन शुरू हो गया है। पिछले चार दिनों में 169 तीर्थयात्रियों ने नेपाल के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा में जाने के लिए पंजीकरण कराया है। तीर्थयात्री पश्चिमी नेपाल के नेपालगंज से सिमकोट और वहां से हिल्सा तक हवाई मार्ग से पहुंच रहे हैं। हिल्सा को चीन स्थित कैलाश मानसरोवर यात्रा का प्रवेश द्वार माना जाता है।

सिमकोट एयरपोर्ट प्रमुख महेन्द्र सिंह के अनुसार, 14 मई से अब तक 169 भारतीय नागरिक और 22 अन्य देशों के नागरिक पहुंचे हैं। खराब मौसम के बावजूद शनिवार को समिट एयर की तीन उड़ानों के जरिए 47 तीर्थयात्री सिमकोट पहुंचे। रविवार को मौसम में सुधार होने के साथ तीर्थयात्रियों को सिमकोट ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आवश्यक अनुमति पत्र (परमिट) न होने के कारण कुछ विदेशी यात्री कैलाश मानसरोवर की आगे की यात्रा जारी नहीं रख सके जिसके कारण इन सबको वापस भेज दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में तीर्थयात्रियों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। कोविड-19 प्रतिबंधों के बाद हिल्सा मार्ग दोबारा खुलने से यात्रा को लेकर लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है। पिछले वर्ष चीन द्वारा मार्ग खोले जाने के बाद लगभग 6,500 भारतीय तीर्थयात्रियों ने इस रास्ते से कैलाश मानसरोवर तक की यात्रा की थी। इस वर्ष 14 मई से तीर्थयात्रा सीजन की शुरूआत हुई है।

नेपाल के कामिरिता शेरपा ने 32वीं बार एवरेस्ट के सफल आरोहण का विश्व कीर्तिमान बनाया

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल के पर्वतारोही कामिरिता शेरपा ने 32वीं बार सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट (सगरमाथा) के शिखर पर चढ़ाई कर विश्व कीर्तिमान बनाया। 56 वर्षीय कामिरिता ने आज सुबह 10:12 बजे दुनिया की सबसे ऊंची चोटी सगरमाथा का सफल आरोहण किया। सेवेन समिट ट्रेक्स कंपनी ने यह जानकारी दी। कामिरिता 'एवरेस्ट मैन' के नाम से प्रसिद्ध हैं। सबसे अधिक बार सगरमाथा पर चढ़ाई करने का विश्व रिकॉर्ड उनके ही नाम दर्ज है।

सेवेन समिट ट्रेक्स ने फेसबुक पर लिखा, 32वीं बार सफल आरोहण के बाद कामिरिता और उनकी टीम फिलहाल बेस कैंप की ओर लौट रही है। उनके सुरक्षित अवतरण की कामना करते हुए काठमांडू में भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है। सन 1994 से सगरमाथा आरोहण यात्रा शुरू करने वाले कामिरिता ने 2026 तक पर्वतारोहण के क्षेत्र में अद्वितीय और अतुलनीय सफलता हासिल कर ली है। उन्हें केवल नेपाल का राष्ट्रीय गौरव ही नहीं, बल्कि विश्व पर्वतारोहण समुदाय के एक श्रेष्ठ प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है। इसी तरह 'माउंटेन क्वीन' के नाम से प्रसिद्ध लाक्पा शेरपाा ने आज सुबह 9:30 बजे 11वीं बार सगरमाथा का आरोहण करते हुए महिला पर्वतारोहियों में सबसे अधिक बार एवरेस्ट फतह करने का विश्व रिकॉर्ड कायम किया। यह जानकारी पर्यटन विभाग के निदेशक हिमाल गौतम ने दी। सन 1973 में संखुवासभा के मकालु-2 में जन्मी लाक्पा ने नेपाल के पर्वतारोहण इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

संक्षिप्त-समाचार

फेसबुक पर कारोबारी व ठेकेदार बनकर युवती से हड़पे 10 लाख रुपये, गिरफ्तार

बरपेटा (असम)। असम में ऑनलाइन ठगी का एक और मामला सामने आया है। कभी खुद को प्रतिष्ठित कारोबारी, तो कभी ठेकेदार अथवा अधिकारी बताकर सोशल मीडिया पर लोगों को जाल में फंसाने वाले एक कथित ठग को बरपेटा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान धर्मेश्वर राय उर्फ जीतू राय के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने फेसबुक पर फर्जी पहचान बनाकर एक युवती से संपर्क स्थापित किया और धीरे-धीरे विश्वास जीतने के बाद विभिन्न बहानों से उससे करीब 10 लाख रुपये ठग लिये। मामले की शिकायत मिलने के बाद बरपेटा पुलिस ने जांच शुरू की और अभियान चलाकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि धर्मेश्वर राय के खिलाफ राज्य के विभिन्न थानों में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत 22 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपित लंबे समय से सोशल मीडिया पर अलग-अलग फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

बीजापुर में आकाशीय बिजली गिरने से 10 मवेशियों की मौत

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक की ग्राम पंचायत पोंदुम में शनिवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से 10 मवेशियों की मौत हो गई। देर रात तेज बारिश और गरज-चमक के बीच मवेशी एक स्थान पर बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक बिजली गिरी, जिससे मौके पर ही सभी 10 मवेशियों ने दम तोड़ दिया। सुबह ग्रामीणों ने मृत मवेशियों को देखा और इसकी सूचना पंचायत प्रतिनिधियों और प्रशासन को दी। ग्रामीणों ने बताया कि एक साथ इतने मवेशियों की मौत से पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। जिन ग्रामीणों के मवेशियों की मौत हुई है, उनमें लक्ष्मण हपका, बुधराम हपका, दशरथ बघेल, सोमी पिंकी बघेल, कुंवर हपका, आसमती हपका और मुन्नू हेमला जैसे पशुपालक शामिल हैं। मृत मवेशियों में बैल और बछड़े बताए गए हैं।

जामताड़ा के शिव मंदिर में मां पार्वती की प्रतिमा खंडित, इलाके में तनाव

जामताड़ा। जामताड़ा थाना क्षेत्र के गांधी मैदान स्थित शिव मंदिर में रविवार सुबह उस समय तनाव फैल गया जब श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में मां पार्वती की प्रतिमा को खंडित अवस्था में पाया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और आक्रोश व्यक्त किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह नियमित पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर मंदिर में स्थापित मां पार्वती की प्रतिमा पर पड़ी। प्रतिमा के दोनों ओर गंभीर क्षति के निशान थे और उसका सिर/गर्दन टूटा हुआ मिला। यह दृश्य देखकर श्रद्धालु और स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिमा को जिस तरह नुकसान पहुंचाया गया है, उससे यह आशंका मजबूत होती है कि यह किसी शरारती तत्व द्वारा जानबूझकर की गई हरकत है। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया और लोगों ने दोषियों की जल्द पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की हर पहलू से गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा सके और जल्द कार्रवाई की जा सके। फिलहाल पुलिस क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील कर रही है और मामले की जांच जारी है।

मणिपुर में केसीपी उग्रवादी गिरफ्तार, हेरोइन के साथ दो तस्कर भी दबोचे गये

इम्फाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में चलाए गए विभिन्न अभियानों में दो कथित मादक पदार्थ तस्करों तथा प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (अपुनबा) के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस द्वारा रविवार को दी गई जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के हियांगलाम थाना क्षेत्र स्थित पोल स्टार कॉलेज के निकट अभियान चलाकर इम्फाल ईस्ट जिले के कैरंग मयाई लेइकाई निवासी मोहम्मद सलीम (31) तथा मोहम्मद नवाब (32) को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 13 साबुनदानी में छिपाकर रखा गया संदिग्ध हेरोइन ब्राउन शुगर बरामद किया गया, जिसका वजन लगभग 147 ग्राम बताया गया है। इसके अलावा एक चारपहिया वाहन तथा 52 हजार नकद भी जब्त किए गए। इसी दिन सुरक्षा बलों ने एक अन्य अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (अपुनबा) के सक्रिय सदस्य रेक्स थौदम उर्फ मचाटोम्बी (23) को भी गिरफ्तार किया। उसे इंफाल वेस्ट जिले के सिंगजामेई थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। गिरफ्तार उग्रवादी मूल रूप से इंफाल ईस्ट जिले के पैलेस कंपाउंड हेइजिंगांग रोड का निवासी है और वर्तमान में काकवा नाओरेम लेइकाई में रह रहा था।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

एजेंसी (हि.स.)
मालदा

पश्चिम बंगाल सरकार के निर्देश के बाद मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश की खुली सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शनिवार को हबीबपुर ब्लॉक के भवानीपुर और आग्रा हरिश्चंद्रपुर इलाके में भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में जमीन के दस्तावेजों की जांच कर मापने का काम शुरू किया।

अधिकारियों ने बताया कि मालदा जिले के छह थाना क्षेत्रों में भारत-बांग्लादेश सीमा की कुल लंबाई लगभग 172 किलोमीटर है। इनमें से करीब 33 किलोमीटर सीमा अब भी खुली है। सबसे अधिक खुली सीमा हबीबपुर ब्लॉक में है, जहां 20 से 25 किलोमीटर क्षेत्र में अभी तक कंटीले तार नहीं लगाए गए हैं। जिले में सीमा सुरक्षा के लिए कंटीले तार लगाने हेतु लगभग 260 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, अब तक 10 एकड़ जमीन अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है। शुक्रवार को मालदा जिलाधिकारी कार्यालय में सीमा सुरक्षा बल और जिला प्रशासन के बीच इस मुद्दे पर एक आपात बैठक भी हुई थी। उसी बैठक के बाद भूमि एवं भूमि सुधार विभाग ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी। सीमावर्ती किसानों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया है। किसानों का कहना है कि पूर्व में तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय कई बार जमीन अधिग्रहण के नाम पर मापजोख की गई, लेकिन वास्तविक काम आगे नहीं बढ़ा। किसानों का आरोप है कि सीमा खुली रहने के कारण बांग्लादेशी अपराधियों द्वारा फसलों की लूटपाट की घटनाएं होती रही हैं। उनका मानना है कि कंटीले तार लगने के बाद ऐसी घटनाओं पर रोक लगेगी। हबीबपुर ब्लॉक के भूमि एवं भूमि सुधार अधिकारी स्वपन तरफदार ने कहा कि विभागीय कर्मचारी किसानों से जमीन से संबंधित दस्तावेज एकत्र कर रहे हैं और जमीन की मापजोक शुरू हो चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि निर्धारित समयसीमा के भीतर अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

इस मुद्दे पर जुएल मुर्मू ने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार के कार्यकाल में सीमा पर कंटीले तार लगाने में बाधाएं खड़ी की गई थीं। उन्होंने कहा कि वोटबैंक की राजनीति के कारण उस समय परियोजना को आगे नहीं बढ़ने दिया गया। उन्होंने दावा किया कि अब पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार आने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जमीन अधिग्रहण का काम शुरू हुआ है।

नागपुर मेट्रो बनी 'चलता-फिरता पावर हाउस'

एजेंसी (हि.स.)
नागपुर

नागपुर में महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (नागपुर मेट्रो) ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव पहल शुरू की है। आधुनिक सार्वजनिक परिवहन का माध्यम मानी जाने वाली नागपुर मेट्रो अब चलता-फिरता पावर हाउस बन गई है। मेट्रो ट्रैक के बीच की जगह और पिलर्स पर सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन करने वाली यह महाराष्ट्र की पहली मेट्रो प्रणाली बन गई है।

नागपुर मेट्रो के वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार) अखिलेश हलवे के अनुसार, इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बड़ा लाभ मिलेगा। केवल 50 किलोवॉट पीक (केडब्ल्यूपी) क्षमता वाले सौर प्रकल्प से हर साल लगभग 64 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी। यह लगभग 2961 पूर्ण विकसित पेड़ों के बराबर माना जा रहा है। भारत के अन्य मेट्रो प्रोजेक्ट्स में जहां स्टेशनों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जाते हैं, वहीं रेल ट्रैक के बीच की जगह का प्रभावी उपयोग करने वाली नागपुर मेट्रो देश की पहली परियोजना बन गई है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने भले ही स्टेशनों और डिपो पर सौर ऊर्जा प्रकल्प स्थापित किए हों, लेकिन ट्रैक-माउंटेड सोलर सिस्टम को सफलतापूर्वक लागू करने में नागपुर ने अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रबंधन के दावे के अनुसार, ट्रैक के बीच सोलर पैनल लगाकर मेट्रो संचालन करने वाली यह दुनिया की पहली प्रणाली है। इस परियोजना को इंडो-जर्मन सोलर को-ऑपरेशन के तहत जर्मनी से लगभग 200 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है। इसके कारण नागपुर मेट्रो को अपनी ओर से कोई पूंजी खर्च नहीं करनी पड़ी। जीरो इन्वेस्टमेंट मॉडल के रूप में यह परियोजना विशेष चर्चा में है। मेट्रो की कुल बिजली आवश्यकता का 50 से 65 प्रतिशत हिस्सा सौर ऊर्जा से प्राप्त करने का लक्ष्य तय किया गया है।

पांच राज्यों में मकानों की गणना का फील्ड कार्य शुरू 1.44 करोड़ से अधिक परिवारों ने की स्व-गणना

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

Ministry of Home Affairs
Government of India
सत्यमेव जयते

देशव्यापी जनगणना 2027 की दिशा के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) का फील्ड कार्य पांच प्रमुख राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू हो गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार इसमें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) क्षेत्र, राजस्थान, मेघालय, महाराष्ट्र और झारखंड शामिल हैं। दूसरी ओर, डिजिटल जनगणना के तहत शुरू की गई स्व-गणना सुविधा को जनता की बेहतर प्रतिक्रिया मिल रही हैं और अब तक 25 राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में 1.44 करोड़ से अधिक परिवार अपनी स्व-गणना पूरी कर चुके हैं।

आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव मे घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण किया जा रहा है। आज से गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पुडुचेरी में भी स्व-गणना की सुविधा शुरू हो गई है। इन क्षेत्रों के निवासी 31 मई 2026 तक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से खुद को पंजीकृत कर सकते हैं। इसके बाद, यहां 1 जून से 30 जून 2026 तक फील्ड कार्य चलाया जाएगा। उत्तर प्रदेश में भी स्व-गणना की प्रक्रिया चालू है जो 21 मई तक चलेगी, जिसके तुरंत बाद 22 मई से 20 जून 2026 तक जमीनी स्तर पर मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। इससे पहले, 16 अप्रैल से 15 मई 2026 के बीच अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम के साथ-साथ दिल्ली के एनडीएमसी (नई दिल्ली नगरपालिका परिषद) तथा दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड क्षेत्रों में मकानसूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। इतिहास में पहली बार यह जनगणना पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों और मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग से की जा रही है।

इतिहास

पोखरण में परमाणु परीक्षण

भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में नई पहचान दिलाई

एजेंसी (हि.स.)

फोटोः हि.स.

जब पोखरण में परमाणु परीक्षण ने इतिहास के पन्नों में 18 मई का दिन भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमता के प्रतीक के रूप में दर्ज है। वर्ष 1974 में इसी दिन भारत ने राजस्थान के पोखरण में अपना पहला सफल भूमिगत परमाणु परीक्षण कर दुनिया को अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया था। इस उपलब्धि ने भारत को परमाणु क्षमता रखने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया।

यह परीक्षण 'स्माइलिंग बुद्धा' नाम से जाना गया। इसकी खास बात यह थी कि उस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य देशों के अलावा किसी अन्य देश ने इस स्तर का परमाणु परीक्षण नहीं किया था। भारत का यह कदम वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया। इस परमाणु कार्यक्रम की आधारशिला वर्ष 1972 में रखी गई थी। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिर गांधी ने भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर (बार्क) का दौरा किया था। इसी दौरान वैज्ञानिकों के साथ चर्चा में परमाणु परीक्षण की योजना को आगे बढ़ाने की सहमति बनी। इसके बाद भारतीय वैज्ञानिकों ने अत्यंत गोपनीय तरीके से इस परियोजना पर काम शुरू किया। राजस्थान के पोखरण में किए गए इस परीक्षण ने दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा। उस दौर में यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि इससे भारत की रणनीतिक स्थिति भी मजबूत हुई। हालांकि इस परीक्षण के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं और भारत को कुछ तकनीकी एवं कूटनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

इसके बावजूद यह उपलब्धि भारतीय विज्ञान के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुई। बाद में वर्ष 1998 में भारत ने पोखरण में ही एक और श्रृंखला के परमाणु परीक्षण कर अपनी क्षमता को और मजबूती से दुनिया के सामने रखा। 18 मई आज भी भारत की वैज्ञानिक दूरदृष्टि, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय शक्ति के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है।

जन्म

1682 - शाहू - छत्रपति शिवाजी का पौत्र तथा शम्भुजी और येसूबाई का पुत्र था। 1881 - राम लिंगम चेट्टियार - एक वकील, राजनीतिज्ञ और संविधान सभा के सदस्य थे। 1914 - एस. जगन्नाथन - भारतीय रिजर्व बैंक के दसवें गवर्नर थे। 1933 - एच डी देवगौड़ा - भारत के बारहवें प्रधानमंत्री 1939 - सुधीर रंजन मजूमदार - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे। 1948 - थावर चंद गहलोत - भारतीय राजनेता हैं। 1951 - जगदीप धनखड़ - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं। 1959 - फग्गन सिंह कुलस्ते - भारतीय जनता पार्टी से संबद्ध राजनीतिज्ञ हैं। 1961 - अनिल चौहान - भारत के दूसरे 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' हैं।

निधन

1934 - मुकुन्द दास - भारतीय बांग्ला भाषा के कवि, गीतकार, संगीतकार और देशभक्त थे। 1966 - पंचानन माहेश्वरी - भारत के सुप्रसिद्ध वनस्पति विज्ञानी। 2009 - कृष्ण पट्टाभि जोइस - प्रसिद्ध भारतीय योगाचार्य थे। 2012 - जय गुरुदेव - प्रसिद्ध धार्मिक गुरु। 2017 - अनिल माधब दवे - भारत सरकार में पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री थे। 2017 - रीमा लागू - हिन्दी फिल्मों की शानदार अभिनेत्री थीं।

महत्वपूर्ण अवसर

पोखरण परमाणु विस्फोट दिवस (1974)। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1848 - जर्मनी में पहली नेशनल एसेंबली का उद्घाटन हुआ। 1912 - पहली भारतीय फीचर लेंथ फिल्म श्री पुंडालिक रिलीज। 1950 - उत्तरी एटलांटिक संधि पर हस्ताक्षर करने के एक साल बाद इसी दिन विश्व के 12 देशों ने अमरीका और यूरोप की रक्षा के लिए एक स्थाई संगठन पर सहमति दी थी। 1974 - राजस्थान के पोखरण में अपना पहला भूमिगत परमाणु बम परीक्षण करके भारत परमाणु शक्ति संपन्न देशों की कतार में शामिल हो गया। 1991 - चॉकलेट कंपनी में कैमिस्ट के तौर पर काम करने वाली 27 वर्षीय हेलेन ने ब्रिटेन की पहली अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सोवियत सोयूज यान से उड़ान भरी। उन्हें एक पहेली का जवाब देने पर यह मौका दिया गया। 1994 - संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1995 'सं.रा. सहिष्णुता वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया। 1994 - गाजा पट्टी क्षेत्र से अन्तिम इस्रायली सैनिक टुकड़ी हटाये जाने के साथ ही क्षेत्र पर फि लिस्तीनी स्वायत्तशासी शासन पूर्णतः लागू। 2004 - इजराइल के राफा विस्थापित कैम्प में इस्रायली सैनिकों ने 19 फि लिस्तीनियों को मौत के घाट उतारा। 2006 - नेपाल नरेश को कर के दायरे में लाया गया। 2007 - कजाकिस्तान के राष्ट्रपति नूर सुल्तान नजर वायेव का कार्यकाल असीमित समय के लिए बढ़ा। 2008 - पार्श्वगायक नितिन मुकेश को मध्य प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण से सम्मानित किया। 2008 - भारतीय मूल के लेखक इन्द्रा सिन्हा को उनकी किताब एनिमल पीपुल हेतु कामनवेल्थ सम्मान प्रदान किया गया। 2009 : श्रीलंका सरकार ने 25 साल से तमिल विद्रोहियों के साथ हो रही जंग के खत्म होने का एलान किया। सेना ने देश के उत्तरी हिस्से पर कब्जा किया और लिट्टे प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरन को मार गिराया।

आईपीएल 2026: कैच छोड़ना पड़ा भारी हम मैच जीतने के हकदार नहीं थे: गिल

कहा जब मैदान पर लगातार कैच ड्रॉप होते हैं, तो गेंदबाजों के लिए स्थितियां बेहद मुश्किल हो जाती हैं

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हाथों मिली शिकस्त के बाद अपनी टीम के लचर क्षेत्ररक्षण (फील्डिंग) पर गहरी निराशा जताई है। गिल ने साफ शब्दों में स्वीकार किया कि मैच के दौरान कई महत्वपूर्ण कैच छोड़ना टीम को बेहद भारी पड़ा और इसी खराब प्रदर्शन के कारण उनकी टीम जीत की हकदार नहीं थी। गौरतलब है कि केकेआर ने गुजरात टाइटन्स की इन गलतियों का पूरा फायदा उठाते हुए इस मुकाबले को 29 रनों से अपने नाम किया और प्लेऑफ की रेस में खुद को बनाए रखा।

मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में बातचीत करते हुए कप्तान शुभमन गिल ने पिच और रणनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ईडन गार्डन्स की विकेट को देखते हुए 200 से 210 रन का स्कोर इस पिच पर एक चुनौतीपूर्ण और पार स्कोर (औसत स्कोर) लग रहा था। गिल ने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा कि जब मैदान पर लगातार कैच ड्रॉप होते हैं, तो गेंदबाजों के लिए स्थितियां बेहद मुश्किल हो जाती हैं और विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाना नामुमकिन हो जाता है। पिच के मिजाज को लेकर गिल ने कहा कि सतह बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, हालांकि बीच-बीच में कुछ गेंदें रुककर आ रही थीं। उन्होंने अपनी टीम के बल्लेबाजी प्रयास को सराहते हुए कहा कि लक्ष्य का पीछा करते हुए खिलाड़ी जहां तक पहुंचे, वह एक बेहतरीन और जुझारू प्रयास था। हालांकि, गिल ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस समय फील्डिंग उनके लिए सबसे बड़ा चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि टीम में किसी अन्य विभाग को लेकर कोई परेशानी नहीं है, लेकिन फील्डिंग के स्तर में सुधार की सख्त जरूरत है। मैच का टर्निंग पॉइंट बताते हुए गिल ने कहा कि टीम ने तीन बेहद आसान कैच टपकाए, जिसने मैच का पासा पूरी तरह पलट दिया।

केकेआर को सही संयोजन तय करने में थोड़ा ज्यादा समय लग गया: कैमरन ग्रीन

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने स्वीकार किया है कि तीन बार की आईपीएल चैंपियन केकेआर को इस सीजन में अपना सही टीम संयोजन तैयार करने में काफी समय लग गया। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम ने अब सही समय पर अच्छी वापसी की है और खुद को प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती से बनाए रखा है। केकेआर ने शनिवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में अंक तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस को हराकर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है। इस सीजन में टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी, लेकिन पिछले कुछ मैचों में उसने शानदार खेल दिखाया है। ग्रीन ने जिओहॉटस्टार से बातचीत के दौरान कहा कि शुरूआती झटकों के बावजूद टीम के अंदर किसी तरह की बेचैनी या घबराहट का माहौल नहीं था। उन्होंने माना कि खिलाड़ियों की सही भूमिका और बल्लेबाजी क्रम में उनके सटीक स्थान को तय करने में प्रबंधन को थोड़ा ज्यादा वक्त लग गया, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। अपनी भूमिका को लेकर ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज ऑलराउंडर ने साफ किया कि वह टीम की जरूरत के हिसाब से किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने के लिए सक्षम हैं। उन्होंने टीम के साथी खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा कि अजिंक्य रहाणे ने शीर्ष क्रम में बेहतरीन खेल दिखाया है, और यही बात युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर भी लागू होती है जिन्होंने नंबर तीन पर शानदार जिम्मेदारी निभाई है।

इटालियन ओपन: कोको गॉफ को हराकर एलिना स्वितोलिना ने तीसरी बार जीता खिताब

- पुरुष वर्ग के फाइनल में भिड़ेंगे सिनर और रूड

एजेंसी (हि.स.)

रोम

यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने तीन सेट तक चले एक बेहद कड़े और रोमांचक मुकाबले में अमेरिका की कोको गॉफ को मात देकर तीसरी बार इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। लगभग तीन घंटे तक चले इस मैराथन फाइनल मुकाबले में स्वितोलिना ने गॉफ को 6-4, 6-7 (3), 6-2 से शिकस्त दी। साल 2018 में इटालियन ओपन जीतने के बाद स्वितोलिना का यह पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब है। इससे पहले उन्होंने साल 2017 में भी रोम की इस लाल बजरी पर खिताबी जीत हासिल की थी।

अपने करियर की 20वीं ट्रॉफी जीतने के बाद भावुक हुईं स्वितोलिना ने कहा कि यह विश्वास करना बेहद मुश्किल है कि इस प्रतिष्ठित कोर्ट पर पहली बार ट्रॉफी उठाने के आठ साल बीत चुके हैं, और वह यहां बिताए गए पिछले दो हफ्तों के अपने शानदार प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी सनसनी कोको गॉफ लगातार दूसरे साल फाइनल की बाधा पार करने में नाकाम रहीं।

पिछले साल गॉफ को फाइनल में जैस्मीन पाओलिनी से हार का सामना करना पड़ा था, हालांकि उस हार के बाद उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था।इस बीच, पुरुष वर्ग के खिताबी मुकाबले की तस्वीर भी पूरी तरह साफ हो चुकी है, जहां फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और घरेलू स्टार यानिक सिनर का सामना कैस्पर रूड से होगा। इटली के सिनर ने सेमीफाइनल के एक बेहद कड़े मुकाबले में रूस के दानिल मेदवेदेव को 6-2, 5-7, 6-4 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। सिनर अब टेनिस इतिहास के महान खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के बाद सभी नौ मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले दुनिया के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। जोकोविच ने अपने करियर में प्रत्येक मास्टर्स टूर्नामेंट को कम से कम दो बार जीता है। फाइनल में सिनर की टक्कर नॉर्वे के कैस्पर रूड से होगी, जिन्होंने शुक्रवार को खेले गए एकतरफा सेमीफाइनल में लुसियानो डाडेरी को 6-1, 6-1 से करारी शिकस्त दी थी।

एशियाई चैंपियंस लीग: गांबा ओसाका से हारा अल नासर, रोनाल्डो का ट्रॉफी का इंतजार बढ़ा

एजेंसी (हि.स.)

रियाद (सऊदी अरब)

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सऊदी अरब की धरती पर अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया। शनिवार को खेले गए एशियाई चैंपियंस लीग टू (अउछे 2) के खिताबी मुकाबले में रोनाल्डो के क्लब अल नासर को जापान के गांबा ओसाका के हाथों 1-0 से करीबी हार का सामना करना पड़ा।इस हार के साथ ही अल नासर टूर्नामेंट में उपविजेता बनकर रह गया।

जापानी क्लब गांबा ओसाका की इस ऐतिहासिक जीत में तुर्की के फॉरवर्ड डेनिज हम्मात ने अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने पहले हाफ में शानदार गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो अंत में निर्णायक साबित हुई।हालांकि, पूरे मैच के दौरान रोनाल्डो की टीम अल नासर ने गेंद पर अपना नियंत्रण और दबदबा बनाए रखा, लेकिन गांबा ओसाका के मजबूत डिफेंस को भेदकर वे गोल करने में पूरी तरह नाकाम रहे। दिसंबर 2022 में सऊदी क्लब का हिस्सा बने रोनाल्डो के लिए पिछला एक हफ्ता बेहद निराशाजनक रहा है। इस फाइनल से महज पांच दिन पहले अल नासर की टीम साल 2019 के बाद पहली बार सऊदी प्रो लीग का खिताब जीतने के बिल्कुल करीब खड़ी थी, लेकिन स्टॉपेज टाइम के आखिरी पलों में हुए एक आत्मघाती गोल (ओन गोल) की वजह से मैच हाथ से निकल गया। अब सऊदी प्रो लीग के चैंपियन का फैसला गुरुवार को होने वाले अंतिम चरण के मैचों से होगा। गांबा ओसाका के खिलाफ फाइनल मैच में भी हाफ टाइम से ठीक पहले रोनाल्डो बराबरी का गोल करने के बेहद करीब पहुंचे थे, लेकिन स्टार खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स के बेहतरीन क्रॉस पर लगाया गया उनका नजदीकी हेडर गोल पोस्ट से चूक गया।

खुद पर दबाव बनाने से मैं खोखला इंसान बन गया था, अब खेल का आनंद ले रहा हूँ: फिन एलन

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार बल्लेबाज फिन एलन ने एक बड़ा और भावुक खुलासा करते हुए कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरूआती दौर में उन्होंने खुद पर प्रदर्शन करने का इतना ज्यादा दबाव डाल दिया था कि वह भीतर से एक 'खोखला' इंसान बन गए थे। हालांकि, न्यूजीलैंड के इस आक्रामक बल्लेबाज ने साफ किया कि अब वह इस मानसिक दबाव से पूरी तरह उबर चुके हैं और मैदान पर अपने खेल का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। गौरतलब है कि फिन एलन ने आईपीएल से ठीक पहले कोलकाता में ही खेले गए टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महज 33 गेंदों में नाबाद 100 रनों की ऐतिहासिक तूफानी पारी खेली थी। इस अविश्वसनीय प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उनसे उम्मीदें काफी बढ़ गई थीं, लेकिन वह शुरूआती पांच पारियों में केवल 81 रन ही बना सके। लगातार फ्लॉप होने के कारण केकेआर प्रबंधन ने उन्हें गुजरात टाइटन्स, राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ लगातार तीन मैचों के लिए प्लेइंग इलेवन (अंतिम एकादश) से बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

बुंडेसलिगा: बायर्न म्यूनिख ने बनाया एक सीजन में सर्वाधिक 122 गोल का ऐतिहासिक रिकॉर्ड

एजेंसी (हि.स.)

म्यूनिख

जर्मन फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख ने बुंडेसलिगा में एक नया इतिहास रच दिया है। टीम ने एक ही सीजन में सबसे ज्यादा 122 गोल दागने का सर्वकालिक नया रिकॉर्ड बनाते हुए जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलिगा का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया है। बायर्न ने अपने इस स्वर्णिम अभियान का अंत कोलोन के खिलाफ 5-1 की धमाकेदार और एकतरफा जीत के साथ किया।

इस अंतिम मुकाबले में बायर्न म्यूनिख की खिताबी जीत के हीरो स्टार स्ट्राइकर हैरी केन रहे, जिन्होंने इस सीजन की अपनी चौथी हैट्रिक लगाकर विपक्षी टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। केन के अलावा टीम की तरफ से टॉम बिशोफ और निकोलस जैक्सन ने भी एक-एक गोल दागे। इस शानदार हैट्रिक की मदद से हैरी केन ने इस सीजन में अपने कुल गोलों की संख्या 36 पर पहुंचा दी है। हालांकि, वह रॉबर्ट लेवांडोव्स्की द्वारा साल 2020-21 में बनाए गए 41 गोलों के लीग रिकॉर्ड को तोड़ने से महज पांच गोल पीछे रह गए।

बुंडेसलिगा के एक सीजन में सबसे ज्यादा गोल दागने का रिकॉर्ड इससे पहले भी बायर्न म्यूनिख के ही नाम दर्ज था। टीम ने करीब 54 साल पहले यानी 1971-72 के सीजन में कुल 101 गोल दागे थे। उस दौर में महान फुटबॉलर फ्रांज बेकेनबॉयर और गेर्ड मुलर जैसे दिग्गज खिलाड़ी बायर्न म्यूनिख की टीम का हिस्सा हुआ करते थे। अब इस मौजूदा टीम ने उस ऐतिहासिक रिकॉर्ड को बहुत पीछे छोड़ते हुए 122 गोल का एक ऐसा नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है, जिसे तोड़ पाना भविष्य में किसी भी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती होगा।

अमुंडी जर्मन मास्टर्स: तीसरे दौर में पिछड़ीं अवनि प्रशांत, प्रणवी उर्स टूर्नामेंट से बाहर

हैम्बर्ग (जर्मनी)। भारत की उभरती हुई गोल्फर अवनि प्रशांत को लेडीज यूरोपियन टूर के अमुंडी जर्मन मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। यहां के चुनौतीपूर्ण कोर्स पर तीसरे दिन अवनि ने 81 का स्कोर बनाया, जिसके कारण लीडरबोर्ड में उनकी स्थिति काफी कमजोर हो गई है और वह काफी नीचे खिसक गई हैं। अब उनका कुल स्कोर नौ ओवर पर पहुंच गया है, जिससे अंतिम दिन उनके सामने अपनी रैंकिंग सुधारने की बड़ी चुनौती होगी। अवनि के लिए इस टूर्नामेंट का सफर अब तक काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उन्होंने पहले दौर में 78 के स्कोर के साथ बेहद धीमी शुरूआत की थी, लेकिन दूसरे दौर में शानदार वापसी करते हुए चार अंडर 69 का बेहतरीन स्कोर बनाया था। इसी शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने आसानी से कट हासिल कर लिया था और भारतीय खेमे की उम्मीदें जगाई थीं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अवनि कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही हैं। उनके अलावा भारत की कोई भी गोल्फर अगले दौर में जगह नहीं बना सकी। प्रणवी उर्स खराब प्रदर्शन के कारण कट में जगह बनाने से चूक गईं और टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

सुपर शतरंज क्लासिक: जर्मन ग्रैंडमास्टर विन्सेंट कीमर से ड्रॉ खेलकर शीर्ष पर बने रहे प्रज्ञाननंदा

एजेंसी (हि.स.)

बुखारेस्ट

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने ग्रैंड शतरंज टूर्नामेंट के तहत खेली जा रही सुपर शतरंज क्लासिक प्रतियोगिता में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रज्ञाननंदा ने जर्मनी के मजबूत खिलाड़ी विन्सेंट कीमर के साथ बाजी ड्रॉ खेली, जिसके बाद वह अंक तालिका में संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। इससे पहले दूसरे दौर के मुकाबले में उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को मात देने वाले भारतीय खिलाड़ी के अब कुल दो अंक हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस समय 10 खिलाड़ियों की इस मुख्य प्रतियोगिता में कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है और आधे खिलाड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज हैं। प्रज्ञाननंदा के साथ-साथ फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट, अनीश गिरी और जर्मनी के विन्सेंट कीमर दो-दो अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं। लीडरबोर्ड में अन्य खिलाड़ियों की बात करें तो अमेरिका के दिग्गज खिलाड़ी फैबियानो कारुआना और वेस्ली सो के बीच भी कड़ा मुकाबला चल रहा है। इन दोनों अमेरिकी खिलाड़ियों ने अब तक अपने सभी मैच ड्रॉ खेले हैं और वे 1.5 अंकों के साथ रेस में बने हुए हैं। वहीं, ईरानी मूल के फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेजा फि रोजा और स्थानीय स्टार डिएक बोगदान-डैनियल के लिए टूर्नामेंट की शुरूआत धीमी रही है और दोनों अभी तक केवल आधा-आधा अंक ही जुटा पाए हैं।

उत्तर भारत का देसी सुपरफूड: गर्मियों में वरदान हैं सत्तू से बने लजीज व्यंजन

गर्मियों के थपेड़ों और लू के बीच शरीर को ठंडा, हाइड्रेटेड और ऊर्जावान बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड का पारंपरिक 'सत्तू' स्वाद और सेहत का एक ऐसा बेजोड़ कॉम्बिनेशन है, जिसका कोई सानी नहीं है। प्रोटीन, फाइबर, आयरन और कैल्शियम से भरपूर सत्तू न सिर्फ पेट को ठंडक देता है, बल्कि पाचन तंत्र को भी दुरुस्त रखता है।

सत्तू का शरबत: तुरंत एनर्जी देने वाला 'देसी ड्रिंक'

विशेषता: तेज धूप और लू के मौसम में यह डिहाइड्रेशन से बचाने का सबसे अचूक उपाय है।

बनाने का तरीका: सत्तू में ठंडा पानी, नींबू का रस, काला नमक, भुना जीरा और हरा धनिया मिलाया जाता है। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें बारीक कटा प्याज और हरी मिर्च भी डाली जाती है।

सत्तू चीला: फिटनेस लवर्स के लिए 'हाई-प्रोटीन ब्रेकफास्ट'

विशेषता: जो लोग वजन कम करना चाहते हैं या जिम जाते हैं, उनके लिए यह एक बेहतरीन और पचने में हल्का विकल्प है।

बनाने का तरीका: सत्तू में बारीक कटी शिमला मिर्च, प्याज, टमाटर, धनिया और मसालों का गाढ़ा घोल बनाकर तवे पर बेहद कम तेल में चीले की तरह पकाया जाता है।

सत्तू के लड्डू: कमजोरी दूर करने वाला 'हेल्दी डेजर्ट'

विशेषता: गर्मियों में होने वाली थकान को दूर करने और शरीर को तुरंत ताकत देने में मददगार है, खासकर बच्चों के लिए।

बनाने का तरीका: सत्तू में शुद्ध देसी घी, मीठे के लिए गुड़ (या बूरा), इलायची पाउडर और मनपसंद ड्राई फ्रूट्स मिलाकर इसके गोल-गोल लड्डू तैयार किए जाते हैं।

क्यों है सत्तू 'सुपरफूड'

लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्स: डायबिटीज (मधुमेह) के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद। नेचुरल कूलेंट: पेट की गर्मी को शांत करता है और एसिडिटी से राहत देता है। पॉकेट-फ्रेंडली प्रोटीन: महंगे प्रोटीन सप्लीमेंट्स के मुकाबले एक बेहद सस्ता और शत-प्रतिशत प्राकृतिक विकल्प।

सत्तू पराठा: पोषण और स्वाद का अनूठा संगम

विशेषता: इसमें मौजूद हाई-फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती।

बनाने का तरीका: गेहूं के आटे की लोई में सत्तू, बारीक कटा प्याज, अदरक, हरी मिर्च, धनिया पत्ती और अचार का मसाला (जो इसका मुख्य सीक्रेट इंग्रीडिएंट है) भरकर पराठा सेका जाता है। इसे घी या मक्खन के साथ परोसा जाता है।

लिट्टी-चोखा: बिहार की विश्व प्रसिद्ध पारंपरिक थाली

विशेषता: यह सिर्फ एक डिश नहीं बल्कि एक संपूर्ण और संतुलित आहार है, जो स्वाद के साथ भरपूर पोषण देता है।

बनाने का तरीका: आटे की गोल लोई के अंदर मसालेदार सत्तू की स्टफिंग भरकर इसे कोयले या उपलों की धीमी आंच पर सेंका जाता है। इसे बैंगन, आलू और टमाटर के गरमा-गरम चोखे और ढेर सारे देसी घी के साथ परोसा जाता है।

वेज डिश: कड़ाही पनीर

कड़ाही पनीर उत्तर भारत की एक बेहद लोकप्रिय डिश है, जिसे शिमला मिर्च, प्याज और ताजे पिसे मसालों (कड़ाही मसाला) के साथ बनाया जाता है।

आवश्यक सामग्री

मुख्य सामग्री: पनीर (250 ग्राम - चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ), 1 बड़ी शिमला मिर्च (क्यूब्स में कटी हुई), 1 बड़ा प्याज (परतों में खुला हुआ और चौकोर कटा हुआ)।

ग्रेवी के लिए: 2 बड़े प्याज (बारीक कटे हुए), 3 टमाटर (प्यूरी या पेस्ट), 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 हरी मिर्च (लंबाई में कटी हुई)।

कड़ाही मसाला (ताजा पीसने के लिए): 2 चम्मच खड़ा धनिया, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच जीरा, 2-3 सूखी लाल मिर्च, 4-5 काली मिर्च के दाने।

अन्य: 3 चम्मच तेल या घी, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच कसूरी मेथी, हरा धनिया (बारीक कटा हुआ), नमक स्वादानुसार।

बनाने की विधि और तरीका

कड़ाही मसाला तैयार करें: सबसे पहले सूखे खड़े मसालों (धनिया, सौंफ, जीरा, सूखी लाल मिर्च, काली मिर्च) को धीमी आंच पर पैन में भून लें। ठंडा करके इन्हें दरदरा पीस लें।

सब्जियां भूनें: एक कड़ाही में 1 चम्मच तेल गरम करें। इसमें चौकोर कटे प्याज और शिमला मिर्च को तेज आंच पर 2 मिनट के लिए टॉस करें (सब्जियां क्रंची रहनी चाहिए)। इन्हें निकाल कर अलग रख लें।

तड़का और ग्रेवी: उसी कड़ाही में बचा हुआ तेल/घी डालें। बारीक कटे प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। फिर अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर 1 मिनट भूनें।

मसाले और टमाटर: अब टमाटर की प्यूरी, हल्दी, कश्मीरी लाल मिर्च और स्वादानुसार नमक डालें। मसाला तब तक भूनें जब तक कि वह तेल न छोड़ दे।

मिश्रण तैयार करें: अब इसमें तैयार किया हुआ 'कड़ाही मसाला' डालें और अच्छे से मिलाएं। थोड़ा सा पानी (लगभग आधा कप) डालकर ग्रेवी को उबलने दें।

अंतिम चरण: ग्रेवी में भुनी हुई शिमला मिर्च, प्याज और पनीर के टुकड़े डालें। धीमी आंच पर 4-5 मिनट के लिए ढककर पकाएं ताकि पनीर में मसालों का स्वाद समा जाए। अंत में कसूरी मेथी को हाथों से क्रश करके डालें और हरे धनिए से गार्निश करें।

नॉन-वेज डिश: चिकन चंगेजी

मुगलई व्यंजनों में चिकन चंगेजी अपनी रिच, क्रीमी और थोड़े खट्टे-तीखे स्वाद की ग्रेवी के लिए जानी जाती है।

आवश्यक सामग्री

चिकन मैरिनेशन के लिए: 500 ग्राम चिकन, 1/2 कप दही, 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच नींबू का रस, नमक स्वादानुसार।

ग्रेवी के लिए: 2 बड़े प्याज (फ्राई करके पेस्ट बनाया हुआ - बरस्ता), 3 टमाटर की प्यूरी, 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1/4 कप दूध, 2-3 चम्मच ताजी मलाई या अमूल क्रीम, 1/2 कप तेल या घी।

मसाले: 1 चम्मच धनिया पाउडर, 1/2 चम्मच गरम मसाला पाउडर, 1/2 चम्मच चाट मसाला, 1 चम्मच कसूरी मेथी, 2-3 हरी मिर्च।

बनाने की विधि और तरीका

मैरिनेशन: चिकन को अच्छी तरह धोकर मैरिनेशन की सभी सामग्रियों (दही, अदरक-लहसुन पेस्ट, मिर्च, नींबू, नमक) के साथ मिलाकर कम से कम 30 मिनट के लिए रख दें।

चिकन को भूनें: एक पैन में 2 चम्मच तेल गरम करें और मैरिनेटेड चिकन के टुकड़ों को दोनों तरफ से अलट-पलट कर तब तक सेकें जब तक उन पर हल्के ग्रिल मार्क्स न आ जाएं और चिकन 80% तक पक न जाए। इसे अलग रख लें।

ग्रेवी की तैयारी: एक भारी तले की कड़ाही में बचा हुआ तेल/घी गरम करें। इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। फिर टमाटर की प्यूरी डालकर तब तक पकाएं जब तक तेल अलग न होने लगे।

सूखे मसाले और प्याज: अब धनिया पाउडर, गरम मसाला और चाट मसाला डालें। इसके बाद फ्राई किए हुए प्याज का पेस्ट (बरस्ता पेस्ट) डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

क्रीमी टेक्सचर: आंच को धीमा करें और इसमें धीरे-धीरे दूध और मलाई डालते हुए लगातार चलाते रहें ताकि ग्रेवी फटे नहीं।

चिकन को पकाना: अब इस ग्रेवी में भुना हुआ चिकन और बची हुई हरी मिर्च डालें। आवश्यकतानुसार थोड़ा पानी डालें, ढक दें और धीमी आंच पर 10-12 मिनट तक पकने दें जब तक चिकन पूरी तरह सॉफ्ट न हो जाए।

फिनिशिंग टच: अंत में रोस्ट की हुई कसूरी मेथी डालें। इसे गरमा-गरम खमीरी रोटी या नान के साथ परोसें।

जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वाली कर्मचारी होंगे निलंबित: शर्मा

उपायुक्त ने जनगणना कार्य में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी तथा वितायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्व डॉ सुमिता मिश्रा ने आज चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ बैठक कर राज्य मे चल रहे जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में जनगणना कार्यों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि जो कर्मचारी जनगणना कार्य में लापरवाही बरत रहे हैं अथवा अपने दायित्वों का सही प्रकार से निर्वहन नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्ध सख्त से सख्त प्रशासनिक कार्रवाई अमल में लाई जाए।

बैठक के उपरांत उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता की और जिला में चल रहे जनगणना कार्य की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि जो कर्मचारी ड्यूटी पर रिपोर्ट नहीं कर रहे हैं उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी तथा संबंधित विभागों को उनके निलंबन हेतु भी लिखा जाएगा।

नगर निगम पंचकुला द्वारा पत्र के माध्यम से इस प्रकार से कोताही बरतने वाले 21 कर्मचारियों के नाम दिए गए है। इन सभी के विरुद्ध निलंबन प्रक्रिया शुरू करने बारे इनके विभागअध्यक्ष को लिखा जाएगा। इसी प्रकरण मे श्री दीपक सुखिजा, चार्ज अधिकारी, नगर परिषद कालका को 2 दिन का नोटिस जारी किया गया है। यदि 2 दिन के भीतर जनगणना कार्य मे संतोषजनक तेजी नहीं आती तो उक्त अधिकारी के विरुद्ध भी निलंबन की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

प्रशासन जनगणना कार्य को अत्यंत गंभीरता से ले रहा है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या बाधा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य जनगणना कार्य को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण करना है।

इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने आमजन से अपील की कि वे जनगणना कर्मचारियों का सहयोग करें तथा अपनी सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाएं, ताकि जनगणना कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

इस अवसर पर नगराधीश जागृति, तहसीलदार पंचकूला सुरेश कुमार, तहसीलदार कालका नीतीश सिंगला, जिला शिक्षा अधिकारी संध्या छिकारा और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य अभियंता ने सेक्टर 26 मार्किट में प्रस्तावित विकास कार्यों का निरीक्षण किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

श्री सी.बी. ओझा, मुख्य अभियंता, यू.टी. चंडीगढ़ ने इंजीनियरिंग विभाग के सड़कों एवं जन स्वास्थ्य शाखा के कार्यकारी अभियंताओं तथा अन्य अधिकारियों के साथ सेक्टर-26 स्थित ग्रेन मार्केट का दौरा कर मंडी क्षेत्र में प्रस्तावित विकास कार्यों का निरीक्षण एवं समीक्षा की।

दौरे के दौरान मुख्य अभियंता ने कार्यकारी अभियंता (सड़कें) को ग्रेन मार्केट की सड़कों की रिकारपेटिंग का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि सड़कों की स्थिति में सुधार हो सके तथा मंडी क्षेत्र में आवागमन सुगम बनाया जा सके।

उन्होंने कार्यकारी अभियंता (जन स्वास्थ्य) को क्षेत्र में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज कार्य शुरू करने के भी निर्देश दिए। वर्तमान में क्षेत्र में भूमिगत स्टॉर्म वाटर पाइपलाइन प्रणाली कार्यरत है, जो रोड गलियों एवं निरीक्षण कक्षों के माध्यम से जुड़ी हुई है। किंतु कूड़ा-कचरा, सब्जियों के अवशेष, वर्षा के दौरान जमा होने वाली गाद तथा खाने-पीने के प्रतिष्ठानों से निकलने वाले चिकनाईयुक्त पदार्थों के कारण ये पाइपलाइनें बार-बार जाम हो जाती हैं, जिससे जल निकासी व्यवस्था प्रभावित होती है।

इस समस्या के समाधान हेतु सड़कों के किनारों तथा अन्य क्षेत्रों की परिधि में फ्छउ/टर कवर युक्त खुली नालियों के निर्माण का प्रस्ताव है। साथ ही, इन नालियों को नगर निगम की स्टॉर्म वाटर लाइन से जोड़ने से पूर्व उपयुक्त स्थानों पर कलेक्टिंग पिट्स भी बनाए जाएंगे। प्रभावी जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए सड़कों की ढलान इन नालियों की ओर रखी जाएगी। यह प्रणाली सफाई एवं रखरखाव को सरल बनाएगी तथा नालियों में आने वाला ठोस कचरा नगर निगम की ड्रेनेज प्रणाली में जाने के बजाय कलेक्टिंग पिट्स में ही एकत्र हो जाएगा।

प्रस्तावित ड्रेनेज नेटवर्क की कुल लंबाई लगभग 1700 मीटर है तथा परियोजना की अनुमानित लागत 194.04 लाख रुपये है।

मुख्य अभियंता ने ग्रेन मार्केट क्षेत्र में स्वच्छता, जल निकासी तथा समग्र आधारभूत ढांचे में सुधार सुनिश्चित करने के लिए कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया।

पंचकूला के सेक्टर 14 में सड़कों की कारपेटिंग शुरू निवासियों को मिली राहत : आयुक्त विनय कुमार

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

सेक्टर 14 में सड़कों पर कारपेटिंग का लंबे समय से प्रतीक्षित कार्य नगर निगम पंचकूला की निगरानी में शुरू हो गया है, जिससे क्षेत्र के निवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। यह कदम इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि स्थानीय लोग लंबे समय से आंतरिक सड़कों और बाजार क्षेत्र में गड्ढों, टूटे हिस्सों और पैचवर्क की खराब स्थिति को लेकर शिकायतें कर रहे थे।

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार ने बताया कि चल रहे कारपेटिंग कार्य से सड़कों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे वाहन चालकों को अधिक सुगम और सुरक्षित सफर का अनुभव मिलेगा, साथ ही सेक्टर के समग्र शहरी बुनियादी ढांचे को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कों के कारण म्हारी सड़क पोर्टल पर सड़क संबंधी सार्वजनिक शिकायतों में भी कमी आने की संभावना है।

विनय कुमार ने कहा कि नगर निगम आयुक्त का कार्यभार संभालने के बाद से ही वह पूरे शहर में सड़कों की स्थिति की नियमित समीक्षा कर रहे हैं और निगम के इंजीनियरिंग विंग के माध्यम से सुधार कार्यों में तेजी लाने पर विशेष जोर दे रहे हैं। हालांकि, पिछले कुछ महीनों के दौरान बाहरी परिस्थितियों के चलते कारपेटिंग कार्य शुरू होने में कुछ अपरिहार्य देरी हुई।

उन्होंने बताया कि ईरान संघर्ष के कारण बिटुमेन (डामर) की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला और इसकी आपूर्ति भी प्रभावित हुई, जिसका असर कई क्षेत्रों में सड़क विकास परियोजनाओं पर पड़ा। इसके अलावा, आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण भी परियोजना की शुरूआत में अतिरिक्त विलंब हुआ। अब परिस्थितियां अनुकूल होने के बाद नगर निगम ने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि सेक्टर 14 के निवासियों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि बेहतर सड़कें क्षेत्र में दैनिक आवागमन को सुगम बनाने के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार लाएंगी।

विनय कुमार ने पंचकूला में नागरिक बुनियादी ढांचे के निरंतर विकास और जनता की समस्याओं के समयबद्ध समाधान के प्रति नगर निगम की प्रतिबद्धता दोहराई है ।

डॉ. सुभाष सेठी के प्रथम काव्य संग्रह मेरी फुरसत बिकाऊ है का लोकार्पण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

संवेदनाओं, स्मृतियों और मानवीय रिश्तों की गहराइयों को स्पर्श करता डॉ. सुभाष सेठी का प्रथम हिंदी काव्य संग्रह मेरी फुरसत बिकाऊ है का लोकार्पण एवं चर्चा समारोह होटल ट्यूलिप इन में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्य, चिकित्सा और सामाजिक जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति रही। मंच संचालन प्रसिद्ध कवयित्री एवं लेखिका विमला गुगलानी ने किया।

54 कविताओं से सुसज्जित इस काव्य संग्रह में प्रेम, विरह, अकेलापन, स्मृतियों और मानवीय संवेदनाओं का अत्यंत मार्मिक चित्रण किया गया है। पुस्तक के लेखक डॉ. सुभाष सेठी ने अपने वक्तव्य में कहा कि वे जब भी समय मिलता है, कलम से दोस्ती निभाते हैं। चिकित्सा सेवा के व्यस्त जीवन के बीच लेखन उनके लिए आत्मिक सुकून का माध्यम रहा है। उन्होंने कहा कि यह दस्तूर-ए-जुबाँबंदी है कैसा तेरी महफि ल में, यहाँ तो बात करने को तरसती है जुबाँ मेरी।

डॉ. सेठी ने बताया कि मेरी फुरसत बिकाऊ है उनकी चौथी पुस्तक है। इससे पूर्व उनकी तीन कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं, जिनमें दो अंग्रेजी तथा एक पंजाबी भाषा में हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मन में कविता के माध्यम से अपनी भावनाएँ अभिव्यक्त करने की इच्छा थी। अपनी दिवंगत पत्नी धर्मपत्नी (नीलम सेठी) की स्मृतियों ने उनके भीतर जो भाव जगाए, उन्हीं को शब्दों में पिरोकर यह काव्य संग्रह तैयार हुआ है। यह पुस्तक उन्होंने अपनी स्वर्गीय पत्नी की स्मृति को समर्पित की है। कार्यक्रम में डॉ रेनू आहूजा, अस्वनी सेठी, राकेश, राजेश, रोहित जुनेजा, किरन सेतिया, राज विज, डॉ. निशू, डॉ. प्रदीप, श्रेया, आंचल, हरीश बजाज सहित साहित्यप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नेक्सस एलांते मॉल में शाम-ए-महफिल के साथ पापोन ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पारंपरिक लोक संगीत और समकालीन धुनों के अनूठे संगम के लिए प्रसिद्ध गायक-गीतकार पापोन ने यहां नेक्सस एलांते मॉल में शाम-ए-महफि ल के तहत अपनी मनमोहक लाइव प्रस्तुति से संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। सूफियाना गजलों और मधुर गीतों से सजे इस कार्यक्रम में पापोन ने भारतीय लोक, शास्त्रीय और आधुनिक संगीत का बेहतरीन मेल प्रस्तुत किया। अपनी विशिष्ट गायकी और संगीत शैली के कारण पापोन आज भी भारतीय संगीत प्रेमियों के दिलों में एक खास स्थान बनाए हुए हैं।

सच्ची भक्ति केवल परमात्मा की जानकारी के बाद ही संभव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य, परमात्मा की पहचान, अहंकार त्याग तथा विश्व बंधुत्व पर अपने प्रेरणादायी विचार सेक्टर-32डी चंडीगढ़ के ग्राउंड में आयोजित विशाल निरंकारी संत समागम में शाहबाद मारकण्डा से आए जोनल इंचार्ज श्री सुरिन्द्र पाल जी ने हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

श्री पाल जी ने आगे कहा कि सच्ची भक्ति तभी संभव है जब मनुष्य परमात्मा को सही रूप में जान ले। धार्मिक ग्रंथों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ह्लबिन जाने न होए प्रीतिह्व अर्थात बिना परमात्मा की पहचान के उसके प्रति वास्तविक प्रेम और भक्ति उत्पन्न नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि परमात्मा किसी विशेष स्थान, मंदिर, मस्जिद या तीर्थ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह प्रत्येक जीव और प्रत्येक कण में विद्यमान है। आवश्यकता केवल उसे पहचानने और अनुभव करने की है। जब मनुष्य सत्गुरु की कृपा से इस सत्य को जान लेता है, तब उसके जीवन में आत्मिक शांति और आनंद स्वतः आने लगता है। श्री पाल जी ने कहा कि प्रत्येक युग में समय का सत्गुरु ही वह माध्यम रहा है जिसने मानव को निराकार प्रभु की जानकारी देकर उसके जीवन को सही दिशा प्रदान की। वर्तमान समय में सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज द्वारा सम्पूर्ण मानवता को परमात्मा की पहचान करवाई जा रही है, जिससे मनुष्य अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझ पा रहा है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन केवल सांसारिक उपलब्धियों और भौतिक सुखों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य परमात्मा को जानना, मानवता की सेवा करना तथा प्रेम और विनम्रता से जीवन व्यतीत करना है।

उन्होंने कहा कि आज का मनुष्य पूजा-पाठ, तीर्थ यात्राओं और धार्मिक परम्पराओं में तो समय व्यतीत करता है, लेकिन आत्मा और परमात्मा के वास्तविक संबंध को समझने का प्रयास कम करता है। संत निरंकारी मिशन यही संदेश देता है कि जब मनुष्य सत्गुरु की कृपा से परमात्मा को जान लेता है, तब उसके जीवन से भय, चिंता, तनाव और असुरक्षा की भावना स्वतः समाप्त होने लगती है। अपने विचार आगे रखते हुए श्री पाल सिंह जी ने कहा कि सभी धर्मों का मूल संदेश प्रेम, मानवता और भाईचारा है। चाहे कोई ईश्वर कहे, अल्लाह कहे, वाहेगुरु कहे या गॉड कहे सभी नाम उसी एक निराकार परमात्मा की ओर संकेत करते हैं। इसलिए मनुष्य को धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के आधार पर भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम और सद्भाव के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि निरंकारी मिशन सम्पूर्ण मानवता को एक परिवार मानते हुए विश्व बंधुत्व का संदेश देता है और समाज में प्रेम, एकता एवं सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने जनगणना 2027 की प्रगति की समीक्षा की, फील्ड संचालन में कड़ी जवाबदेही के निर्देश दिए

हरियाणा में जनगणना 2027 के कार्यों में तेजी; कई जिलों में 100% जनगणना कार्य आरंभ किया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा ने चल रही जनगणना 2027 की मकानसूचीकरण और आवास जनगणना प्रक्रिया में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है, राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में मकानसूचीकरण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज मंडल आयुक्तों, उपायुक्तों, नगर आयुक्तों, जिला शिक्षा अधिकारियों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से व्यापक समीक्षा बैठक की, जिसमें राष्ट्रव्यापी अभ्यास के कार्यान्वयन की गति और समय पर पूरा करने की तैयारियों का आकलन किया गया। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कार्य पूर्ण समर्पण, जवाबदेही और दक्षता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना नीति निर्माण, विकास योजना, संसाधन आवंटन और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का एक महत्वपूर्ण आधार है, जिससे शासन और लोक प्रशासन के लिए इसका सफल निष्पादन अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि जनगणना ड्यूटी में लापरवाही बरतने या सहयोग न करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना कार्य निदेशक, हरियाणा, डॉ. ललित जैन ने बताया कि हरियाणा में कुल मकानसूचीकरण ब्लॉकों (ल्छइ२) के 97 प्रतिशत से अधिक में कार्य शुरू हो चुका है। यमुना नगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, फतेहाबाद, हांसी, चरखी दादरी और फरीदाबाद सहित कई जिलों ने मकानसूचीकरण गतिविधियों का 100 प्रतिशत आरंभ का लक्ष्य हासिल किया गया है, जो जिला प्रशासन, गणनाकारों और पर्यवेक्षी कर्मचारियों की दक्षता और प्रतिबद्धता को दशार्ता है। चरखी दादरी 32 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण करके अग्रणी जिला बना, जबकि फतेहाबाद, हांसी, जींद और महेंद्रगढ़ ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की। नगर निगमों में, पानीपत ने पूर्ण किए गए कार्य का सबसे अधिक प्रतिशत दर्ज किया, उसके बाद रोहतक और फरीदाबाद का स्थान रहा, जो शहरी क्षेत्रों में भी स्थिर प्रगति का संकेत देता है। बैठक के दौरान, वित्तीय आयुक्त, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने जमीनी स्तर पर कार्य को सुचारू और समय पर पूरा करने के लिए नगर समितियों, सरपंचों, पंचों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सक्रिय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जनगणना प्रक्रिया में ग्राम सभाओं को सक्रिय रूप से शामिल करने और क्म्ड गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता पैदा करने का आह्वान किया। कार्यान्वयन को और मजबूत करने के लिए, सभी जिला प्रशासनों को जनगणना ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के कार्य घंटों को उचित रूप से समायोजित करने की सलाह दी गई ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर फील्ड संचालन पूरा किया जा सके। मुख्य सचिव ने 15 जून, 2026 से शुरू होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ) अभ्यास की तैयारियों की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बीएलओ और फील्ड स्टाफ को सौंपी गई जनगणना और मतदाता पुनरीक्षण ड्यूटी के बीच ओवरलैप से बचने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित करने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने जोर दिया कि जनगणना में लगे बीएलओ को 31 मई, 2026 तक छूट दी जा सकती है। बैठक में सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, श्री दुष्मंत कुमार बेहरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

जम्मू कश्मीर हाउस में हुई आत्मिक मुलाकात, सनातन संस्कृति और समाज सेवा पर हुई विशेष चर्चा

चंडीगढ़ । श्री हिंदू तख्त के परम पूज्य श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर प्रकाशानंद महाराज जी के पावन सानिध्य में हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष माननीय मोहन लाल बडोली जम्मू कश्मीर हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर दोनों के बीच आत्मिक मुलाकात के साथ-साथ विभिन्न आध्यात्मिक, सामाजिक और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान सनातन संस्कृति के संरक्षण, समाज में भाईचारे को मजबूत करने तथा युवाओं को अध्यात्म और नैतिक मूल्यों से जोड़ने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। महाराज जी ने कहा कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सेवा भाव और संस्कारों का प्रचार-प्रसार आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली ने महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए कहा कि संत समाज का मार्गदर्शन हमेशा समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने का कार्य करता है। उन्होंने महाराज जी के आध्यात्मिक विचारों और समाज सेवा के कार्यों की सराहना भी की। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं और भाजपा कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरा वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत दिखाई दिया। कार्यक्रम के अंत में महाराज जी ने प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण के लिए आशीर्वचन प्रदान किए।

आचार्य प्रशांत का यादगार सत्र आयोजित

चंडीगढ़। आचार्य प्रशांत का कई वर्षों बाद पंचकूला में आयोजित विशेष सत्र ज्ञान, उत्साह और आत्मीयता का अद्भुत संगम बन गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जबकि 1 लाख से अधिक लोगों ने इस सत्र को ऑनलाइन भी देखा। पंचकुला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में हुए इस कार्यक्रम में आचार्य प्रशांत का भव्य स्वागत किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उन्हें विशेष उपहार भेंट किए। एक खास नृत्य प्रस्तुति और सूफी भजन की भावपूर्ण प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया। पत्रकारों ने आचार्य प्रशांत से देश-विदेश के प्रमुख मुद्दों पर उनके वक्तव्य भी पूछे। उनसे जब युवाओं में बढ़ते नशे के चलन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि युवाओं के जोश को सही दिशा देने से वो भटकने से बच सकते हैं। इनमें पेट्रोल की लगातार बढ़ती कीमतें और आसन्न ऊर्जा संकट, ओटीटी पर स्त्री-विरोधी अश्लीलता का प्रसार, तथा कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में उनके आगामी संवाद जैसे विषय शामिल रहे, जिन पर उन्होंने अपने साफ और सीधे अंदाज में जवाब दिया। सत्र के दौरान आचार्य प्रशांत ने कठोपनिषद के गूढ़ श्लोकों पर गहन व्याख्यान दिया और जीवन, मृत्यु, भय, आत्मबोध तथा सत्य की खोज जैसे विषयों को अत्यंत सरल और प्रभावशाली ढंग से समझाया। उन्होंने उपनिषदों के संदेश को आधुनिक जीवन की चुनौतियों से जोड़ते हुए उपस्थित लोगों को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित किया।

रुद्रप्रयाग जनकल्याण मंच का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

चंडीगढ़। गढ़वाल भवन सेक्टर 29, चंडीगढ़ में रुद्रप्रयाग जनकल्याण मंच, चंडीगढ़ का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। राकेश बेंजवाल, अरुण वशिष्ठ, गोबिंद पंवार, सरूप सिंह रावत कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि रहे। दीप प्रज्वलित कर और वंदना द्वारा कार्यक्रम शरू किया गया। ट्राईसिटी में रह रहे उतराखंड के अनुपम पुरोहित और मीमांसा नेगी ने उतराखंड के लोग गीत गाकर जनता का मन मोह लिया। इनके गीतों पर लोग खूब झूमे। अंत में मुख्य अतिथि द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई जिसमे राजेंद्र बिष्ट प्रधान, शशि पुरोहित वरिष्ठ उपप्रधान, बलवंत रावत उपप्रधान, दीपक भट्ट महासचिव, राजेशवरी नेगी सचिव, भगवान सिंह पंवार संस्कृतिक सचिव, बीना बिष्ट उप संस्कृतिक सचिव, विश्वनाथ भट्ट ऑडिटर, सुखदेव वशिष्ठ केशियर, संजीव बेंजवाल प्रेस सचिव, उमेश वशिष्ठ माल सचिव की शपथ ली संगठन सचिव में सीमा सज्वान, हरीश बिष्ट, अंबिका नेगी, खीलेश सती, रोशनी राणा, शशांक पुरोहित, उदय पंवार ने शपथ ली। ट्राईसिटी की 25 उतराखंड की संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लियो अंत में प्रधान जी ने सभी का धन्यवाद किया।